सुविचार

कुछ घाव हमारी त्वचा को खोलने के बजाय हमारी आंखें खोल देते हैं।

-पाब्लो नेरुदा

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Wednesday, 12 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 58 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Nora Fatehi Slams Actors Who...

इफ्तार (बुधवार) : 05:59

सेहरी (गुरुवार) : 04:41

SHARE

सेंसेक्स	:	74,106.80
निफ्टी	:	22,497.50

SARAFA

सोना	:	8,210
चांदी	:	107.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

वरिष्ठ पत्रकार मनीष सिन्हा का निधन

JAMSHEDPUR : मंगलवार को प्रभात खबर के वरिष्ठ पत्रकार मनीष सिन्हा (51) का निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मंगलवार की सुबह उनकी तबीयत अचानक और अधिक बिगड़ गई। परिवार के लोग उन्हें लेकर तामोलिया स्थित ब्रह्मानंद हृदयालय अस्पताल जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। उनका अंतिम संस्कार भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर किया गया, जहां मंझले भाई नवीन सिन्हा ने मुखाग्नि दी। निधन की खबर से जमशेदपुर के पत्रकार जगत में शोक की लहर फैल गई है। दाईगुट्टू, मानगो स्थित आवास से लेकर बर्निंग घाट तक शोक संवेदना व्यक्त करने वालों का तांता लगा रहा।

आज लॉ एंड ऑर्डर की समीक्षा करेंगे हेमंत सोरेन

JAMSHEDPUR : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्य की विधि-व्यवस्था की बुधवार (12 मार्च) को समीक्षा करेंगे। सीएम हेमंत सोरेन जिले के डीसी व एसपी के साथ प्रोजेक्ट भवन में समीक्षा बैठक करेंगे। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की जाएगी। बताया जा रहा है कि इस बैठक में विधि व्यवस्था पर समीक्षा के अलावा भी राज्य में नक्सल, संगठित आपराधिक गिरोह, अवैध खनन, नारकोटिक्स जैसे कई अहम मुद्दों पर भी चर्चा और समीक्षा करेंगे। बताया जा रहा है कि इस समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन विधि व्यवस्था, वारंट तामिल, लंबित मामलों की स्थिति, सर्टिफिकेट केस की स्थिति, अवैध खनन, अवैध मादक पदार्थ, अवैध शराब और पुलिस इंफ्रास्ट्रक्चर संबंधी मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं।

4 प्रतिशत से नीचे रह सकती है महंगाई दर

NEW DELHI : देश में महंगाई कम होने के संकेत हैं। फरवरी में रिटेल महंगाई दर जनवरी के मुकाबले कम रह सकती है। सभी श्रेणी की वस्तुओं, खास तौर पर खाने की चीजों के दाम घटने से यह 4 प्रतिशत या इससे भी नीचे रह सकती है, जो रिजर्व बैंक के टारगेट के भीतर है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति अप्रैल में एक बार फिर नीतिगत ब्याज दर यानी रेपो रेट घटा सकती है। इस साल जनवरी में रिटेल महंगाई दर 4.31 प्रतिशत थी। सांख्यिकी मंत्रालय फरवरी के आंकड़े बुधवार को जारी करेगा।

पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारी ढोड़ा में एटीएस ने एनकाउंटर में किया ढेर

आतंक का अंत : मारा गया अमन

SUHAIB ANSARI @ RANCHI : मंगलवार की सुबह झारखंड पुलिस के लिए चुनौती बने कुख्यात अपराधी और गैंगस्टर अमन साव उर्फ अमन साहू का अंत हो गया। अमन के इस दुश्मन को पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के अंधारी ढोड़ा में एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) की टीम ने मुठभेड़ में मार गिराया। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने जानकारी दी है कि ये घटना मंगलवार की सुबह 9:15 बजे की है। एसपी के अनुसार, अमन को एनआईए के एक मामले में ट्रांजिट रिमांड पर एटीएस की टीम रायपुर जेल से ला रही थी। पुलिस उसे कड़ी सुरक्षा के बीच झारखंड ला रही थी। इस दौरान चैनपुर-रामगढ़ मार्ग पर अंहारी ढोड़ा के समीप अपराधियों ने पुलिस की स्कॉर्पियो पर बम फेंककर हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस अलर्ट हो गई। जहां घटना हुई है, वह थोड़ा जंगली इलाका है। यहां मोबाइल नेटवर्क की भी दिक्कत है। घटनास्थल से 100 मीटर पहले आम लोग और मीडिया के जाने पर रोक लगा दी गई। एसपी ने बताया कि अपराधियों ने पहले वाहन पर बम फेंका। इसके बाद अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने भी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की। बताया जाता है कि इस बीच स्कॉर्पियो में बैठा अपराधी अमन साव हवलदार राकेश कुमार का इंसास राइफल छीनकर उसके सिर पर तान दिया। फिर मौके का फायदा उठा कर वह भागने लगा। इसी क्रम में पुलिस व अपराधियों के बीच हुए एनकाउंटर में अपराधी अमन साव ढेर हो गया। इस घटना के बाद पुलिस ने चैनपुर-रामगढ़ मार्ग पर आवागमन पूरी तरह रोक दिया है। सड़क से करीब 50 फीट की दूरी पर गड्ढे में कुख्यात अपराधी अमन साहू का शव पड़ा था। पुलिस अधीक्षक सहित कई वरीय पदाधिकारी वहां पहुंचकर मामले की जानकारी ली। घटनास्थल पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। आवागमन रोक दिए जाने के बाद से लोगों की परेशानी बढ़ गई है।

ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर जेल से रांची लाया जा रहा था दुर्दांत अपराधी साव

अपराधियों ने पुलिस पर फेंका बम, फिर अमन ने हवलदार पर तानी राइफल

- मौके का फायदा उठा कर भाग रहा था अमन, जवाबी फायरिंग में पुलिस ने मार गिराया
- सड़क से करीब 50 फीट की दूरी पर गड्ढे में पड़ी हुई थी डेड बॉडी

गैंगस्टर अमन साव

- पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया मौत का स्थल
- अमन साव पर मर्डर, रंगदारी समेत 120 से अधिक मामले हैं दर्ज
- अपराधियों की गोलीबारी में घायल हुए हवलदार राकेश कुमार

कोयला और जमीन कारोबारियों को सबसे ज्यादा बनाता था निशाना

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट पीके सिंह की टीम का एक्शन

अपराधियों की गोलीबारी में हवलदार राकेश कुमार के जांघ में गोली लगी है। उन्हें इलाज के लिए एनएमसीएच में भर्ती कराया गया है। पुलिस को भारी पड़ता देख अपराधी भाग निकले। घटना के बाद पुलिस सर्च अभियान चला रही है। पुलिस ने घटना स्थल से दो जिंदा बम भी बरामद किया है। एटीएस के जिस सदस्य ने अमन साव का एनकाउंटर किया है, वह 1994 बैच के सब-इंस्पेक्टर रहे प्रमोद कुमार सिंह हैं। प्रमोद कुमार सिंह एनकाउंटर स्पेशलिस्ट माने जाते हैं। फिलहाल वह एटीएस में डीएसपी के पद पर हैं। जानकारी के अनुसार, प्रमोद कुमार को अमन साव को लाने की जिम्मेदारी दी गई थी।

अपराध मुक्त होना चाहिए झारखंड, अपराधी को कोई मैसेज नहीं, उस पर कार्रवाई होगी : डीजीपी

मंगलवार को झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि झारखंड अपराध मुक्त होना चाहिए। अपराधी को कोई मैसेज नहीं, उस पर कार्रवाई होगी। डीजीपी ने कहा कि अमन साहू मारा गया और एक हमारा जवान भी घायल हुआ है। मैंने एटीएस एसपी को पलामू भेजा है, मामले की जांच हो रही है, कैसे क्या हुआ। अमन साहू को पूछताछ के लिए नहीं लाया जा रहा था, उसे ट्रांजिट रिमांड पर लाया जा रहा था। एक केस में उसका रांची में ट्रायल होने था। वह इतना शातिर अपराधी था कि उसे ट्रांजिट रिमांड पर लाने के लिए साधारण पुलिसकर्मी की टीम को नहीं, बल्कि एटीएस की टीम को भेजा गया था।

विधानसभा चुनाव लड़ने वाला था अमन

झारखंड में हुए इस साल का विधानसभा चुनाव भी वह लड़ना चाह रहा था। उसने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए पर्चा भी खरीदा था। उसने चुनाव लड़ने की अनुमति के लिए झारखंड हाईकोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दाखिल की थी। पर झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस एसके द्विवेदी की पीठ ने चुनाव लड़ने के लिए सजा पर रोक लगाने की मांग वाली की याचिका खारिज कर दी थी। पीठ ने कहा था अमन साहू के खिलाफ 120 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पीठ ने अमन साहू के अधिवक्ता के उस दलील को नहीं माना था, जिसमें ममता देवी के मामले में दिए गए आदेश को आधार बनाया गया था। अमन साव का नाम रांची के कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा और हजारीबाग एनटीपीसी के अधिकारी कुमार गौरव पर हुई गोलीबारी से जुड़ रहा था। अमन साहू झारखंड पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती था। उसके गिरोह के निशाने पर कोयला कारोबारी, ट्रांसपोर्टर, ठेकेदार, रियल एस्टेट कारोबारी और बिल्डर थे। अमन इनसे लगातार रंगदारी वसूल रहा था। बात नहीं मानने वालों पर खुलेआम गोलियां भी चलवाता था। इसके बाद गैंग के गुर्गे सोशल मीडिया पर पोस्ट कर और वर्चुअल नंबर से मीडिया को जानकारी भी देते थे कि घटना को उनके ही गिरोह ने अंजाम दिया है।

हेमंत ने कल्पना की तरफ बिखेरी फूलों की पंखुड़ियां

रंगों में रंगी विधानसभा जमकर उड़े अबीर-गुलाल

- सीएम ने झारखंडवासियों को दी होली की शुभकामनाएं
- बोले- सबके जीवन में आए सुख, समृद्धि और खुशहाली

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड विधानसभा में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सभी जनप्रतिनिधियों ने जमकर होली खेली। रंग-अबीर के साथ-साथ फूलों की भी होली खेली गयी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन की तरफ फूलों की पंखुड़ियां बिखेरीं। होली मिलन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, उनकी सरकार के मंत्री के साथ-साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायक शामिल हुए। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने एक-दूसरे पर फूलों की बारिश की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सभी झारखंडवासियों को होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने होली मिलन समारोह के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि होली का त्योहार करीब है। रंगों के इस त्योहार को हम सभी उत्सव के रूप में मनाना शुरू कर चुके हैं।

सीबीआई के ब्रांच हेड को आदेश की कॉपी भेजने का निर्देश

कोर्ट ने जेपीएससी के 5 अफसरों के खिलाफ दिया जांच का आदेश

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने जेपीएससी-2 के पांच अफसरों के खिलाफ नए सिरे से जांच का आदेश दिया है। इन अफसरों में प्रशांत कुमार लायक, लाल मनोज नाथ शाहदेव, कुमार शैलेंद्र, हरि उरांव और कुमारी गीतांजलि का नाम शामिल है। न्यायालय ने अपने आदेश की कॉपी सीबीआई के ब्रांच हेड को भेजने का निर्देश दिया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने हसन भाई वली भाई बनाम गुजरात सरकार के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले के आलोक में उन अभियुक्तों के खिलाफ नए सिरे जांच आवश्यक करार दिया है। साथ ही सीबीआई को नए सिरे से जांच कर पूरक आरोप पत्र दायर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश की अदालत ने जेपीएससी-2 के अभियुक्तों के खिलाफ संज्ञान से संबंधित आदेश में लिखा है कि सीबीआई ने इन पांच अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र समर्पित नहीं किया है।

विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत का फैसला

नंबरों में बदलाव करने का है आरोप

प्राथमिकी में इनके खिलाफ स्पेसिफिक आरोप हैं। इससे संबंधित फॉरेंसिक रिपोर्ट में इनके नंबरों में बदलाव किए जाने का ब्योरा उपलब्ध है। जांच अधिकारी ने इन्हें आरोप मुक्त करने के लिए किसी कारण का उल्लेख नहीं किया है। हालांकि परीक्षा में बड़े पैमाने पर अनियमितता होने की बात कही है। न्यायालय ने अपने आदेश में लिखा है कि जेपीएससी द्वारा की गई नियुक्तियों में अनियमितता के सिलसिले में हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई थी। बुद्ध देव उरांव बनाम राज्य सरकार के इस मामले में हाइकोर्ट के आदेश के आलोक में जेपीएससी-1,जेपीसीएससी-2 सहित नियुक्तियों के लिए आयोजित की गई 16 परीक्षाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से दायर शपथ पत्र में भी परीक्षा के दौरान अनियमितता बरतने की बात कही गई थी। इन तथ्यों के मद्देनजर जांच अधिकारी को याचिकाकर्ता का बयान दर्ज कर रिकॉर्ड पर लाना चाहिए था। लेकिन, जांच अधिकारी ने ऐसा नहीं किया है।

इरफान अंसारी ने कहा रिम्स के डॉक्टरों को जल्द दी जाएगी प्रोन्नति

- स्वास्थ्य मंत्री बोले- जीबी की बैठक बुलाकर दिया जाएगा प्रमोशन
- पूर्व में प्रोन्नति में हुई विसंगतियों को मंत्री ने किया स्वीकार, फाइल मंगाने की कही बात
- सदन में कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप के ध्यानाकर्षण का जवाब दे रहे थे मंत्री

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 11वें दिन सदन की कार्यवाही 11 बजकर 08 मिनट पर शुरू हुई। सदन में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि रिम्स के जनरल बॉडी (जीबी) की बैठक बुलाकर डॉक्टरों को जल्द ही प्रोन्नति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में प्रोन्नति में विसंगतियां हुई हैं। इसे वह स्वीकार करते हैं। इसके लिए उन्होंने फाइल भी मंगाई है। अब जीबी की बैठक बुलाकर प्रोन्नति की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। डॉक्टर अंसारी कांग्रेस विधायक राजेश कच्छप के ध्यानाकर्षण का जवाब दे रहे थे। विधायक कच्छप का कहना था कि डॉक्टरों को प्रोन्नति नहीं मिलने से पूर्व में जो प्रोन्नति दी गई उसमें भारी गड़बड़ी हुई है। 60 साल की उम्र के बाद ज्वाइन करने वाले डॉक्टर प्रोन्नति नहीं मिलने के कारण जूनियर हो गए हैं और नियमित डॉक्टर जिन्हें सीनियर चिकित्सकों ने पढाया है, वे जूनियर हो गए। कच्छप ने राज्य के ही विशेषज्ञ चिकित्सकों को रिम्स डायरेक्टर बनाने का भी आग्रह किया।

एएसआई को 10 हजार रुपये घूस लेते एसीबी ने किया गिरफ्तार

RANCHI : बोकारो के गांधीनगर थाना के एएसआई अजय प्रसाद को मंगलवार को 10 हजार रुपये घूस लेते धनबाद एसीबी टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। जिसके बाद एसीबी ने गिरफ्तार कर अजय प्रसाद को धनबाद कार्यालय ले आई है। बताया जाता है कि केस संख्या 18/25 से जुड़ा हुआ मामला है। जिसमें एक व्यक्ति का नाम एफआईआर से हटाने के बदले अजय प्रसाद ने 10 हजार रुपये की मांग की थी। जिसकी शिकायत मिलने के बाद धनबाद एसीबी ने जाल बिछाया और जैसे ही एएसआई अजय प्रसाद रिश्वत की रकम स्वीकार कर रहे थे, टीम ने उन्हें मौके पर ही धर दबोच लिया।

हजारों एकड़ भूमि को किया जाएगा फ्री होल्ड : दीपक

भू-राजस्व मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा है कि खास महल की हजारों एकड़ जमीन को जल्द ही फ्री होल्ड किया जाएगा। उन्होंने सदन को बताया कि खास महल की जमीन को रैयतों के नाम करने के लिए सदस्य राजस्व परिषद की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है। कमेटी की 3-4 बैठकें हो चुकी है। अब अंतिम बैठक के बाद 45 दिनों के अंदर निर्णय ले लिया जाएगा। इससे पूर्व भाजपा विधायक आलोक चौरसिया ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से सरकार से जानना चाहा था कि जो लोग बरसों से खास महल की जमीन पर रह रहे हैं। उन्हें उस जमीन का मलिकाना हक क्यों नहीं दिया जा रहा। चौरसिया का कहना था कि डाल्टनगंज में बड़ी संख्या में लोग खास महल की जमीन पर रहते आए हैं। राज्य के अन्य जिलों में भी यही स्थिति है। लेकिन, उन्हें से जमीन का मालिकाना हक नहीं मिल रहा है। वह अपना घर नहीं बना पा रहे हैं।

न्यू स्टडी सी ईको सिस्टम को नुकसान के बावजूद की जा रही समस्या की उपेक्षा

अंधाधुंध रेत उत्खनन के कारण खतरे में पड़ा समुद्री जीवन

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : शहरी और औद्योगिक विकास के लिए प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के कारण पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगड़ रहा है। हाल में हुए रिसर्च से यह जानकारी मिल रही है कि दुनिया में रेत उत्खनन के बढ़ते व्यापार ने समुद्री जीवन को खतरे में डाल दिया है। इसका समुद्र के पानी पर ही प्रभाव नहीं पड़ रहा है, बल्कि वहां के जीव-जंतुओं के जीवन पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है। विशेष अध्ययन में यह बताया गया है कि रेत उत्खनन के कारण संरक्षित क्षेत्रों पर भी असर पड़ रहा है। यह चिंताजनक है कि इतनी गंभीर समस्या के बावजूद इसकी अनदेखी की जा रही है। रेत उत्खनन के समुद्री जीवन पर बढ़ते प्रभावों पर एलिकांटे विवि, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी गेंट, जिनेवा विवि और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से जुड़े शोधकर्ताओं ने खास अध्ययन किया है। इसके नतीजे विज्ञान पत्रिका जर्नल वन अर्थ में प्रकाशित किए गए हैं। रिपोर्ट में यह बताया गया है कि हर साल 800 करोड़ टन तक रेत समुद्रों से निकाली जा रही है। यह प्रतिदिन रेत से भरे जाने वाले 10 लाख ट्रकों के बराबर है।

जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ प्रजातियों को भी लगातार पहुंच रही क्षति

धुंधला होता जा रहा पानी, नष्ट होने की स्थिति में समुद्री घास और मूंगा

- हर साल दुनिया के समुद्रों से निकाला जा रहा 800 करोड़ टन तक बालू
- 1970 से 2019 के बीच तीन गुना से भी ज्यादा हो गया प्राकृतिक संसाधनों का दोहन
- पानी के बाद बालू दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तु

जिनेवा और मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया खास अध्ययन

जल संकट को भी मिल रहा बढ़ावा

प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की तेज गति जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ प्रजातियों को भी नुकसान पहुंचा रही है। साथ ही दुनिया में जल संकट को भी बढ़ावा दे रही है। यूएनईपी का भी कहना है कि पानी के बाद रेत दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा उपयोग की जाने वाली वस्तु है।

कंक्रीट और कांच का प्रमुख घटक

अध्ययन में बताया गया है कि एक तरह से रेत दुनिया भर में मानव विकास का आधार है। यह कंक्रीट, डामर, कांच और इलेक्ट्रॉनिक्स का एक प्रमुख घटक है। अपेक्षाकृत सस्ता होने के साथ-साथ इसका दोहन आसान है। गहरे समुद्र में उत्खनन खनन या महत्वपूर्ण खनिजों के विपरीत, समुद्रों में होते रेत खनन पर बहुत कम ध्यान दिया गया है। यह मछली पकड़ने के बाद इंसानों द्वारा की जाने वाली दूसरी सबसे आम तटीय गतिविधि है और इसे अक्सर हल्के में लिया जाता है। रेत उत्खनन खनन से न केवल तटीय क्षेत्र कटाव का सामना कर रहे हैं, बल्कि इससे समुद्री जीवों के आवास को भी बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। यह आक्रामक प्रजातियों के प्रसार में सहायक हो रहा है और इसकी वजह से मत्स्य पालन में भी कमी आ रही है।

BRIEF NEWS

अब तक 47 प्रतिशत चावल की हो सकी आपूर्ति

LATEHAR : खरीफ विपणन वर्ष 2024- 25 में धान खरीद के अनुपात में सीएमआर (चावल) की शत-प्रतिशत आपूर्ति के लिए उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में बैठक हुई। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि जिले में अब तक मात्र 47% चावल की आपूर्ति हुई है। इस पर उपायुक्त ने काफी नाराजगी व्यक्त की। मिलर आरडीएस एंड संस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सीएमआर (चावल) आपूर्ति में शिथिलता को देखते हुए 15 दिनों के अंदर सभी संबद्ध पैक्सों के सीएमआर की आपूर्ति करने का निर्देश दिया गया। निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध सीएमआर आपूर्ति करने में विफल होने पर मिलर व पैक्सों का भौतिक सत्यापन कराते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित अध्यक्षों, मिलर को एक हफ्ते में शत-प्रतिशत सीएमआर की आपूर्ति सुनिश्चित कराने का सख्त निर्देश दिया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, जिला सहकारिता पदाधिकारी जगमनि टोपनो, पैक्स अध्यक्ष, सचिव आदि उपस्थित थे।

डीजीपी ने एनटीपीसी के पदाधिकारियों संग की बैठक

HAZARIBAG : हजारीबाग में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने मंगलवार को एनटीपीसी के पदाधिकारियों के साथ पुलिस सभागार में बैठक की, जिसमें एनटीपीसी केरेडारी प्रोजेक्ट के जीएम फैज तैयब समेत 6 अन्य अधिकारी शामिल हैं। बैठक में क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और हाल की घटनाओं को लेकर चर्चा हुई। इस बीच राज्य के पूर्व कृषि मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता योगेंद्र साव एसडीओ से मिलने पहुंचे। उन्होंने अमन साव के एनकाउंटर पर खुशी जताते हुए डीजीपी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सिर्फ अमन ही नहीं, बल्कि उन सभी अपराधियों का एनकाउंटर होना चाहिए जो अपराधी गैंग बनाकर लोगों को प्रताड़ित और बर्बाद कर रहे हैं। योगेंद्र साव ने दावा किया कि बड़कागांव के लोगों को जेल से धमकी भरे फोन आ रहे हैं। उन्होंने पुलिस से जेल का कॉल डंप निकालने की मांग की और कहा कि विकास तिवारी जैसे अपराधी जेल से ही अपना गैंग चला रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कोयला माफिया कई इलाकों में सक्रिय हैं और गज्जू साव इस अवैध कारोबार के प्रमुख व्यक्ति हैं। पत्रकारों से बात करते हुए योगेंद्र साव ने कहा कि एनटीपीसी अधिकारी की हत्या दुखद है, लेकिन एनटीपीसी खुद भी विस्थापन के दर्द को बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि बड़कागांव में आज भी विस्थापन की समस्या बनी हुई है। बिना मुआवजा दिए लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाए गए। अब जब अधिकारियों पर हमला हुआ, तो स्थानीय लोगों को लगता है कि वे भी हमारी पीड़ा समझ सकते हैं। साव ने कहा कि भले ही पुलिस कार्रवाई कर रही हो, लेकिन लोगों के दिलों में एनटीपीसी की नीतियों को लेकर गहरा आक्रोश है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि वे स्थानीय समुदाय की आवाज सुनें और विस्थापन की समस्या का समाधान निकालें।

चोरी की 45 मोटरसाइकिल के साथ दो कुख्यात वाहन चोर हुए गिरफ्तार

बोकारो व आसपास में लगातार हो रही थी घटना, सीसीटीवी फुटेज से धराए

AGENCY BOKARO : बोकारो शहर और आसपास के क्षेत्रों में पिछले कुछ समय से मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही थीं। इस बढ़ती आपराधिक गतिविधि से नागरिकों में भय व्याप्त हो गया था। पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गीयारी ने इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उपाधीक्षक (नगर) आलोक रंजन के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया। इस टीम ने गुप्त सूचना, तकनीकी साक्ष्य और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अनुसंधान करते हुए दो कुख्यात वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों में मो. परवेज और मो. मासूम अंसारी–ने स्वीकार किया कि उन्होंने बोकारो शहरी क्षेत्र और आसपास के इलाकों से कई मोटरसाइकिलें चुराई थीं। पुलिस की कार्रवाई के दौरान उनके कब्जे से विभिन्न कंपनियों की 45 मोटरसाइकिलें बरामद की गईं, जिन्हें वे कथारा, तेनुघाट, गोमिया और पेटरवार थाना क्षेत्रों में छिपाकर रखे थे। ये वाहन चोरी के बाद अवैध रूप से कोयला ढुलाई और अन्य गैरकानूनी कार्यों में उपयोग किए जा रहे थे। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर पार्क करें, अतिरिक्त लॉक का उपयोग करें और सीसीटीवी कैमरों का अधिक से अधिक प्रयोग करें। दुकानदारों, स्कूलों, कॉलेजों और अन्य प्रतिष्ठानों को भी निगरानी के लिए कैमरे लगाने की सलाह दी गई है।

थाने में बरामद वाहनों के साथ पुलिसकर्मी व पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

होली से पहले अवैध शराब ठिकानों पर तेज हुई छापेमारी

RAMGARH : रामगढ़ में होली पर्व के मद्देनजर डीसी चंदन कुमार के निर्देश पर सहायक आयुक्त उत्पाद सुनील कुमार चौधरी ने अवैध शराब ठिकानों पर छापेमारी कराई। उत्पाद बल एवं सशस्त्र गृहरक्षक बल के सहयोग से रामगढ थाना अंतर्गत कैथा, हुहुवा, बाजार समिति, गोलपार सहित अन्य जगहों में सघन और व्यापक छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी अभियान के दौरान 1.80 लीटर अवैध विदेशी शराब एवं 100 लीटर अवैध महुआ शराब बरामद किया गया। छापेमारी अभियान में बाजार समिति निवासी सुमित कुमार पासवान को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। जबकि हुहुवा निवासी राजन साव, गोलपार निवासी छोटू माली एवं मनोज यादव के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की धारा के तहत फरार अभियोग दर्ज किया गया है। छापे मारी अभियान में उत्पाद अवर निरीक्षक कांग्रेश कुमार, सिपाही बिनय सिंह, प्रेम सिंह, कमलेश कुमार, नंदलाल कुमार आदि जवान शामिल थे।

रामगढ़ के बाजार में नकली पनीर की हो रही सप्लाई, छापेमारी में 70 किलो जब्त

AGENCY RAMGARH : होली के मौके पर रामगढ़ के बाजार में नकली पनीर की सप्लाई हो रही है। पनीर की एक बड़ी खेप खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने मंगलवार को जब्त की। रामगढ़ शहर के टेकर स्टैंड के मार्केट में हिंदुस्तान डेयरी दुकान में नकली पनीर की सप्लाई हो रही थी। इस दुकान से 70 किलो नकली पनीर जब्त किया गया है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी दीपश्री श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि हिंदुस्तान डेयरी के मालिक के जरिये होटल और आम ग्राहकों को नकली पनीर बेचे जा रही है। इस आधार पर जब दुकान में छापेमारी की गई तो 70 किलो नकली पनीर मिला। इसके अलावा खोवा और मटर भी इस दुकान से बेचा जा रहा था। उनका सैंपल लेकर भी जांच किया जा रहा है। थोक और खुदरा विक्रेता के नाम से संचालित इस दुकान के मालिक देव कुमार जायसवाल हैं। उन्हें भारी जुमार्ना ठोका जा रहा है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि होली के मौके पर ऐसी कई दुकानें हैं, जहां मिलावटी वस्तुओं की बिक्री हो रही है। शहर के सभी होटल और दुकानों की जांच चल रही है। जिन स्थानों पर नकली सामान मिलेगा, उन प्रतिष्ठानों को पहले जुमार्ना लगाया जाएगा। फिर उनकी दुकान बंद कराई जाएगी। हिंदुस्तान डेयरी के पास ट्रेड लाइसेंस भी नहीं था जिसे लेकर भी उन्हें जुमार्ना लगाया गया है। दुकानदार देव कुमार जायसवाल ने बताया कि वह बिहार से पनीर मंगवाता है। वहां उसे 180 किलो के भाव से पनीर मिलता है। रामगढ़ में वह 220 से 250 रुपए प्रति किलोग्राम पनीर बेच रहा है। जांच टीम उन प्रतिष्ठानों की भी जांच करेगी जहां हिंदुस्तान डेयरी से सप्लाई होती हैं।

छापेमारी के दौरान उपस्थित पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

समारोह के दौरान उपस्थित अभियंता व पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

पीवीयूएनएल ने 800 मेगावाट की इकाई को ग्रिड से जोड़ा

AGENCY RAMGARH : झारखंड की ऊर्जा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। पतरातू सुपर थर्मल पावर फेज-1 प्रोजेक्ट की पहली 800 मेगावाट यूनिट को मंगलवार को सफलतापूर्वक ग्रिड से जोड़ दिया गया। यह मील का पत्थर भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पीवीयूएनएल के सीईओ आर. के. सिंह ने इस सफलता के लिए पीवीयूएनएल , एनटीपीसी और बीएचईएल की टीमों के अटूट प्रयासों, समर्पण और दृढ़ संकल्प की सराहना की। उन्होंने प्रोजेक्ट, ओ एंड एम, कमीशनिंग, सर्विसेज विभागों, सहयोगियों, सहायक कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के योगदान को भी मान्यता दी?, जिन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीवीयूएनएल का अगला लक्ष्य इकाई एक के लिए इस वित्तीय वर्ष के भीतर वाणिज्यिक संचालन तिथि प्राप्त करना है। इसके अलावा, कंपनी वित्तीय वर्ष 2025-26 में फेज-1 की बची हुई दो इकाइयों के कमीशनिंग के लिए प्रतिबद्ध है। जिससे भारत की विद्युत उत्पादन क्षमता को और बढ़ावा मिलेगा। पीवीयूएनएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आरके सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि रणनीतिक योजना, सहयोग और समर्पण का प्रमाण है।

अपराधियों ने दो डंपर व एक पोकलेन में लगाई आग, जांच में जुटी पुलिस

AGENCY PALAMU : जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र में अज्ञात अपराधियों ने दो डंपर और एक पोकलेन में आग लगा दी। घटना जगदीशपुर में हुई। हाइवा और पोकलेन सड़क निर्माण कार्य में लगे हुए थे। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है। घटना सोमवार रात की है।

जानकारी के अनुसार सात से आठ की संख्या में आए अपराधियों ने जगदीशपुर प्राथमिक विद्यालय के पास लगाए गए एक पोकलेन, दो डंपर में आग लगा दी। तीनों वाहन सड़क निर्माण कार्य में लगे हुए थे। आग लगाने से पहले डंपर और पोकलेन में मौजूद मजदूरों को धमकाया और उन्हें वहां से हटाकर आग लगा दी गई। तीनों वाहन हरिहरगंज के तेंदुआ से कुल्हिया इलाके तक चल रहे सड़क निर्माण कार्य में लगे थे। आगजनी की घटना को अंजाम देने के बाद सभी लोग फरार हो गए है।

हरिहरगंज के पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार ने मंगलवार सुबह घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पता लगाया जा रहा है कि घटना के पीछे किनका हाथ है। पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस मामले के सभी एंगल पर जांच कर रही है। पुलिस बल घटनास्थल पर कैंप कर रही है।

दरअसल, जिस इलाके में यह घटना हुई, वह बिहार सीमा से सटा हुआ है। घटना के पीछे अपराधी शामिल हैं या नक्सली यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सड़क निर्माण कंपनी के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना के पहले किसी तरह की लेवी की मांग की गयी थी या नहीं इस एंगल पर भी जांच हो रही है।

धू-धू कर जलते सड़क निर्माण के लिए रखे वाहन ● फोटोन न्यूज

परीक्षा देकर लौट रही छात्रा की सड़क दुर्घटना में मौत, दो अन्य घायल

GIRIDIH : जिले के गांवा थाना क्षेत्र के गावां–सतगावां मेन रोड पर बंगालीबाड़ा के पास मंगलवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक छात्रा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्र घायल हो गए। उक्त थाना प्रभारी ने बताया कि जोड़ासिमर निवासी रश्मि कुमारी (पिता सुरेश राय), गुलशन कुमार (पिता सीकेन्द्र राम) व प्रीति कुमारी (पिता संतोष रजक) उच्च विद्यालय सेरुआ से आठवीं की बोर्ड परीक्षा देकर एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान बंगालीबाड़ा के पास विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य बाइक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक पर पीछे बैठी प्रीति कुमारी सड़क पर गिर गई। तभी घटनास्थल से गुजर रही एक बस ने प्रीति को कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इस हादसे में रश्मि कुमारी व गुलशन कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। रश्मि कुमारी के दाएं पैर की हड्डी टूटकर बाहर निकल गई है, जबकि गुलशन कुमार के माथे में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद सभी घायलों को गांवा पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांवा ले आए, जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल गिरिडीह रेफर कर दिया।

विस में उठा संविदा शिक्षकों का मामला

मंत्री ने कहा- जेपीएससी को बहाली के लिए भेजी गई है अधियाचना

PHOTON NEWS JSR : झारखंड राज्य विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार पांडेय ने बताया कि मंगलवार को विधानसभा में संविदा शिक्षकों का मामला उठा। आवश्यकता आधारित शिक्षकों के समायोजन संबंधी प्रश्न को पूर्व शिक्षा मंत्री व कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने रखा। प्रश्नकाल में प्रदीप यादव ने कहा कि राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में लगभग 700 आवश्यकता आधारित शिक्षक पिछले 8 वर्षों से कार्यरत हैं। उनकी नियुक्ति भी यूजीसी नियुक्ति नियमावली के तहत झारखंड सरकार के रोस्टर पालन करते हुए की गई है, तो उन्हें समायोजित करने में क्या दिक्कत है जबकि इसमें 90% लोग स्थानीय हैं।

विस में बोलते प्रदीप यादव

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम सदस्य की भावनाओं से सहमत हैं, लेकिन समायोजन नीतिगत मामला है। अगर किसी एक को करेंगे तो विभिन्न विभागों में कार्यरत लोगों पर भी इसका असर होगा। प्रदीप यादव ने पूरक प्रश्न करते हुए कहा कि इससे पहले भी सरकार ने नर्सिंग वालों को समायोजित किया है तो फिर इन्हें क्यों नहीं, जबकि ये आठ वर्षों के अनुभवी और समान योग्यता वाले हैं। इस पर मंत्री ने कहा कि हम उनके अनुभव को व्यर्थ नहीं जाने देंगे और जो सरकार जेपीएससी को बहाली करने के लिए अधियाचना भेजी है उसमें इन्हें वरीयता अंक प्रदान करेंगे। प्रदीप यादव ने पुनः पूछा कि सरकार जब अधियाचना भेज चुकी है तो फिर इनकी वरीयता की उसमें चर्चा नहीं है, तो बाद में वरीयता संबंधित बातों को जोड़ने पर कोई न्यायालय चला जाएगा और मामला फिर लटक जाएगा। दूसरी बात इनमें से बहुत शिक्षक ऐसे हैं, जिनकी आयु बहाली के समय आवेदन योग्य नहीं रह जाएगी तो उनका क्या होगा? आखिर सरकार को समायोजन करने में क्या परेशानी है। उन्होंने राजस्थान, हरियाणा, हिमाचल, अरुणाचल प्रदेश आदि जगहों पर ऐसे सेवा वालों के समायोजन करने का नोटिफिकेशन की भी बात की। इस पर मंत्री ने कहा कि जेपीएससी जब तक विज्ञापन प्रकाशित नहीं करती है, तब-तक उसमें संशोधन करने का अधिकार सरकार को है। हम प्रयास करेंगे कि लगभग 700 आवश्यकता आधारित शिक्षकों को वरीयता अंक देने की बात अधियाचना में शामिल करा दें। इसके साथ ही वैसे आवश्यकता आधारित शिक्षक, जिनकी आयु आवेदन लायक नहीं रहेगी उनके लिए भी आयुसीमा में छूट का प्रावधान शामिल किया जाएगा। प्रदीप यादव ने कहा कि सरकार जब 75% बात मानने को तैयार है, तो 25% पर क्यों अड़ी है। इन्हें समायोजित करने पर विचार करना चाहिए ये लोग योग्य और अनुभवी दोनों हैं तथा स्वीकृत पद पर कार्यरत हैं।

उत्तर प्रदेश के कुख्यात विकास दुबे की घटना से लोग जोड़ रहे कनेक्शन!

अमन साहू के एनकाउंटर पर सोशल मीडिया में मीम्स की आई बाढ़

MUJTABA RIZVI @ JSR : झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साव उर्फ अमन साहू को पुलिस ने एक एनकाउंटर में मार गिराया है। यह एनकाउंटर पलामू जिले के चैनपुर व रामगढ़ थाना के बीच अंधारी ढोढा गांव के पास हुआ है। घटना के बाद सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई है। झारखंड की इस घटना को लोग यूपी के कानपुर वाले कुख्यात विकास दुबे की एनकाउंटर वाली घटना से जोड़ रहे हैं। सोशल मीडिया पर तरह-तरह की चर्चा चल रही है। अधिकांश लोग झारखंड पुलिस की पीठ थपथपा रहे हैं। कोई इसे विकास दुबे की कहानी से जोड़ रहा है, तो कोई प्रयागराज वाले अतीक अशरफ के अंत को याद कर रहा है।

5 साल पहले हुआ था कानपुर वाले विकास दुबे का एनकाउंटर : झारखंड में लोग वाट्सएप स्टेटस लगाकर पूछ रहे हैं कि क्या यह कहीं कानपुर वाले विकास दुबे की तर्ज पर तो नहीं हुआ। पुलिस ने अमन साव की भी जिंदगी की गाड़ी तो नहीं पलटा दी है। हालांकि उत्तर प्रदेश में हुई घटना की उच्च स्तरीय जांच में साफ हो गया था कि घटना को लेकर उत्तर प्रदेश की पुलिस की ओर से दी गई जानकारी पूरी तरह से सही थी। पुलिस ने कानपुर के बिकरू वाले विकास दुबे का भी 10 जुलाई 2020 को इसी तरह एनकाउंटर कर दिया था। उसे उज्जैन में गिरफ्तार करने के बाद कानपुर लाया जा रहा था। विकास दुबे की घटना के बारे में पुलिस ने बताया था कि जब उसे कानपुर लाया जा रहा था, तो कानपुर से थोड़ा पहले उसकी गाड़ी पलट गई। गाड़ी पलटने के बाद विकास दुबे ने भागने की कोशिश की। उसने एक इंस्पेक्टर की पिस्तौल छीन ली थी। पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया तो विकास ने पुलिस कर्मियों पर फायर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए विकास दुबे को मार गिराया था। कुछ वैसी ही कहानी झारखंड के कुख्यात बदमाश अमन साव की भी है। अमन साव के बारे में पुलिस का कहना है कि उसे छत्तीसगढ़ की रायपुर जेल से झारखंड लाया जा रहा था। गाड़ी जब पलामू जिले के चैनपुर रामगढ़ थाना के बीच अंधारी ढोढा इलाके में पहुंची तो अमन साव के साथियों ने उसे छुड़ाकर ले जाने के लिए पुलिस वाहन पर बमों से हमला कर दिया। बताते हैं इसी बीच अमन साव ने पुलिस के एक जवान से राइफल छीन कर भागने की कोशिश की। अमन साव ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग कर गैंगस्टर को ढेर कर दिया। कानपुर वाली कहानी की तरह अमन साव वाली घटना में भी एक पुलिस के एक जवान के पैर में गोली लगी है। विकास दुबे की घटना के बाद से अब गैंगस्टर की गाड़ी पलटने का सिलसिला बढ़ गया है।

झारखंड में थी अमन साव की दहशत

अमन साव की फाइल फोटो

झारखंड में अमन साव की दहशत थी। अमन साव पुलिस की नाक में दम किए हुए था। राजधानी रांची में इसी सात मार्च को कोयला कारोबारी विपिन मिश्रा को गोली मारने के मामले में भी उसका नाम आया था। अमन साव प्रदेश के बड़े-बड़े कारोबारियों से रंगदारी की वसूली कर रहा था। अमन साव को पिछले चार साल में 10 अलग-अलग जेल में ट्रांसफर किया जा चुका था। लेकिन, हर जेल में वह अपना नेटवर्क बना लेता था और जेल से ही कारोबारी को फोन कर रंगदारी मांगता था। अमन साव का नेटवर्क झारखंड के रांची, रामगढ़, चतरा, धनबाद, हजारीबाग, पलामू, लातेहार और बोकारो इलाके में फैला हुआ था। अमन साव पर 50 से अधिक लोगों ने रंगदारी वसूलने के केस दर्ज कराए थे। अमन साव के गुर्गे कोयला कंपनियों, कोयला कारोबारियों, ट्रांसपोर्टर, बिल्डर, ठेकेदार और बड़े-बड़े व्यवसायियों से रंगदारी वसूलते थे। जो रंगदारी देने में आनाकानी करता था, उसे गोली मार दी जाती थी।

अमन साव का दाहिना हाथ मयंक विदेश में

अमन साव का गुर्गा मयंक सिंह सोशल मीडिया पर हर वारदात के बाद धमकी भरी पोस्ट डालता है। मयंक सिंह भी खासा चर्चित है। माना जाता है कि अमन साव के बाद मयंक सिंह उसके गिरोह की कमान संभाल सकता है। मयंक सिंह कौन है। इसका पता लगाने में पुलिस जुटी रही। पुलिस का कहना है कि सुनील सिंह मीणा नाम का जो बदमाश है, वही मयंक सिंह है। उसे अभी कुछ दिन पहले अजरबैजान की पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वह अजरबैजान की राजधानी बाकू की जेल में बंद है। उसे भारत लाने की कोशिश की जा रही है। हाल ही में मयंक सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कई लोगों को धमकी भरे पोस्ट डालकर रंगदारी देने की बात कही थी। भुरकुंडा और बरकाकाना कोयला साइडिंग की कंपनियों में काम करने वाले कारोबारी से रंगदारी मांगी गई थी। रंगदारी नहीं मिलने पर वहां के मजदूरों को चेतावनी दी गई थी कि अगर लोडिंग नहीं बंद की गई तो गंभीर परिणाम होगा।

लॉरेंस बिश्नोई से था अमन गिरोह का कनेक्शन

बताते हैं कि अमन साव का एक बड़ा नेटवर्क है। अमन साव गिरोह का कनेक्शन लॉरेंस बिश्नोई गैंग से था। अमन साव लॉरेंस बिश्नोई और उसके छोटे भाई अनमोल बिश्नोई से भी सोशल मीडिया के जरिए जुड़ा रहता था। बताते हैं कि अमन साव का संपर्क लॉरेंस बिश्नोई से मयंक सिंह ने ही कराया था।

हथियारों का शौकीन था अमन साव

बताते हैं कि अमन साव हथियारों का शौकीन था। वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तरह-तरह के हथियार लिए अपनी फोटो डालता रहता था। उसके पास अत्याधुनिक हथियार थे।

सांड के हमले से अधेड़ का टूटा पैर, अस्पताल में भर्ती

DHANBAD : पुराना बाजार में मंगलवार की दोपहर 12 बजे एक सांड ने कतरास के खरखरी के रहने वाले 45 वर्षीय कारा भुईयां पर हमला कर दिया। इससे कारा का दाहिना पैर टूट गया। देर तक वह सड़क पर पड़े रहे। इसके बाद आसपास के लोगों ने शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में भर्ती कराया। जांच के बाद डॉक्टर ने बताया कि दाहिना पैर टूट गया है, इसके साथ कई जगहों पर चोट लगी है। घटना के बाद इसकी सूचना जख्मी के घर वालों को दी गई है। जख्मी कारा ने बताया कि वह कुछ काम से पुराना बाजार गए थे। तभी दौड़ते हुए पीछे से सांड ने हमला कर दिया। इससे वह काफी दूर जाकर गिर गए। बता दें कि पुराना बाजार में हर दिन सांड के हमले से लोग घायल हो रहे हैं। कुछ दिन पहले नगर निगम की ओर से कई सांड को पकड़ा गया था, लेकिन अभी भी कई सांड खुलेआम घूम रहे हैं। लोगों में नगर निगम के खिलाफ काफी आक्रोश है।

रांची नगर निगम को हर माह लग रहा 5 लाख रुपये का चूना

VIVEK SHARMA @ RANCHI :

झारखंड की राजधानी रांची में नगर निगम के मॉड्यूलर टॉयलेट्स पर संकट मंडरा रहा है। शहर में 300 से अधिक मॉड्यूलर टॉयलेट बनाए गए थे, ताकि लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके। लेकिन, इन टॉयलेट्स से लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने इन प्रयासों को पलीता लगा दिया है। इन चोरियों के चलते नगर निगम को हर माह लगभग 5 लाख रुपये का नुकसान हो रहा है। इसके बावजूद इन चोरियों को रोकने को लेकर नगर निगम के पास कोई प्लान नहीं है। नगर निगम के बनाए गए मॉड्यूलर टॉयलेट्स में से अधिकांश अब चोरों का निशाना बन गए हैं। यहां तक कि टॉयलेट में लगे नल, पाइप, छिटकनी, लाइट उड़ा ले रहे हैं। यहां तक कि टॉयलेट में रखे गए मग भी चोरी हो रही है। ये चोरियां नगर निगम के लिए सिरदर्द बन चुकी हैं, क्योंकि इन चोरी की घटनाओं से न केवल नगर निगम को वित्तीय नुकसान हो रहा है, बल्कि आम जनता को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। टॉयलेट्स में लाइट और पानी की सुविधा न मिलने के कारण लोगों को असुविधा हो रही है। यह समस्या बढ़ती जा रही है।

टॉयलेट से नल, पाइप, छिटकनी और लाइट की अक्सर हो जाती है चोरी

यूजर्स को झेलनी पड़ रही परेशानी, नहीं मिल रही लाइट और पानी की सुविधा

टॉयलेट का उपयोग नहीं कर रहे लोग

नगर निगम ने जब 300 से अधिक मॉड्यूलर टॉयलेट्स की शुरूआत की थी, तब यह उम्मीद की जा रही थी कि इससे शहर में स्वच्छता की स्थिति बेहतर होगी। नैचुरल कॉल आने पर लोग खुले में शौच जाने से बचेंगे। लेकिन, लगातार हो रही चोरी से टॉयलेट्स में सुविधाओं की कमी हो गई है। लोग अब इनका उपयोग करने से बच रहे हैं। इन वजहों से भी टॉयलेट साफ नहीं रह रहा है।

निगम को उठाना होगा कदम

रांची नगर निगम के मॉड्यूलर टॉयलेट्स में चोरियां लगातार हो रही है। जल्द ही इन चोरियों पर काबू नहीं पाया गया, तो यह योजना विफल हो सकती है। नगर निगम को चाहिए कि वह सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर इन टॉयलेट्स की स्थिति में सुधार करने के लिए ठोस कदम उठाए, ताकि शहरवासियों को साफ और सुविधाओं से लैस टॉयलेट मिल सके।

दरवाजे भी नहीं हो पाते बंद

नगर निगम के इन मॉड्यूलर टॉयलेट्स में एक ओर बड़ी समस्या यह है कि अधिकांश टॉयलेट्स में जल आपूर्ति और बिजली की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। लाइट गायब हो गए हैं। नल भी चोरी हो जा रहे हैं। कई टॉयलेट्स में तो बिजली और पानी की सुविधाएं नहीं रहती हैं। नतीजतन, जो लोग इन टॉयलेट्स का उपयोग करने आते हैं, उन्हें बहुत अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार तो लोगों को इन टॉयलेट्स का दरवाजा तक बंद नहीं कर पाते है। जिससे वे मजबूर होकर सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय का उपयोग करने को विवश हो जाते हैं।

होली को लेकर सुपरवाइजरों को विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश

RANCHI : होली को लेकर शहर में उत्साह देखने को मिल रहा है। इस बीच नगर निगम ने भी तैयारी कर रखी है। इस अवसर पर शहर में स्वच्छता बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में नगर निगम ने सभी मल्टीपरपस सुपरवाइजर और जोनल सुपरवाइजर के लिए विशेष आदेश जारी किए हैं। इसके तहत होलिका दहन के बाद उत्पन्न होने वाले कचरे का तत्काल उठाव सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही, मुख्य मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि होली के दिन शहर में स्वच्छता बनी रहे। गार्बेज कलेक्शन को नियमित रूप से किया जाएगा और संपर्क पथों की स्वीपिंग भी नियमित रूप से करवाने की व्यवस्था की जाएगी। नालियों की सफाई भी जरूरी

है, ताकि किसी प्रकार की जलजमाव की समस्या उत्पन्न न हो और नालियों का बहाव सुचारू रूप से चलता रहे। सभी जोनल सुपरवाइजर एवं मल्टीपरपस सुपरवाइजरों को निदेशित किया गया है कि वे इन निदेशों का पालन सख्ती से करें और सुनिश्चित करें कि शहर में सफाई व स्वच्छता बनाए रखने में कोई कोताही न हो। नगर निगम के अधिकारियों ने यह भी निर्देश दिया है कि सफाई के कार्यों को समय पर पूरा किया जाए, ताकि होली के दिन नागरिकों को कोई समस्या न हो।

BRIEF NEWS

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने किया पंडाल का भूमि पूजन

RANCHI : मंगलवार को रांची के भुताहा तालाब स्थित श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने चैती दुर्गा पूजा शताब्दी वर्ष और चैत्र नवरात्र को लेकर पंडाल निर्माण कार्य का शुभारंभ भूमि पूजन के साथ किया। पूजा-अर्चना मंदिर के पुजारी सुभाष चंद्र मिश्रा द्वारा विधि विधान से कराया गया। महासमिति के प्रवक्ता नमन भारतीय ने बताया कि इस बार पूजा पंडाल पहले से बड़ा और आकर्षक बनाया जाएगा। जिसमें सती मां दुर्गा की बड़ी प्रतिमा स्थापित कर धूमधाम से पूजा की जाएगी। भूमि पूजन समारोह में मुख्य संरक्षक किशोर साहू, राजकुमार गुप्ता, उदय साहू, अध्यक्ष शंकर दुबे, कार्यकारणी अध्यक्ष दीपू सिंह, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह (लल्लू सिंह) सहित कई भक्त उपस्थित हुए। इस अवसर पर मां भवानी की पूजा-अर्चना कर आरती की गई और भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। मौके पर मीडिया प्रभारी सौरभ राय और रोहित सिंह ने सभी को कार्यक्रम की जानकारी दी।

नरकोपी थाना में शांति समिति की हुई मीटिंग

RANCHI : मंगलवार को नरकोपी में होली पर्व को शांति, भाईचारे और उमंग के साथ मनाने के उद्देश्य से नरकोपी थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता थाना प्रभारी ने की। इस दौरान क्षेत्र में होली के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में उप प्रमुख मुदस्सिर हक ने कहा कि होली आपसी प्रेम और सौहार्द्र का पर्व है, जिसे सभी को मिलजुलकर शांतिपूर्ण तरीके से मनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी तरह के हुड़दंग से बचें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आए तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस प्रशासन को दें। थाना प्रभारी ने बताया कि होली के दौरान पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी तरह की समस्या हो तो तुरंत पुलिस प्रशासन से संपर्क करें।

मनरेगा लोकपाल ने किया मुरतो पंचायत का निरीक्षण

RANCHI : मंगलवार को बेड़ो में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मनरेगा लोकपाल पुष्पलता जायसवाल ने बेड़ो प्रखंड के मुरतो पंचायत का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पंचायत सचिवालय में 7 पंजी और मनरेगा योजनाओं से जुड़े अभिलेखों की जांच की। निरीक्षण के दौरान मनरेगा के तहत चल रही विभिन्न योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण भी किया गया। लोकपाल ने पकली देवी, चंपू उरेन, पियूष तिर्की और खड़िया उड़ान के सिंचाई कूप निर्माण कार्यों की समीक्षा की। साथ ही दीपक सिंह की जमीन पर चल रही आम बागवानी योजना का भी जायजा लिया। निरीक्षण के बाद लोकपाल ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं में पारदर्शिता और गुणवत्ता बनाए रखने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग और अभिलेखों के सही संधारण पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर बीपीओ संजय तिर्की, पंचायत के मुखिया, सहायक अभियंता पुरुषोत्तम भाई पटेल, कनीय अभियंता सुरेश लिंडा, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक डीबू एक्का, लाभुक और ग्रामीण उपस्थित रहे।

दर्दनाक : शादी समारोह से जमशेदपुर लौट रहे थे युवक

स्कॉर्पियो ने खड़े ट्रक में मारी टक्टर, तीन युवकों की गई जान

PHOTON NEWS RANCHI :

मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित कोकर में एक स्कॉर्पियो ने खड़े ट्रक में टक्टर मार दी, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई। मृतकों में वरिष्ठ भाजपा नेता बास्को बेसरा के बड़े पुत्र अग्नि बेसरा भी शामिल है। इस हादसे में मृतकों की पहचान पश्चिमी सिंहभूम (जमशेदपुर) के सुजीत कुमार सिंकू (20), पृथ्वी कुमार सहदेव (17) और सरायकेला-खरसांवा निवासी अग्नि बेसरा (25) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार अलसुबह करीब 03 बजे जमशेदपुर से आ रही स्कॉर्पियो ने रामलखन सिंह कॉलेज के पास खड़े ट्रक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के उड़ गए परखच्चे

एमबीए की पढ़ाई कर रहा था अग्नि बेसरा

भाजपा नेता बास्को बेसरा ने बताया कि पुत्र अग्नि बेसरा रांची एक्सआईएसएस जेवियर कॉलेज रांची में एमबीए की पढ़ाई कर रहा था। सोमवार देर रात एक शादी समारोह से शिरकत कर अपने दोस्तों के साथ गम्हरिया लौट रहा था। इसी दौरान सड़क दुर्घटना में बड़े पुत्र समेत दो दोस्तों की मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि 04 अगस्त 2023 को चांडिल के कांदरबेड़ा के पास सड़क हादसे में बास्को बेसरा के छोटे पुत्र अनमोल बेसरा एवं उसकी साथी अनन्या वर्मा की मौत हो गई थी। सदर थाना प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हुई है। परिजनों की मामले की सूचना दे दी गयी है। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है।

चीख-पुकार सुनकर पहुंचे स्थनीय लोग

स्थानीय लोगों ने बताया कि मंगलवार की सुबह राम लखन सिंह कॉलेज के पास जोरदार आवाज सुनाई दी। जब लोगों ने देखा तो पता चला कि एक स्कॉर्पियो गाड़ी ने राम लखन सिंह कॉलेज के पास खड़े ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी है। लोगों की चीख पुकार सुनकर बाकी लोग भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पुलिस को भी मामले की जानकारी दी गई। जिसके बाद काफी मशक्कत से गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी।

ईसी ने पार्टी अध्यक्षों व वरिष्ठ नेताओं को बातचीत के लिए किया आमंत्रित

कानूनी ढांचे के भीतर चुनावी प्रक्रियाओं को किया जाएगा पहले से अधिक मजबूत

PHOTON NEWS RANCHI :

भारत निर्वाचन आयोग ने सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों से 30 अप्रैल 2025 तक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, जिला निर्वाचन पदाधिकारी या मुख्यं निर्वाचन पदाधिकारी के स्तर पर किसी भी अनसुलझे मुद्दों के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। मंगलवार को राजनीतिक दलों को जारी एक व्यक्तिगत पत्र में, आयोग ने स्थापित कानून के अनुसार, चुनावी प्रक्रियाओं को और मजबूत करने, पारस्परिक रूप से सुविधाजनक समय पर पार्टी अध्यक्षों और पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों के साथ बातचीत की परिकल्पना की है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने दिया था निर्देश

इससे पहले पिछले सप्ताह भारत निर्वाचन आयोग में सम्मेलन के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्या निर्वाचन पदाधिकारी, जिला निवार्चन पदाधिकारी और निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी को निर्देश दिया था कि वे राजनीतिक दलों के साथ नियमित रूप से बातचीत करें, ऐसी बैठकों में प्राप्त किसी भी सुझाव को पहले से ही मौजूद कानूनी ढांचे के भीतर हल करें। साथ ही 31 मार्च, 2025 तक आयोग को कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत करें। आयोग ने राजनीतिक दलों से विकेंद्रीकृत भागीदारी के इस तंत्र का सक्रिय रूप से उपयोग करने का भी आग्रह किया।

राजनीतिक दलों को व्यक्तिगत पत्र जारी कर आयोग की ओर से दी गई है जानकारी

राजनीतिक दल प्रमुख हितधारक

संविधान और वैधानिक ढांचे के अनुसार चुनाव प्रक्रिया के सभी पहलुओं को कवर करने वाले आयोग द्वारा पहचाने गए 28 हितधारकों में राजनीतिक दल भी एक प्रमुख हितधारक हैं। राजनीतिक दलों को लिखे अपने पत्र में आयोग ने यह भी उल्लेख किया है कि लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960, निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961, माननीय सर्वोच्च न्यायालय के आदेश और भारत के चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देश, मैनुअल और हैंडबुक (भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध) ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक विकेंद्रीकृत, मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा स्थापित किया है।

एबीवीपी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विवि में मनाई होली, जमकर उड़े अबीर-गुलाल

PHOTON NEWS RANCHI :

मंगलवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय इकाई ने रंग उत्सव के तहत भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायक रितेश पांडे और लोकप्रिय नागपुरी गायक नितेश कच्छप सहित कई स्थानीय कलाकारों ने होली गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्र संगठन मंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ला, रितेश पांडे और विश्वविद्यालय के कुलपति तपन कुमार शांडिल्य ने दीप प्रज्वलित कर किया। रितेश पांडे ने कहा कि अभाविप के कार्यक्रम में आना उनके लिए घर लौटने जैसा है। कार्यक्रम में 10 से 12 हजार विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और अबीर-गुलाल से होली खेली। संयोजक आनंद कुमार ने सभी कार्यकताओं की मेहनत की सराहना की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पवन नाग, सतीश केसरी, आदित्य सिंह और गौरव भूमिहार जैसे कार्यकताओं ने भी कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

झारखंड इंटर स्कूल-कॉलेज कराटे के लिए खिलाड़ियों का चयन शुरू

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड इंटर स्कूल और कॉलेज कराटे चैंपियनशिप के लिए रांची के खिलाड़ियों की चयन प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह चैंपियनशिप आगामी 22 मार्च से रांची के संत जोसेफ क्लब में आयोजित होगी। खिलाड़ियों का चयन रांची के विभिन्न क्लबों और स्कूलों में आयोजित कराटे प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से किया जा रहा है। शिविर के पहले दिन बरियातू क्लब में खिलाड़ियों का चयन किया गया। कराटे इंडिया ऑगेर्नाइजेशन के ट्राईबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन और इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी

के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि रांची के विभिन्न क्लबों और स्कूलों में शिविर का आयोजन कर खिलाड़ियों का चयन किया जा रहा है, ताकि इस प्रतियोगिता में रांची की मजबूत टीम उतारी जा सके। इस चैंपियनशिप में कराटे इंडिया ऑगेर्नाइजेशन से मान्यता प्राप्त सभी शैली के कराटे खिलाड़ी भाग ले सकते हैं।

फाल्गुन सतरंगी महोत्सव पर श्री श्याम प्रभु को चढ़ाया गया खीर चूरमा का भोग

RANCHI : मंगलवार को श्री श्याम मंडल रांची द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फाल्गुन सतरंगी महोत्सव का समापन अग्रसेन पथ स्थित श्याम मंदिर में भव्य रूप से हुआ। इस अवसर पर प्रभु का रजत सिंहासन पर नयनाभिराम श्रृंगार किया गया। अहले सुबह से ही भक्तों का अपार जनसमूह प्रभु के द्वादशी दर्शन के लिए उमड़ पड़ा। भक्तगण कतारबद्ध होकर प्रभु का दर्शन कर ज्योत में आहुति अर्पित कर रहे थे। श्याम प्रभु को खीर चूरमा का प्रिय भोग अर्पित किया गया, जो प्रसाद रूप में भक्तों में वितरित किया गया। पूरे दिन मंदिर परिसर जय श्री श्याम के जयकारों से गूंजता रहा। 401 सवामणि का भोग भी अर्पित किया गया। संगीतमय संकीर्तन में भजन रात कल संवारे का ख्वाब आया,

दरबार अनोखा सरकार अनोखी, श्याम दातार से तू फरियाद कर जैसे भजनों पर भक्त झूमने लगे। महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में राजेश सारस्वत, बालकिशन परसरामपुरिया, राकेश सारस्वत, चन्द्र प्रकाश बागला, धीरज बंका, पप्पी शर्मा, अजय रूंगटा, सुदर्शन चितलांगिया, प्रदीप अग्रवाल और विकाश पाड़िया का विशेष सहयोग रहा।

कार्यकारिणी की बैठक में हुई सरकार की योजनाओं की समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI :

मंगलवार को कांके प्रखंड मुख्यालय के सभागार में कांके प्रमुख सोमनाथ मुंडा की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की बैठक हुई, जिसमें उप प्रमुख अंजय कुमार बैठा के साथ-साथ सभी पंचायतों के पंचायत समिति सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सरकार की सभी विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। यहां बारी-बारी से प्रमुख ने विकास योजनाओं का लाभ पंचायत के लोगों तक कितना पहुंचा है और कितने लोग अब भी विकास योजनाओं से वंचित हैं, इसकी जानकारी पंचायत समिति सदस्यों से लिया। मौके पर प्रमुख सोमनाथ मुंडा ने बताया की पंचायतों से छह-छह योजनाएं ली गई हैं। 2025-26 में इन्हीं योजनाओं पर काम किया जाएगा। उप प्रमुख अंजय बैठा ने बताया कि कई पंचायतों से योजना नहीं लिया जा सका है। इन पंचायतों को कैसे योजना का लाभ दिलाया जा सके, इस पर विशेष चर्चा की गई। बैठक मे मुख्य रूप से लालचंद सोनी, जियाउद्दीन अंसारी, नरगिस सुल्ताना, सरवन गोप, इजहार अहमद, अबुसामा, नीलम, हासिम, सहित सभी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मौजूद थे।

मुख्यमंत्री श्रमिक स्वास्थ्य जांच योजना के तहत तीन सालों में खर्च होंगे 470 करोड़

लाखों मजदूरों की मुफ्त में की जाएगी स्वास्थ्य जांच

PHOTON NEWS RANCHI :

झारखंड के मजदूरों के लिए बड़ी खुशखबरी। मुख्यमंत्री श्रमिक स्वास्थ्य जांच योजना के तहत मुफ्त में उनकी स्वास्थ्य जांच की जाएगी। सरकार ने इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री श्रमिक स्वास्थ्य जांच योजना के तहत निर्माण कार्य में लगे लगभग 11 से 12 लाख मजदूरों की स्वास्थ्य जांच मुफ्त में की जाएगी। नई योजना के तहत मजदूरों का स्वास्थ्य कार्ड बनाया जाएगा। इस कार्ड के जरिए दो दर्जन प्रकार की जांच फ्री में की जाएंगी। जांच में गंभीर बीमारी का पता चलने पर इलाज की भी व्यवस्था होगी। सीबीसी, ईएसआर, ब्लड ग्रुप एंड आरएच फैक्टर, ब्लड एंड यूरीन शुगर फास्टिंग, स्टूल रूटीन, चेस्ट एक्स-रे, ईसीजी, थाइरॉएड प्रोफाइल, डी डायमर टेस्ट फॉर लंग्स, एएसटी, जीजीटीपी, बिलरुबिन, प्रोटीन, टोटल, कोलेस्ट्रॉल, एचडीएल एलडीएल, वीएलडीएल, ट्राइग्लिसराइड, एचडीएल-एलडीएल रेसियो, सीरम, क्रिएटनीन, ब्लड यूरिया नाइट्रोजन, यूरिक एसिड, एचबीएवनसी, अल्ट्रासाउंड होल एब्डोमेन जांच फ्री में की जाएगी।

परिवार के अन्य सदस्यों की सेहत की जांच की भी होगी व्यवस्था

जांच में गंभीर बीमारी का पता चलने पर इलाज का भी होगा इंतजाम

इस प्रकार होगा जांच का इंतजाम

जांच की व्यवस्था श्रम विभाग के अधीन आने वाले झारखंड भवन व सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम से होगी। जांच पर आने वाला पूरा खर्च बोर्ड वहन करेगा। इसके लिए सरकार ने सूचीबद्ध लोक उपक्रमों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस योजना पर तीन साल में कुल 470 करोड़ रुपये खर्च होंगे। योजना का उद्देश्य राज्य के मजदूरों और उनके परिवार वालों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना है। हेल्थ कार्ड के माध्यम से ही मजदूरों का पंजीयन होगा। इससे उन्हें नियमित स्वास्थ्य जांच और इलाज का लाभ मिलेगा।

एक्सआईएसएस में वित्तीय समावेशन व साक्षरता पर कार्यशाला का आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI :

जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) रांची ने भारतीय रिजर्व बैंक की आरबीआई@90 पहल के तहत वित्तीय समावेशन और साक्षरता पर एक सत्र का आयोजन किया। इसका उद्देश्य देशभर में वित्तीय जागरूकता फैलाना है। सत्र का उद्घाटन प्रेम रंजन प्रसाद सिंह क्षेत्रीय निदेशक आरबीआई ने किया। उन्होंने डिजिटल लेनदेन के दौर में वित्तीय साक्षरता की महत्वता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत में कुल डिजिटल लेनदेन का 48% योगदान है, लेकिन केवल 27% आबादी के पास वित्तीय ज्ञान है। उन्होंने यह भी कहा कि वित्तीय शिक्षा की अत्यधिक आवश्यकता है। सत्र में डिजिटल भुगतान और बढ़ते धोखाधड़ी मामलों पर चर्चा की गई। जिसमें विभिन्न धोखाधड़ी के उदाहरण और उनसे बचाव के उपाय बताए गए। साथ ही, आरबीआई हेल्पलाइन नंबर 1930 और आधिकारिक वेबसाइट के बारे में भी जानकारी दी गई, ताकि लोग धोखाधड़ी से बच सकते है।

समाचार सार

मृतक की पुत्री की पढ़ाई में मदद करेगा झामुमो

GHATSILA : पिछले दिनों मनोहर कॉलोनी, धरमबहाल निवासी 34 वर्षीय शंभू कदमा की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस सूचना पर मंत्री प्रतिनिधि जगदीश भकत मंगलवार को शोक संतप्त परिवार से मिले। उन्होंने मृतक की पत्नी जागृति कदमा व माता ललिता कदमा को सांत्वना दी। कहा कि सरकार की ओर से नियम के तहत मृतक परिवार को मुआवजा दिलाएंगे। 11 वर्षीय पुत्री की पढ़ाई में भी पार्टी मदद करेगी। इस अवसर पर दुर्गा मुर्मू, विकास मजूमदार, मो. जलील, सुशील मार्डी, सत्यजीत कुंडू, मदन दलाई, प्रकाश निषाद, सौरभ बोस आदि भी थे।

जनता दरबार में जिले भर से पहुंचे फरियादी

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त रविशंकर शुक्ला ने मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार लगाया, जिसमें दूरदराज से भी फरियादी पहुंचे। जनता दरबार में मुख्य रुप से भूमि संबंधित मामले, आपसी बंटवारा, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, खरसावां प्रखंड अंतर्गत पतपत गांव में सामुदायिक व व्यक्तिगत वनपट्टा में अनियमितता बरतने, आदित्यपुर नगर निकाय क्षेत्र अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 48 (माझीटोला) सेविका चयन में अनियमितता बरतने आदि के मामले आए।

सोना देवी विवि में खेली गई होली

GHATSILA : सोना देवी विश्वविद्यालय में मंगलवार को खेल मैदान में होली खेली गई, जिसमें विश्वविद्यालय प्रबंधन सहित शिक्षक-छात्र भी शामिल हुए। छात्रों ने पहले अपने शिक्षकों से आशीर्वाद मांगा, फिर एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली मनाई। होली के गीतों पर सभी देर तक झूमते रहे। इस वर्ष विश्वविद्यालय में 12 से 15 मार्च तक अवकाश है। 17 मार्च से विश्वविद्यालय में सभी कार्य नियमित रूप से संचालित किए जाएंगे। अंत में सभी ने लजीज व्यंजनों का लुत्फ उठाया।

होली के गीतों पर थिरके विशेष बच्चे

JAMSHEDPUR : सुंदरनगर स्थित चेशायर होम के विशेष बच्चों (दिव्यांगों) ने मंगलवार को अबीर-गुलाल की होली खेली। होली के गीतों पर विशेष बच्चों तथा उपस्थित लोगों के पांव भी खूब थिरके। हर साल की तरह इस साल भी सिनेतारिका माधुरी दीक्षित के फैन पप्पू सरदार ने चिर-परिचित अंदाज में खुद को लस्सी वाला के रूप में पेश किया। चेशायर होम की सिस्टर सारिका ने होली की बधाई देते हुए कहा कि भाईचारा के साथ होली के रंग खूब बिखरें, जोर-जबरदस्ती किसी को भी रंग नहीं लगाएं। उन्होंने कहा कि चेशायर होम के विशेष बच्चों को भी पप्पू सरदार के साथ रंग खेलने के लिए इस दिन का इंतजार रहता है।

भोजपुरी के साहित्यकारों ने किया होली मिलन

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर भोजपुरी साहित्य परिषद ने बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में होली मिलन व वासंती काव्य संध्या का आयोजन किया। इस मौके पर परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रसेनजित तिवारी, अरका जैन विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. अंगद तिवारी, तुलसी भवन के न्यासी अरुण कुमार तिवारी व अध्यक्ष सुभाष चंद्र मूनका भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरंभ माधवी उपाध्याय ने सरस्वती वंदना से किया। इस दौरान परिषद के प्रधान सचिव डॉ. अजय कुमार ओझा ने सभी का स्वागत किया। इसी क्रम में वासंती काव्य संध्या की शुरुआत हुई।

मारवाड़ी महिला मंच ने मनाया महिला दिवस

GHATSILA : अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला मंच ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। मारवाड़ी धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि रूपा हालदार ने दीप प्रज्वलित कर की। सदस्यों ने नाटक के माध्यम से बेटी बचाओ-पढ़ाओ का संदेश दिया। इस वर्ष पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन करने वाली बेटियों को सम्मानित किया गया। इनमें स्वेच्छा दत्ता, कनक अग्रवाल, नंदिनी जैन, रुपाली हांसदा, कनिका साव, उमा रानी सरदार, अंकित पाल, मेघा शर्मा व श्रेया साव शामिल थीं। मंच की अध्यक्ष सिंपल अग्रवाल ने बताया कि 27 साल से मंच महिला दिवस मना रहा है। इस अवसर पर अंचल अधिकारी निशांत अंबर सहित मंच की सदस्य उपस्थित थीं।

सुंदरनगर से कार चोरी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार, गाड़ी भी बरामद

सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली स्थित तिलंगी तालाब के पास मिली कार

PHOTON NEWS JSR : सुंदरनगर थाना क्षेत्र के ब्यांगबिल से 25 फरवरी की रात को चोरों ने सुकलाल मुर्मू की टाटा सुमो कार चोरी कर ली थी। इस मामले में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार है। पुलिस ने इन दोनों की निशानदेही पर चोरी की कार भी बरामद कर ली है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान शौकत और अकबर उर्फ छोटू के रूप में की है। शौकत सरायकेला-खरसावां जिले के इस्लामनगर चांदनी चौक निवासी है, जबकि अकबर उर्फ छोटू जमशेदपुर के आजादनगर में ग्रीन वैली रोड का रहने वाला है। इन दोनों ने रियाज खान के साथ मिलकर कार चोरी की थी।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ● फोटोन न्यूज

पुलिस ने बताया कि रियाज खान इस समय फरार है और उसकी तलाश में छापेमारी चल रही है। पुलिस के अनुसार, रियाज खान का फोन स्विचऑफ है, लेकिन जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। थाना प्रभारी पवन कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था, जिसके बाद शौकत और अकबर को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई और चोरी की कार को सरायकेला-खरसावां जिले के कपाली के गौसनगर स्थित तिलंगी तालाब के पास से बरामद किया गया। ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने मंगलवार को एसएसपी ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि पुलिस रियाज खान की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है और उसे जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

युवक ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के बारीडीह नीम रोड के रहने वाले संजीव कुमार (25) ने सोमवार रात घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार सुबह परिजन उसे कमरे में उठाने गए, तो दरवाजा बंद था। बाद में दरवाजा तोड़ कर परिजन कमरे में घुसे, जहां संजीव को फंदे से लटका पाया। तुरंत ही नीचे उतार कर उसे एमजीएम अस्पताल लाया गया, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि संजीव सोशल मीडिया में ऑनलाइन क्लास कराता था। उसने अपना काफी पैसा शेयर ट्रेडिंग में लगाया था, लेकिन उसमें नुकसान होने की वजह से वह काफी परेशान था। मानसिक तनाव में आकर उसने सुसाइड कर लिया। इधर, फिलहाल पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मानगो में कचरा उठाव के लिए लगेंगी 36 गाड़ियां

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय द्वारा मनोनीत विधायक प्रतिनिधियों के साथ मंगलवार को मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त कृष्ण कुमार ने बैठक की। इसमें नगर आयुक्त ने बताया कि वर्तमान में कचरे का उठाव 19 गाड़ियों से हो रहा है, जिसे बढ़ाकर 36 गाड़ियां लगाई जाएंगी। इसकी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी और इनकी कार्य अवधि को भी छह से बढ़ाकर आठ घंटा की जाएगी। फॉगिंग मशीन की संख्या भी तीन से बढ़ाकर पाँच कर दी गयी है। स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट की समस्या दुरुस्त करने के लिए दो के बजाय पांच टीम कार्य करेगी। मानगो नगर निगम क्षेत्र की सभी पुरानी योजनाओं को एक सप्ताह के अंदर चालू कर दिया जाएगा। ऐसा नहीं करने वाले संवेदकों को नोटिस दिया जाएगा। बैठक में मानगो नगर निगम क्षेत्र के विधायक जनसुविधा प्रतिनिधि पप्पू सिंह, उलीडीह मंडल के विधायक प्रतिनिधि संतोष भगत, मानगो क्षेत्र के विधायक प्रतिनिधि पिंटू सिंह आदि मौजूद थे।

पीएलएफआई के सदस्य निरल टोपनो को 10 साल की सजा

CHAIBASA : पीएलएफआई के सदस्य निरल टोपनो को विस्फोटक पदार्थ रखने के आरोप में मंगलवार को प्रथम अपर जिला सत्र न्यायाधीश चक्रधरपुर के न्यायालय ने दो धाराओं में 10 और 3 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इसके अलावा 30 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। दोनों सजा एक साथ चलेगी। जानकारी के अनुसार, इसके खिलाफ 22 अगस्त 2014 को बंदगांव थाना प्रभारी द्वारा मामला दर्ज किया गया था। दर्ज मामले में बताया गया था कि 22 अगस्त 2014 को दिन को बंदगांव थाना की पुलिस गान्डेकदा गांव में सर्च अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को देखकर एक व्यक्ति को घर से निकल कर भागते देखा गया। उसे दौड़कर पकड़ लिया गया। पूछने पर अपना नाम निरल टोपनो बताया। उसके घर की तलाशी ली गई, जहां से भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ और गोली रखने का पैकेट, वर्दी सहित और सामग्री बरामद की गई थी।

विभिन्न मांगों को लेकर बैंक कर्मियों ने किया प्रदर्शन

बिष्टुपुर में प्रदर्शन करते विभिन्न बैंकों के कर्मचारी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : यूनाईटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन के आह्वान पर बैंक कर्मचारियों ने मंगलवार को बिष्टुपुर स्थित बैंक आफ बड़ौदा के समीप विरोध प्रदर्शन किया।

बैंक कर्मचारियों ने बैंको में पर्याप्त कर्मचारियों एवं अधिकारियों की नियुक्ति, आरबीआईडीएफएस, सेबी, नाबार्ड, फाइनेंस मिनिस्ट्री और स्टॉक एक्सचेंज की तरह बैंकों में भी पांच दिनों का कार्य दिवस करने, कर्मचारी एवं अधिकारी प्रतिनिधि को निदेशक मंडल में शामिल करने, लंबित मांगों के शीघ्र निराकरण, सेवानिवृत्ति के पश्चात केंद्रीय कर्मियों की तरह ग्रेच्युटी की राशि 25 लाख करने आदि मांग को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए।

प्रदर्शन में मनोज कुमार, अमित कुमार, सुजय राय, रिंटू रजक, रामजी प्रसाद, सपन अदक, गौतम घोष, आनंद वर्मा आदि ने संबोधित किया।

नौवीं के छात्र के साथ मारपीट, नहीं दे सका बोर्ड परीक्षा

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर के राजबाडी रोड स्थित आरएनएस बालिका उवि के बाहर मंगलवार को नौवीं के छात्र के साथ मारपीट हुई। इससे छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद घायल छात्र को अनुमंडल अस्पताल में भर्ती किया गया। इसके कारण छात्र नौवीं की बोर्ड परीक्षा देने से वंचित हो गया। जानकारी के अनुसार, कुलितोडांग उच्च विद्यालय के कक्षा नौवीं का छात्र बुधलाल चांपिया बाइक से चक्रधरपुर स्थित राजा नरपत सिंह बालिका उच्च विद्यालय में बोर्ड एग्जाम देने आ रहा था। किसी कारणवश स्कूल के बाहर युवकों के साथ मारपीट हो गई, जिसमें छात्र के मुंह पर गंभीर चोट लगी। छात्र घायल हो गया। उसके बाद उसे अनुमंडल अस्पताल में भर्ती किया गया। इस मारपीट की घटना से छात्र के आंख के नीचे गंभीर चोट लगी है। वह घटना के बारे में कुछ भी नहीं बता पा रहा है।

सोनारी के भूतनाथ मंदिर में 8 कन्याओं का हुआ सामूहिक विवाह

कार्यक्रम में नवविवाहित जोड़े व उनके अभिभावक ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : नरेंद्र मोदी विचार मंच व सनातन सेवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को सोनारी स्थित भूतनाथ मंदिर में 8 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया गया। वैवाहिक रस्मों के साथ सभी जोड़ों को घर-गृहस्थी चलाने योग्य सामग्री भी भेंट की गई। इस आयोजन में ईचागढ़ के पूर्व विधायक अरविंद सिंह, उद्योगपति मंटू सिंह, अमरप्रीत सिंह काले, विनय मंगलम, भाजपा के जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा, एबीवीपी की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पॉल, खादी आयोग, भारत सरकार के सदस्य मनोज सिंह, आरएसएस से गुहाराम, भगीरथ अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, ओपी सिंह, जंबू अखाड़ा के बंटी सिंह सहित कई गणमान्य उपस्थित थे।

कस्तूरबा विद्यालय से लापता बच्ची का खुला मामला, माता-पिता पहुंचे स्कूल

MANOHARPUR : मनोहरपुर के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में लापरवाही का बड़ा मामला सामने आया है। इस स्कूल में कक्षा सात की छात्रा अपने माता पिता को बिना बताए जनवरी से गायब थी। मामला तब खुला जब बच्ची के परिजन अचानक स्कूल पहुंचे और अपने बच्ची की जानकारी लेनी चाही। इसी दौरान पता चला कि विद्यालय की लापरवाही से बच्ची स्कूल से निकलकर बाहर रह रही थी। स्कूल की वार्डन नीलम तीरू ने बताया कि बच्ची को 29 जनवरी को उसकी मौसी आधार का केवाईसी अपडेट कराने के नाम पर अपने घर ले गयी थी। बच्ची ने कहा था कि वह उसकी मौसी है। बच्ची की सहमति के बाद बच्ची को स्कूल से उसके मौसी के साथ छोड़ा गया था। लेकिन इस पूरे मामले में हैरत की बात यह है कि स्कूल ने बच्ची के असल अभिभावक माता-पिता को इसकी खबर नहीं की और ना ही इतने दिनों तक बच्ची के वापस स्कूल नहीं लौटने पर बच्ची की कोई खोज खबर ली। माता-पिता जब बच्ची से मिलने स्कूल पहुंचे, तब स्कूल की लापरवाही का मामला खुला। इसके बाद बच्ची को उसकी मौसी के घर से ढूंढकर वापस स्कूल लाया गाया। बच्ची मौसी के साथ क्यों चली गई थी। इतने दिन तक मौसी के साथ क्यों और किस हालात में थी, इसका खुलासा नहीं हो पाया है।

बालू लदे दो ट्रैक्टरों को किया गया जब्त

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोनुआ रोड से पुलिस ने बालू की अवैध तरीके से ढुलाई कर रहे दो ट्रैक्टरों को जब्त किया है। बालू माफिया के विरोध में सोमवार की रात को पुलिस ने क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाया था। इसी क्रम में सोनुआ की ओर से आ रहे बालू लदे दो ट्रैक्टरों को जब्त कर पुलिस थाना ले आई। थाना प्रभारी राजन रंजन ने बताया कि खनन विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए सूचित कर दिया गया है।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस पर मनाया जा रहा जागरूकता माह

बीआईएस केयर एप करेगा उत्पादों की प्रामाणिकता की पहचान : निदेशक

PHOTON NEWS JSR : भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में मार्च महीने को उपभोक्ता जागरूकता माह के रूप में मना रहा है। महीने भर में ग्राहकों को उनके अधिकारों, जिम्मेदारियों और उत्पाद की गुणवत्ता और सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना है। बीआईएस कार्यालय में मंगलवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बीआईएस जमशेदपुर के निदेशक कुणाल कुमार ने कहा कि बीआईएस ने कार्निवल, ग्राम चौपाल, मुखिया और सरपंचों के साथ ही उपभोक्ता जागरूकता सत्र शामिल है। वहीं जिलों में ज्वेलर्स के लिए जागरूकता कार्यक्रम, राज्य भर के स्कूलों और कॉलेजों में मानक क्लब स्थापित किया गया। उपभोक्ता

बीआईएस निदेशक कुणाल कुमार

अधिकारों को मजबूत करने और उत्पाद की गुणवत्ता, उत्पादों पर आईएसआई मार्क, सोने और चांदी के आभूषणों-कलाकृतियों पर हॉलमार्किंग, बीआईएस केयर एप, उपभोक्ता सशक्तीकरण के लिए एक उपकरण और उपभोक्ता शिकायत निवारण के बारे में जानकारी का व्यापक प्रसार सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को सुरक्षा, शिक्षा, विकल्प, सूचना और शिकायत निवारण का अधिकार है। ग्राहकों को बिल मांगने, आईएसआई चिह्नों की जांच करने, उत्पाद लेबल पढ़ने, दोषपूर्ण उत्पादों की रिपोर्ट करने का अधिकार है। वहीं जागरूकता अभियान का एक प्रमुख आकर्षण बीआईएस केयर एप है, जो उपभोक्ताओं को उत्पादों, हॉलमार्क आभूषणों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की प्रामाणिकता को सत्यापित करने की अनुमति देता है। एप नकली या घटिया उत्पादों के मामले में शिकायत दर्ज करने की सुविधा भी देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उपभोक्ताओं के पास शिकायत निवारण के लिए एक सीधा चैनल है। उपभोक्ता ईमेल या बीआईएस द्वारा समर्थित अन्य प्लेटफार्मों के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

जलमीनार बनने के बाद 9 गांवों के 1365 परिवारों को मिलेगी पेयजल सुविधा

3 सालों से अधर में लटकी 7.5 करोड़ की जलापूर्ति योजना

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत केरा पंचायत में विभागीय लापरवाही कहें या ठेकेदार की मनमानी, इस बार भी गर्मी में ग्रामीण को शुद्ध पेयजल से वंचित होना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग प्रमंडल, चक्रधरपुर की ओर से निश्चिंतपुर गांव में 7.5 करोड़ रुपये की जलापूर्ति योजना 3 सालों से अधर में लटकी है। जलमीनार का निर्माण कार्य भी अधूरा है। इसके लिए ब्राह्मणी नदी में चेकडैम का निर्माण करना है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार, योजना में संवेदक द्वारा अब तक 5 करोड़ रुपये की निकासी की जा चुकी है, लेकिन धरातल पर काम नहीं दिख रहा है। इस योजना से 9 गांवों के 1365 घरों में पानी पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके तहत गांव में जगह-जगह पाइप बिछाकर स्टैंड पोस्ट बनाकर घर-घर पानी पहुंचाना है। योजना को अप्रैल 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य था, लेकिन अभी तक गांव में पाइपलाइन बिछाने का कार्य भी पूर्ण नहीं हुआ है। केवल केरा में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट व निश्चिंतपुर हाईस्कूल मैदान में जलमीनार का निर्माण हो रहा है। वह भी अधूरी है। ब्राह्मणी नदी में चेक डैम निर्माण कर पानी लेना भी बाकी है।

इधर मार्च में ही बढ़ रही गर्मी से ग्रामीण चिंतित हैं। ब्राह्मणी नदी का जलस्तर भी सूखने लगा है।

ग्रामीणों के अनुसार ब्राह्मणी नदी में जहां चेकडैम व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बनाने के लिए विभाग द्वारा जगह का चयन किया गया था, वह सरकारी है। लेकिन, जिस रास्ते नदी का पानी फिल्टर होकर टंकी तक पहुंचाना है, उस रास्ते में निजी जमीन पड़ रही है। इससे योजना में तेजी से कार्य होता नहीं दिख रहा है, जिसका खामियाजा गर्मी के दिनों में ग्रामीणों को उठाना पड़ रहा है।

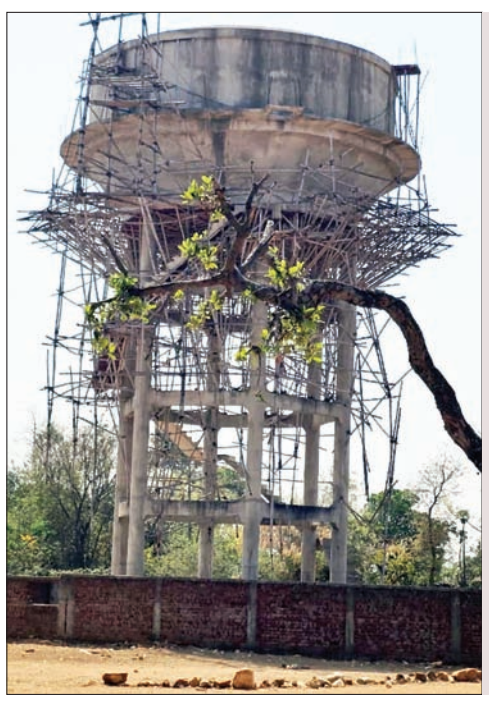

इन गांवों को मिलेगा योजना का लाभ

जलापूर्ति योजना से केरा पंचायत के जिन गांवों को लाभ मिलेगा, उसमें केरा खास, निश्चिंतपुर, महुलबोराई, रामचंद्रपुर, बाइपीड़, कोलकेरा, जारकी, पठाणमारा, कुमारलोंग शामिल हैं। योजना के तहत 1365 घरों में पानी पहुंचाने की योजना है।

70 प्रतिशत तक हुआ काम : कार्यपालक अभियंता

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग प्रमंडल, चक्रधरपुर के कार्यपालक अभियंता नवीन भगत ने कहा कि केरा पंचायत के निश्चिंतपुर गांव में 7.5 करोड रुपये की लागत से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण हो रहा है। लेकिन, संवेदक द्वारा निर्माण कार्य धीमी गति से किया जा रहा है। जलमीनार का निर्माण एवं पंचायत के विभिन्न गांव में पाइपलाइन बिछाने का 70 प्रतिशत काम पूरा कर दिया गया है। इसके एवज में 5 करोड़ की निकासी की गई है।

भाजपा महिला मोर्चा की सदस्यों ने खेली होली

JAMSHEDPUR : साकची स्थित जिला कार्यालय में भाजपा महिला मोर्चा की ओर से महिला दिवस व होली मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष नीलू मछुआ ने की, जबकि इसमें प्रदेश कोषाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी लवली गुप्ता, पोटका की पूर्व प्रत्याशी मीरा मुंडा, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष कल्याणी शरण, रीना चौधरी, ममता, रीना चौधरी, लीना, रेनू शर्मा, मिली दास, शांति देवी, रीता मिश्रा, नीरू सिंह, प्रीति सिन्हा सहित जिले एवं मंडल की कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल थीं।

आज चलेगी टाटा-बक्सर व टाटा-कटिहार होली स्पेशल

JAMSHEDPUR : होली में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बुधवार को दो होली स्पेशल ट्रेन टाटानगर से चलेगी। टाटा-बक्सर होली स्पेशल और दूसरा टाटा-कटिहार-टाटा होली स्पेशल ट्रेन है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर-08181/08182 टाटा-कटिहार-टाटा होली स्पेशल चलेगी। ट्रेन नंबर- 08181 टाटा-कटिहार स्पेशल बुधवार को दोपहर 1 बजे खुलेगी, जो दूसरे दिन रात 2 बजे कटिहार पहुंचेगी। वहीं ट्रेन नंबर-08182 कटिहार-टाटा स्पेशल गुरुवार को कटिहार से चलेगी, जो सुबह 3.50 बजे कटिहार से चलेगी और शाम 4 बजे टाटानगर पहुचेगी। यह ट्रेन चांडिल, पुरुलिया, जयचंडीपहाड़ समेत अन्य स्टेशनों में रुकेगी।

वहीं ट्रेन नंबर- 08183/08184 टाटा-बक्सर-टाटा होली स्पेशल भी चलेगी। रेलवे ने इसकी घोषणा की है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर-08183 टाटा-बक्सर होली स्पेशल बुधवार को शाम 4.20 बजे टाटानगर से खुलेगी, जो 13 मार्च को सुबह 7.45 बजे बक्सर पहुंचेगी। वहीं गुरुवार को ट्रेन नंबर-08184 बक्सर-टाटा स्पेशल सुबह 10 बजे चलेगी जो कि 14 मार्च को रात 3 बजे टाटानगर पहुंचेगी। इस ट्रेन के खुलने से टाटानगर से पटना जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

कला, संस्कृति और शिक्षा का संगम आयरलैंड

योरप के पश्चिमी छोर पर स्थित नन्हा-सा देश रिपब्लिक ऑफ आयरलैंड जहां अपने सुदीर्घ इतिहास और कला-संस्कृति के लिए जाना जाता है, वहीं शिक्षा के लिहाज से भी यह विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित कर रहा है। आयरलैंड की कला और संस्कृति को योरप क्या, संपूर्ण विश्व में आदर के साथ देखा जाता है। बड़े-बड़े साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं में यहां के जीवन, प्राकृतिक सौंदर्य, संस्कृति एवं सभ्यता का बखूबी बखान किया है। आयरिश संगीत एवं नृत्य को भला कौन नहीं जानता! यहां के प्राचीन किले वास्तुकला का बखान करते हैं।

आयरलैंड को उसकी उन्नात शिक्षा प्रणाली के लिए भी जाना जाता है। दीर्घकाल से यहां विदेशी विद्यार्थियों की उपस्थिति रही है। यहां सरकारी विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के अलावा बड़ी संख्या में गैर-सरकारी कॉलेज एवं टेक्निकल इंस्टीट्यूट मौजूद हैं। डबलिन का ट्रिनिटी कॉलेज आयरलैंड का प्राचीनतम विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1592 में की गई थी।

शोध में शीर्ष पर

विश्व के सभी देशों में आज शोध कार्यों को वरीयता दी जा रही है। आयरलैंड भी इससे अछूता नहीं है। शोध कार्यों को यहां प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण संस्थानों का प्रयास रहता है कि इस काम में किसी भी तरह की अड़चन न आए। यहां से शोध कार्य करके निकले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में शीर्ष मुकाम हासिल करने में सफल हुए हैं। आयरलैंड के कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों के मध्य प्रतिस्पर्धात्मक माहौल स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत करके अपने आप को शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा में बनाए रखना होता है।

विषयों की बहुलता

आयरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक विद्यार्थियों के सामने विषय का चयन कोई आसान काम नहीं है। विषयों की अधिकता और सभी में उत्कृष्ट शिक्षा उन्हें अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है। मसलन, आयरलैंड और साहित्य के बीच गहरा नाता है। यहां का लगभग प्रत्येक नागरिक कहीं-न-कहीं साहित्य के प्रति गहरी आस्था रखता है। यहां के कई साहित्यकारों ने विश्व साहित्य पर अपनी छाप छोड़ी है। विदेशी विद्यार्थी हों या स्थानीय, दोनों ही लिटरेचर कोर्सेस में खासी दिलचस्पी दिखाते हैं। आयरलैंड ने एक ओर जहां आधुनिक तकनीक को अपनाया है, वहीं अपनी प्राचीन परंपराओं को भी सहेजकर रखा है। शिक्षण संस्थानों में गौरवशाली प्राचीन संस्कृति से संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं हर आधुनिक तकनीक विद्यार्थियों को मुहैया कराई जाती है। यहां के समस्त शिक्षण संस्थानों में कम्प्यूटर एजुकेशन पर विशेष जोर दिया जाता है। साहित्य एवं टेक्नोलॉजी तो स्थानीय एवं विदेशी विद्यार्थियों की वरीयता सूची में हैं ही, लेकिन अब कम्यूनिकेशन और इतिहास विषय भी इस सूची में शामिल हो गए हैं। इन विषयों में विद्यार्थियों को आधुनिकतम तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाती है।

अन्य सुविधाएं

अगर आप आयरलैंड में पढ़ाई के साथ-साथ काम भी करना चाहते हैं, तो इसके लिए आपको उस संस्थान की अनुमति लेनी होगी, जहां आपने प्रवेश लिया है। निर्धारित नियमों के अंतर्गत सोच-विचार करके आपको सप्ताह में कुछ घंटे तक जॉब करने की अनुमति मिल सकती है।

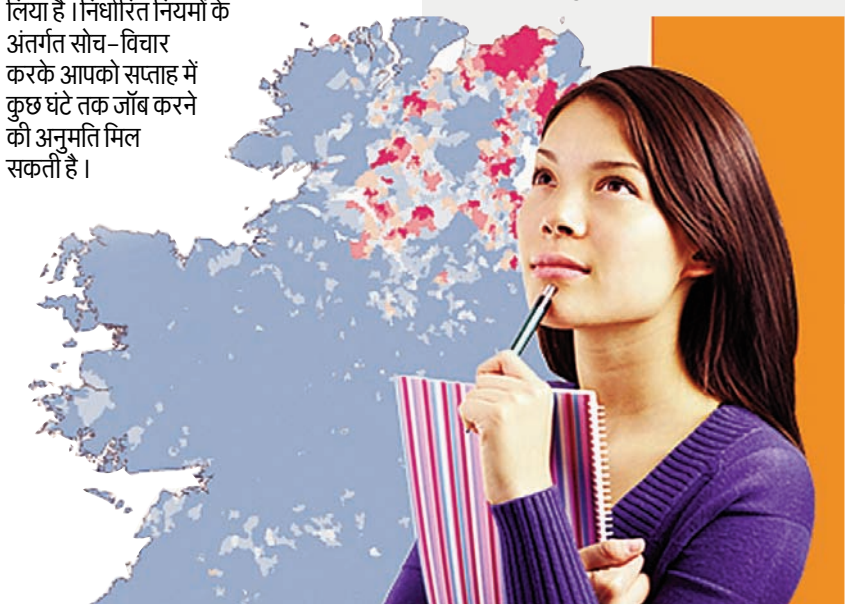

दवा मार्केटिंग के मास्टर

फार्मास्युटिकल उद्योग तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है। शानदार ग्रोथ की वजह से इसमें नौकरियां भी तेजी से बढ़ी हैं। अगर आप साइंस बैकग्राउंड के हैं और सेल्स तथा कस्टमर को मैनेज करने का हुनर रखते हैं, तो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में करियर की बेहतरीन शुरूआत कर सकते हैं। भारत का फार्मा सेक्टर 13-14 फीसदी सालाना की दर से ग्रो कर रहा है। मेडिकल फील्ड में हो रही गतिविधियों के कारण मेडिसिन मार्केट भी कमर्शियल रूप से काफी आगे बढ़ रहा है। एफडीआई के बाद से इसमें और विस्तार होने की उम्मीद की जा रही है। कई विदेशी कंपनियां अपने उत्पादों का पेटेंट कराकर भारत में कारोबार करने आ रही हैं। इससे घरेलू फार्मा इंडस्ट्री और तेजी से विकसित हो रही है। इसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आने वाले दिनों में इस फील्ड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स के लिए जॉब्स की कमी नहीं होगी।

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स फार्मास्युटिकल कंपनीज और हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के बीच की कड़ी होते हैं। वे उत्पादों को एक रणनीति के साथ बाजार में प्रमोट करते हैं। वन-टु-वन के अलावा वे ग्रुप इवेंट्स ऑर्गेनाइज कर दवाइयों के प्रति जागरूक करते हैं। फार्मास्युटिकल कंपनीज मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को नियुक्त करती हैं, ताकि वे कस्टमर्स और डॉक्टर्स को अपने प्रोडक्ट की उपयोगिता के प्रति संतुष्ट कर सकें। इस तरह मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव दवाइयों की मार्केटिंग में एक अहम भूमिका निभाते हैं। अलग-अलग दवा कंपनियां अपने यहां नियुक्ति के बाद कैंडिडेट्स को स्पेशल स्किल डेवलपमेंट की ट्रेनिंग देती हैं। उन्हें एनाटॉमी, फिजियोलॉजी, फार्माकोलॉजी, सेल्समैनशिप की ट्रेनिंग के अलावा डॉक्टर्स की प्रोफाइल, उत्पादों की जानकारी और फील्ड ट्रेनिंग दी जाती है, जिसके तहत सैलिंग टेक्नीक्स बताई जाती हैं। फील्ड ट्रेनिंग के दौरान फ्रैश ग्रेजुएट्स को किसी सीनियर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अधीन काम करना होता है।

जरूरी स्किल्स

मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव बनने के लिए आपके पास मेडिकल फील्ड, मैनेजमेंट और मेडिसिन की संपूर्ण जानकारी होनी चाहिए। आपको मानव शरीर और दवा में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक तत्वों की भी जानकारी रखनी होगी। ऐसे में आपके पास कम्युनिकेशन स्किल्स के साथ-साथ अंग्रेजी-हिंदी की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। इस फील्ड में काम के कोई तय घंटे नहीं होते हैं, इसलिए आपको इसके लिए पहले से तैयार रहना होगा। खुद को फिजिकली भी फिट रखना होगा।

एजुकेशनल क्वॉलिफिकेशन

फार्मा बिजनेस मैनेजमेंट में बीबीए या एमबीए, फार्मास्युटिकल एंड हेल्थकेयर मार्केटिंग में पीजी डिप्लोमा, फार्मा मार्केटिंग में डिप्लोमा या पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा कोर्स करने के बाद आप इस फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं। इसके अलावा, सेलिंग और मार्केटिंग की स्किल रखने वाले साइंस ग्रेजुएट्स भी एंट्री ले सकते हैं। आज कई विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में इससे संबंधित कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कुछ संस्थानों में फार्मा बिजनेस मार्केटिंग से संबंधित कोर्स भी शुरू हो चुके हैं। डिप्लोमा कोर्स करने के लिए आपको साइंस के साथ 12वीं पास होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा में प्रवेश के लिए स्टूडेंट्स के पास बीएससी, बीफार्मा की डिग्री होनी चाहिए। 12वीं (मैथ्स और बायोलॉजी) के बाद बीबीए (फार्मा बिजनेस) में दाखिला लिया जा सकता है।

तरक्की की संभावनाएं

सेल्स परफॉर्मेंस और कस्टमर्स को मैनेज करने का हुनर रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव फार्मास्युटिकल मार्केटिंग में शानदार करियर बना सकते हैं। जो लोग कंपनी के टारगेट को समय-समय पर अचीव करते चलते हैं, उन्हें प्रमोशन मिलने में भी देर नहीं लगती है। आप एरिया मैनेजर, रीजनल या जोनल मैनेजर, डिवीजनल सेल्स मैनेजर, डिवीजनल कंट्रोलर, डिप्टी मार्केटिंग मैनेजर के अलावा मार्केटिंग मैनेजर के रूप में प्रमोशन पा सकते हैं। मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के अलावा, मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट एग्जीक्यूटिव, बिजनेस एग्जीक्यूटिव के रूप में काम करने का पूरा अवसर है। एमबीए या फार्मेसी की डिग्री रखने वाले एरिया मैनेजर, सर्कल मैनेजर, प्रोडक्ट मैनेजर, ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर, क्वॉलिटी कंट्रोल मैनेजर, ब्रांड मैनेजर या मैनेजमेंट ट्रेनी के रूप में दवा कंपनियों के साथ जुड़ सकते हैं। इन कंपनियों में एक-दो साल का अनुभव रखने वाले मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव्स को इंटरव्यू के आधार पर नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा, समय-समय पर अखबारों में और वेब साइट्स पर भी विज्ञापन निकलते रहते हैं।

सैलरी पैकेज

सामान्य तौर पर शुरूआती वेतन 10 से 20 हजार रुपए तक होता है लेकिन अनुभव के आधार पर आमदनी में इजाफा होता रहता है। कुछ अनुभव हासिल करने के बाद 30 से 40 हजार रुपए प्रतिमाह आसानी से हासिल किए जा सकते हैं। पांच या सात साल के अनुभव के बाद वेतन लाखों में हो सकता है। इसके अलावा, आपके परफॉर्मेंस के आधार पर समय-समय पर इंसेंटिव सहित कई तरह की सुविधाएं दी जाती हैं। सेल्स टारगेट अचीव करने वालों को कई बार ब्रांड मैनेजमेंट जैसी जिम्मेदारी तक सौंप दी जाती है। इससे आपकी आमदनी बढ़ने के साथ-साथ मार्केट में एक अलग पहचान बनती है।

यूं बढ़ रही है स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग

आज भारतीय उपभोक्ताओं के पास हर उत्पाद के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट को प्रमोट करने के लिए ग्राहक को आकर्षित करने की कोशिश करती है। इस पूरी प्रक्रिया में ब्रांडिंग की बड़ी भूमिका होती है।

उपभोक्ता के मन में एक प्रोडक्ट की स्थायी जगह बनाने में ब्रांडिंग का बड़ा हाथ होता है। हर बड़ी कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज को बाजार में प्रमोट करने के लिए ब्रांड मैनेजर्स को हायर करती है। ब्रांडिंग प्रक्रिया में नए उत्पाद के लॉन्च होने से लेकर उसे उपभोक्ता की जिंदगी का अहम हिस्सा बनाने तक की रणनीति शामिल होती है। हर कंपनी अपने प्रोडक्ट और सर्विसेज की ब्रांडिंग के लिए ऐसे लोगों को हायर करना चाहती है, जिनके पास प्रमोशन के विभिन्न आइडियाज हों। अगर आप भी इस तरह के करियर ऑप्शन की तलाश में हैं, तो ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए आदर्श करियर बन सकता है।

कैसे करें शुरूआत?

ब्रांड मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद ब्रांड मैनेजमेंट से एमबीए करके स्पेशलाइजेशन हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा एमबीए-मार्केटिंग से स्पेशलाइजेशन करके इस करियर को शुरू किया जा सकता है।

करियर की संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करने के बाद फ्रेशर्स को एंट्री लेवल पर असिस्टेंट ब्रांड मैनेजर की जॉब मिल सकती है। अपने अच्छे आइडियाज, परफॉर्मेंस और इनोवेशन से उम्मीदवार मिड लेवल तक पहुंच सकते हैं यानी ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं।

किस एरिया में जॉब?

प्रतिभाशाली और स्किल्ड ब्रांड मैनेजर्स की मांग फार्मास्यूटिकल, मोबाइल, इंश्योरेंस, हेल्थकेयर कंपनियों, मीडिया हाउसेस, ऑटोमोबाइल कंपनीज वगैरह में काफी है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हर कंपनी अपने प्रोडक्ट की ब्रांडिंग आकर्षक तरीके से करनी चाहती है।

कितना पैकेज?

इस इंडस्ट्री में फ्रेशर्स का स्टार्टिंग सैलेरी पैकेज तीन से साढ़े तीन लाख प्रति वर्ष हो सकता है। सैलेरी पैकेज इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप कौन-से संस्थान में और किस शहर में काम कर रहे हैं।

ये गुण जरूरी

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए एक व्यक्ति को न मोटिवेटेड और बड़ी जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार रहना जरूरी होता है।

- अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स होनी चाहिए।
- सुपरविजन, प्रॉब्लम सॉल्विंग और प्लानिंग स्किल्स में भी आगे होने चाहिए।
- उम्मीदवार किस तरह के आइडियाज के साथ प्रोडक्ट की ब्रांडिंग कितने क्रिएटिव तरीके से करते हैं और उसका कैसा रिस्पांस मिलता है, यह भी बहुत मायने रखता है।

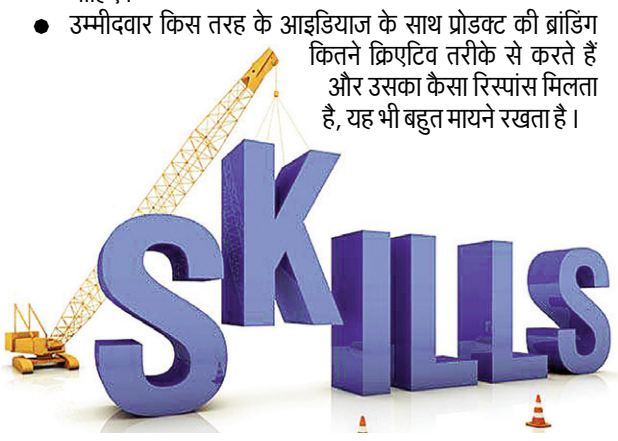

रसोई पर बाजार के हमले से चौपट होता स्वास्थ्य

ललित गर्ग

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है।

आज रसोई पर संकट मंडरा रहा है, बाजारवाद ने रसोई के अस्तित्व को ही बदल दिया है, न केवल रेसाई को बदला है बल्कि हमारे शुद्ध एवं स्वास्थ्यवर्द्धक खानपान को ही ध्वस्त कर दिया है, जिससे हमारा स्वास्थ्य तो चौपट हो ही रहा है, हमारे पारिवारिक एवं भावनात्मक संबंध भी चरमरा रहे हैं। देश-दुनिया में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का चलन और इससे होने वाले नुकसान बढ़ते जा रहे हैं। मोटापा सहित अनेक बीमारियां संकट पैदा कर रही है। इन्हीं चिन्ताओं के बीच यूनिसेफ की एक ताजा रिपोर्ट चौंकाती भी है एवं लगातार स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ने के कारण को दशार्ती है। यूनिसेफ ने भारत समेत 97 देशों में अध्ययन कर बताया है कि पिछले 15 साल में दुनियाभर में पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी है, जिससे जेब पर भी असर पड़ा है और स्वास्थ्य पर भी, विशेषतः पारिवारिक संरचना पर। ज्यादा-से-ज्यादा चेन स्टोर-सुपरमार्केट खुलने के बाद लोग इनका अधिक सेवन कर रहे हैं। जिन देशों में प्रतिव्यक्ति सर्वाधिक चेन किराना स्टोर एवं सुपरमार्केट हैं, वहां लोग ज्यादा अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। ह्यनेचर फूडह्ल पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए व्यक्ति, परिवार, समाज एवं सरकार को सख्त एवं प्रभावी कदम उठाने होंगे।

अध्ययन के मुताबिक, जिन देशों में पिछले 15 साल में सुपरमार्केट से तले-भुने एवं जंक खाद्य पदार्थों की बिक्री में 11 फीसदी वृद्धि हुई है, वे भारत, बांग्लादेश, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर जैसे देश हैं। रिपोर्ट का एक चिंतनीय पक्ष यह है कि दक्षिण एशिया में यह बढ़ोतरी अन्य देशों की तुलना में तेज रही। आंकड़े बताते हैं कि बीते डेढ़ दशक में विश्व स्तर पर सुपरमार्केट 23.6 फीसदी बढ़े हैं, जबकि इस दौरान दुनियाभर में मोटापा 18.2 प्रतिशत से बढ़ कर 23.7 प्रतिशत हो गया है। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों की खरीद बढ़ने से अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में भोजन पर खर्च बहुत अधिक बढ़ा है। भारत में भी पिछले साल के अंत में सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण की रिपोर्ट कहती है कि लोगों के खाद्य बजट में सब्जियों, पैकेटबंद चीजों एवं जंक फूड्स की ही बड़ी हिस्सेदारी है। खाद्य पदार्थों के व्यापार पर नजर रखने वाली एजेंसी यूरोमॉनिटर के मुताबिक, भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रतिव्यक्ति सालाना बिक्री 2005 में दो किलोग्राम थी, जो 2019 में छह किलोग्राम और 2024 में आठ किलोग्राम हो गयी।

सीएसइ (सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायर्नमेंट) द्वारा भारत में किये गये अध्ययन से भी इसका खुलासा हुआ है कि जंक फूड और पैकेटबंद भोजन मोटापा, कैंसर, उच्च रक्तचाप, मधुमेह और दिल की बीमारियां बढ़ा रहे हैं। यह कितना बड़ा मुद्दा है, इसे इसी से समझा जा सकता है कि इस बार बजट से पहले की आर्थिक समीक्षा में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर अधिक टैक्स लगाने की सिफारिश की गयी थी। जाहिर है, अगर अभी नहीं संभले, तो बहुत देर हो जायेगी। इंसानों की तोंद बढ़ती जा रही है। इस बढ़ते मोटाने की भयावहता को महसूस करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मोटापे के खिलाफ जंग छेड़ी है। एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए प्रधानंत्री ने कहा कि 2050 तक 44 करोड़ भारतीय मोटापे का शिकार होंगे। प्रधानमंत्री ने इन आंकड़ों को खतरनाक बताते हुए मोटापे को मात देने के लिए लोगों को मंत्र भी दिये हैं। ये मंत्र हैं- खाने वाले तेल में लोग 10 फीसदी की कटौती एवं जीवनशैली में बदलाव करें। अगर समय पर इस पर ध्यान नहीं गया तो भविष्य में बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं होंगी। मोटापे की वजह से हर तीसरा व्यक्ति गंभीर बीमारियों का शिकार हो सकता है।

स्वाद में चटपटी और जब जरूरत हो, तब पैकेटबंद भोजन की उपलब्धता ने हमें अपने घर की रसोई की जगह बाजार पर निर्भर बना दिया है।?इसके लिए बाजार ने कई तरह के लुभावने एवं बाजारवादी तर्क और नारे गढ़ रखे हैं। ये नारे और तर्क हमें लुभाते एवं गुलाम बनाते हैं। समय की बचत के नाम पर हमें मजबूर करते हैं कि हम अपने घर की रसोई को बंद ही रखें। हमारे खान-पान की परंपरा और पौष्टिकता पर यह एक तरह से हमला है। बाजार हमें सिखाना चाहता है कि परिवार में जब जिसको भूख लगे, वह बाजार जाए, आनलाइन ऑर्डर करें और?खा ले। पहले परिवार के लोग एक साथ बैठकर?खाते थे, तब परिवार का हर सदस्य एक दूसरे के सुख-दुख से परिचित होता एवं संवेदनाओं से जुड़ता था। दुख, परेशानियों, निराशाओं को दूर करने का सामूहिक प्रयास किया जाता था। सलाह मशविरा किए जाते थे। आज हमें बाजार सामूहिकता से काटकर वैयक्तिक एवं एकांगी बना रहा है। यदि हमने अपनी रसोई को सहेजकर नहीं रखा, तो एक दिन ऐसा भी आ सकता है, जब हमें पूरी तरह बाजार के डिब्बाबंद भोजन पर ही निर्भर रहना पड़े।

विशेषज्ञों का कहना है कि करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत का शिकार बन चुके हैं। लोगों में स्वास्थ्य के नजरिए से हानिकारक इन खाद्य पदार्थों को लेकर जो लगाव है, वो शराब और तम्बाकू जितना ही बढ़ चुका है। बता दें कि दुनिया भर में 14 फीसदी लोग शराब के और 18 फीसदी लोग तम्बाकू के आदी बन चुके हैं। ऐसे में 14 फीसदी वयस्कों में अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड की दीवानगी एवं आकर्षण बेहद गंभीर खतरे की ओर इशारा करती है। यह जानकारी अमेरिका, ब्राजील और स्पेन के शोधकताओं द्वारा किए अध्ययन में सामने आई है, जिसके नतीजे नौ अक्टूबर 2023 को द ब्रिटिश मेडिकल जर्नल में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन 36 देशों में प्रकाशित 281 अध्ययनों के विश्लेषण पर आधारित है।

आजकल मार्केट में पैकेटबंद एवं जंक फूड्स की भरमार है। चिप्स से लेकर दूध, मसाले और हर एक चीज प्लास्टिक, एल्युमिनियम या पेपर की पैकिंग के साथ आ रही है। सुविधा के नाम पर हो रहा यह हमला कई सारे साइड इफेक्ट्स दे रहा हैं। न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी पैकेटबंद चिप्स, जूस, कुकीज और नमकीन, नूडल्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। किसी भी तरह की खाने-पीने की चीज की अगर पैकेजिंग की जाती है तो उन्हें सुरक्षित, संरक्षित और ज्यादा समय तक चलने के लिए तीन चीजें मिलायी जाती हैं। प्रीजर्वेटिव्स, नकली रंग और एक्स्ट्रा फैट। कुछ समय पहले आई एक स्टडी में बताया गया कि पैकेटबंद फूड्स में इमल्सीफायर नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो दिल की सेहत यानी हार्ट हेल्थ के लिए खतरनाक होता है, इससे कार्डियोवैस्कुलर बीमारियां हो सकती हैं, यह कंपाउंड ब्लड प्रेशर लेवल को बढ़ा सकती है। बहुत ज्यादा मात्रा में इमल्सीफायर जब शरीर में पहुंचता है तो इससे शरीर की शक्ति क्षीण होने लगती है और कमजोरी-थकान-सुस्ती बढ़ती है।

पैकेटबंद भोजन में घर के बने भोजन की तुलना में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैकेटबंद भोजन अक्सर अतिरिक्त चीनी, नमक और वसा से भरपूर होते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। इनमें फाइबर की कमी होती है, जिससे पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मिलावट की संभावना अधिक होती है, इनमें स्नेह, प्यार, अपनापन एवं ममत्व नहीं होने से यह पोषित नहीं होते। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि पैकेटबंद भोजन में पाए जाने वाले कुछ रसायन कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। बच्चों में पैकेटबंद भोजन का अधिक सेवन उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है। प्राचीनकाल से ही हमारे देश में घर का चूल्हा यानी रसोई जहां स्वास्थ्य की प्रयोगशाला होती थी वही पूरे परिवार को जोड़ने का केंद्र रही है। यह रसोई ही थी जिसने परिवार को हर सदस्य से प्रेम करना सिखाया। एक दूसरे की इज्जत, सुरक्षा, देखभाल एवं स्वस्थ रहना सिखाया। संयुक्त परिवार के दिनों में सास-बहू, देवरानी-जेठानी, ननद-भाभी के बीच पनपे मतभेद को मनभेद में बदलने से रोका, ?भोजन बनाते या साथ बैठकर खाते समय सारे मतभेद, गुस्से को तिरोहित करना भी रसोई ने ही सिखाया। यही हाल पुरुषों का भी था। जब साथ बैठकर खाते थे, तो आपसी मतभेद, मनमुटाव हवा हो जाते थे। लेकिन आज उसी रसोई पर संकट मंडरा रहा है। प्रेषक

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

जीत की खुशी

भारत ने एक साल से कम समय में दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीतकर विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा साबित कर दिया है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप को जीता था और अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। भारत ने फाइनल में न्यूजीलैंड को ही नहीं हराया बल्कि खिताब जीतने की राह तक सभी टीमों को परास्त कर दिखाया कि अब कोई उनका सानी नहीं है। भारत की इस जीत में उसके द्वारा लिए गए रणनीतिक फैसले ने भी अहम भूमिका निभाई। बीसीसीआई के चवनकताओं ने जब कोच गौतम गंभीर और कप्तान रोहित शर्मा की मांग पर टीम में पांच स्पिनरों का चयन किया तो इस फै सले की आलोचना भी हुई थी। पर भारत के पूरे अभियान के दौरान एकादश में चार स्पिनरों को खिलाने की योजना बेहद कारगर साबित हुई, क्योंकि किसी भी टीम के पास इसकी काट नजर नहीं आई। फाइनल में भी भारत की कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल की स्पिन चौकड़ी ने 38 ओवर फेंककर कुल 144 रन दिए और पांच विकेट निकाले। इसके विपरीत पेस गेंदबाजों ने 12 ओवर फेंककर 104 रन दिए और एक विकेट निकाला। इससे यह तो साबित होता है कि भारतीय टीम अब रणनीति बनाने में बाकी प्रतिद्विंद्वियों से काफी आगे है। हम सभी जानते हैं कि विश्व क्रिकेट आर्थिक तौर पर भारत पर बहुत निर्भर है, इसलिए फैसलों में भी भारतीय दबदबा दिखता रहा है। पर आईसीसी टूनार्मेंटों को जीतने के मामले में हम थोड़े पिछड़े हुए थे। महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी को जीतने के बाद भारत एक दशक से ज्यादा समय तक आईसीसी ट्रॉफी जीतने में कामयाब नहीं रहा था। इस दौरान विराट कोहली और रवि शास्त्री की कप्तान और कोच की जोड़ी ने भारतीय परचम को दुनियाभर में तो लहरा दिया पर आईसीसी ट्रॉफी से दूरी को वह खत्म नहीं कर पाए, लेकिन रोहित शर्मा और द्रविड़ की जोड़ी ने भारत को टी-20 विश्व कप जिताया और अब गंभीर और रोहित की जोड़ी ने चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर भारत का विश्व क्रिकेट पर आर्थिक दबदबे के साथ क्रिकेटीय दबदबे को भी बना दिया है। भारत की इस सफलता से कप्तान रोहित शर्मा के आलोचकों को भी जवाब मिल गया है। वह जिस ताबड़कोड़ अंदाज में फाइनल में खेले, उससे वह यह दिखाने में कामयाब रहे कि उनमें अभी बहुत क्रिकेट बाकी है। रोहित के साथ विराट ने भी दिखाया कि भारतीय सफलता में वह अभी भी योगदान देने वाले हैं।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुनः धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है।

सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है।

त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है।

बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना जरूरी है

संजय गोस्वामी

पृथ्वी के वायुमंडल के बाहर भी जीवन है ? इस बात की पड़ताल एस्ट्रोबायोलॉजी के अंतर्गत किया जाता है। एस्ट्रोबायोलॉजी के जानकार ही वायुमंडल के बाहर जीवन होने के रहस्य से पर्दा उठा सकते हैं, इसके पीछे छुपी होती है। इसी विषय पर अनुशक्ति नगर स्कूल 2में एक वार्ता का आयोजन किया गया एक विषय था *अदृश्य खगोल विज्ञान डेढ़ घंटे का एक वैज्ञानिक व्याख्यान 3 मार्च 2025 को सुबह 9:00 बजे, एटॉमिक एनर्जी सेंट्रल स्कूल 2, अणुशक्तिनगर, मुंबई-94 में डॉ. सुंदर सहायनाथन द्वारा एक विज्ञान वार्ता, का आयोजन किया गया उन्होंने उन्होंने बताता की ज्ञान के क्षेत्र में जनसामान्य की भागीदारी बढ़ाने और वैज्ञानिक शिक्षा में सुधार द्वारा अधिक कुशल श्रमशक्ति के विकास में मदद मिलती है।खगोल विज्ञान वैज्ञानिक शोध में वैचारिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। इससे अर्जित ज्ञान को मौसम विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, एवं संचार व्यवस्था जैसे प्रायोगिक विज्ञान के क्षेत्रों में आसानी से लागू किया जा सकता है। यह करने हेतु जिन उपकरणों की हमें आवश्यकता है वे महंगी भी नहीं है। यदि हम दूरसंवेदी डेटा से तुलना करें तो खगोल विज्ञान संबंधी डाटाबेस सस्ती भी हैं और सहज रूप से उपलब्ध भी हैं। तथापि आंकड़ों की प्रसंस्करण तकनीकें (मसलन, इमेज प्रोसेसिंग) दोनों ही मामलों में एक जैसी है। इनमें दूरबीन, स्पेक्ट्रोस्कोप इत्यादि बनाने के प्रशिक्षण से लेकर मौसम, चंद्र एवं सूर्यग्रहण इत्यादि जैसे खगोलीय अवधारणाओं की व्याख्या की जाती है। उच्च क्षमता वाली दूरबीनों की एक प्रणाली है जिससे गामा-किरणों की जाँच की जाती है। उदाहरण स्वरूप इस क्षेत्र के कुछ किसानों ने भी पर्यटकों के लिए अपने बागानों में शौकिया खगोलविदों के लिये छोटी दूरबीनों की स्थापना की है। खगोल विज्ञान का विकास और प्रसार औद्योगिक और वैज्ञानिक विकास की भी शुरूआत करता है खगोल विज्ञान संस्था द्वारा विज्ञान क्लब चलाना, शैक्षणिक सामग्री का वितरण एवं खगोल विज्ञान तथा भौतिकी के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति का संयोजन करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जाते हैं।डॉ. सुंदर सहायनाथन 25 वर्षों से अधिक समय से बीएआरसी में के लिए काम कर रहे हैं। वे एक खगोल भौतिकीविद् और उनका काम शोध कार्य से ज्यादा सक्रिय आकाशगंगाओं पर है। उनके काम काफी हद तक सैद्धांतिक प्रकृति से सम्बंधित है। वे टीआईएफआर, आईयूसीएए, आईआईए और कश्मीर विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय और कालीकट विश्वविद्यालय जैसे कई भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ वैज्ञानिक कार्य से जुड़े रहें हैं। इन संस्थानों से 10 से अधिक पीएच.डी. छात्रों का मार्गदर्शन किया है। इसमें उप प्रधानाचार्य श्री देश राज किशाना ने उनका स्वागत किया। तदुपरांत लेक्चर समाप्त होने पर उन्हें एक मोमेंटो देकर भी सम्मानित किया गया साथ में एक गमले में तुलसी जी का पौधा भी प्रधानाचार्य द्वारा दिया गया। फूलों का गुलदस्ता और डायरी नवीन त्रिपाठी ने अरेंज किया था इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री एन सी शर्मा (संयोजक), श्री बी एन मिश्रा, और राजकमल गौतम,स्कूल के शिक्षक सुधीर पालकर.वी पी वर्गीश, गीता मैम, संगीता काकरे आदि ने बच्चों को इस विज्ञान वार्ता को सफल बनाया बच्चों में विज्ञान की समझ विकसित करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह उन्हें दुनिया को बेहतर ढंग से समझने, समस्याओं को हल करने और भविष्य के लिए तैयार करने में मदद करता है।

चैंपियंस ट्रॉफी : भारतीय दबदबे का मंचन

मनोज चतुर्वेदी

देश में दिवाली एक हफ्ते पहले ही आ गई। भारत के चैंपियंस ट्रॉफी चैंपियन बनते ही देशभर में आकाश पटाखों की आवाज से गूंज गया।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा अभी कुछ माह पहले आईसीसी टी-20 विश्व कप जीतने पर जिस तरह भावुक हो गए थे, वैसे इस सफलता पर भावुक तो नहीं हुए पर खुशी जबर्दस्त दिखी। उन्होंने अपने साथ कई सफलताओं के साथी विराट कोहली के साथ स्टंप हाथ में लेकर डांडिया खेलना शुरू कर दिया।

भारतीय टीम ने सफेद गेंद से जिस तरह से पिछले कुछ समय में प्रदर्शन किया है, वह उसके विश्व क्रिकेट पर दबदबे की कहानी बताने के लिए पर्याप्त है। भारत ने पिछले साल के आखिर में टी-20 विश्व कप जीतने के बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारत ने जब 2023 में घर में हुए आईसीसी वनडे विश्व कप में अपनी क्षमता को प्रदर्शित नहीं कर सका था। उस समय में यह कहा जाने लगा था कि हम यह भूल गए हैं कि खिताब कैसे जीता जाता है। इसकी वजह भारत के हाथ से कई बार खिताब फिसलते देखा गया था। पर अब भारत के एक साल से भी कम समय में दो आईसीसी खिताब जीतने से लगता है कि वह अब जीतने का फामरूला पाने में सफल हो गया है।

यह फामूर्ला कितने समय तक कारगर रहता है, यह देखने वाली बात होगी। भारत के पास आईसीसी के चार खिताबों में से दो पर कब्जा है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए वह इस बार क्वालिफाई नहीं कर सका है। इसकी वजह घर में न्यूजीलैंड से सीरीज में सफाया कराने और फिर ऑस्ट्रेलिया से उसके घर में सीरीज हाराना रही। भारत को अब इन दोनों खिताबों पर कब्जा करने के लिए 2027 तक इंतजार करना पड़ेगा, क्योंकि आईसीसी वनडे विश्व कप का 2027 में आयोजन होना है और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अगली साइकिल भी तब तक ही खत्म होगी।

न्यूजीलैंड पिछले कुछ वर्षो में भारत के तगड़ी प्रतिद्वंद्वी के तौर पर उभरकर सामने आई है। इस फाइनल में भी जब उसने भारत के तीन विकेट फटाफट निकाल दिए थे, तो भारतीय कैंप में हड़कंप मच गया और एकदम से खामोशी छा गई। कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल के बीज 105 रन की साझेदारी बनने से मैच के एकतरफा बनने के संकेत मिल ही रहे थे कि अगले 17 रनों में तीन विकेट निकल जाने से लगा कि कहीं मैच पलटने तो नहीं जा रहा है। पर इस स्थिति में श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या, केएल राहुल और रविंद्र जडेजा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करके भारत को खिताब तक पहुंचा दिया। असल में भारत के चार स्पिनर खिलाने के फैसले और इनमें दो अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के बल्लेबाज होने से भारत की बल्लेबाजी में बहुत गहराई आ गई थी।

इसका भारत को हमेशा फायदा मिला और शुरूआती विकेट जल्दी निकल जाने तक भी बड़ा स्कोर खड़ा करने की संभावनाएं बनी रहती थीं। यह साल ऐसा है, जिसने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जिंदगी के दोनों पक्ष दिखाए हैं। यहां एक और वह चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर सफलता के मायने में महेंद्र सिंह धोनी से सिर्फ एक कदम ही पीछे हैं। वहीं दूसरी तरफ साल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खराब फॉर्म की वजह से सिडनी टेस्ट में खुद को टीम से बाहर कर लिया था। यह वह समय था, जब उनकी कप्तानी के साथ कॅरियर पर सवालिया निशान लग रहे थे, लेकिन इस सफलता ने आलोचकों के मुंह पर ताला जड़ दिया है। सच में फाइनल में जिस तरह से उन्होंने 76 रनों की पारी खेलकर भारत की जीत की राह बनाई, उससे क्रिकेट जगत उनका मुरीद बन गया है।

धोनी ने एक कप्तान के रूप में आईसीसी वनडे विश्व कप, चैंपियंस ट्रॉफी और टी-20 विश्व कप जीतकर अपने को भारतीय कप्तानों में शिखर पर पहुंचा दिया है। रोहित से अब सिर्फ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप और आईसीसी वनडे विश्व कप ही दूर है। वह यदि 2027 तक खेल सके तो वह देश के सफलतम कप्तान बन सकते हैं। रोहित 2022 से पहले विकेट पर टिकने के बाद ताबड़तोड़ करने में विश्वास रखते थे, लेकिन अब वह पहली ही गेंद से बड़े शॉट खेलने में विश्वास रखते हैं। उनके इस तरीके से सामने वाले अटैक की समझ में नहीं आता है कि वह करें तो क्या? फाइनल में ही ऐसा कुछ हुआ। उन्होंने 83 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों से 76 रन बनाकर भारत को एकतरफा जीत की तरफ बढ़ा दिया था। पर रचिन रविंद्र की एक गेंद पर बेवजह आगे निकलकर खेलने के प्रयास स्टंप होकर भारत को कुछ समय के लिए मुश्किल में डाला।

भारत बल्लेबाजी में गहराई की वजह से जीत गया पर रोहित ने ऐसा नहीं किया होता तो वह फाइल में शतक बनाने वाले बनने के साथ और सहजता से टीम को जीत तक पहुंचा सकते थे। रोहित की इस पारी और कोहली के पाकिस्तान के खिलाफ जीत में जमाए शतक से अब इन दो दिग्गजों के संन्यास के लिए दबाव बनाने वाले आलोचकों के मुंह जरूर सिल गए हैं। इस तथ्य से सभी वाकिफ हैं कि भारत की जीत के लिए इन दोनों का चलना बेहद जरूरी है। यह सही है कि हर खिलाड़ी को एक न एक दिन संन्यास लेना ही पड़ता है पर जब खिलाड़ी अच्छा खेल रहा हो तो उस पर छोड़ने के लिए दबाव बनाने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Why a new deal for udta Punjab is essential

The launch of a book on Punjab produced a think — Where is Punjab headed? With a Vidhan Sabha election scheduled in less than two years, this is an appropriate time to take stock.If Afghanistan was the crossroad of civilisations and is the 'graveyard of empires', then Punjab was the pathway through which a multitude of invaders made their way from the Khyber Pass to the Indo-Gangetic plains in their expeditions of plunder. Punjab was invaded over 200 times between 1000 AD and the mid-nineteenth century.It gave rise to a unique brand of fatalism that can be summed up by an earthy proverb: 'khaada pita laahe da, baaki Ahmed Shahe da.' Loosely translated, it means whatever you have eaten or drunk will be yours, the rest the raider will take away.

The British, the last of the aggressors, finally annexed Punjab on March 29, 1849 after the Second Anglo-Sikh War and made it an adjunct of the Bengal Presidency.A majestic sprawl of land from Delhi to the Khyber Pass, Punjab was first partitioned on November 9, 1901 when it's five northwestern districts and five political agencies were carved out to create the North Western Frontier Province (NWFP).Forty-six years later, it was again partitioned on August 15, 1947, with the creation of the dominions of India and Pakistan. Two million people were killed and 20 million displaced from their home and hearth between Peshawar and Lahore in the most brutal fratricide between Hindus and Sikhs on one side and the Muslims on the other.It gave rise to another adage that came to symbolise the relationship between the Hindus and Sikhs -- 'Nau-maas da rishta', meaning eternally inseparable like nails and skin.However, barely had the storm of the Partition settled than the demand for a Punjabi-speaking state within the boundaries of India came to the fore in 1948. It was called the Punjabi Suba Movement. It was symptomatic of perhaps a correctly placed fear of a loss of identity.

It led to another partition of Punjab in 1966 -- a trifurcation that led to the creation of Haryana and upgradation of Himachal Pradesh. That is where Punjab stood on November 1, 1966 -- a trimmed, truncated and mutilated ghost of its former imposing self. Hardly had the new state settled down than it was hit by Naxalism a year later, only to be put down with state coercion.In October 1973, came the Sri Anandpur Sahib Resolution, demanding more regional autonomy.

By 1980, militancy had started mushrooming in Punjab. A whole generation was lost to the depredations of terrorism and state excesses by 1995. What followed was three decades of diffident governance, going across various dispensations, because the problems had by then become so convoluted that it was easier for the political leadership to skirt them than confront them.The turbulence in the form and shape of the farmers' movement over the past five years has deeper psychological roots -- in the unaddressed sense of alienation going back to 1947.

That is where Punjab stands today, facing five fundamental challenges that are existential to its very survival.The public debt would balloon to Rs 3.74 lakh crore or more by the end of this fiscal. The debt-to-GDP ratio would be to the tune of 53.7 per cent by FY-2027-28. With Rs 36,766 crore budgeted for debt-servicing in the current financial year, Punjab is sinking into the quicksand of liabilities.However, there is no public or even private discussion on it among Punjab's political elite, either in the Vidhan Sabha or outside. Vidhan Sabha sessions are barely a two-or-three-day affair now, and where a farcical 'he said, she said' is the order of the day.

The second is the declining size of the landholdings in Punjab. As many as 84 per cent of the farmers hold just three-to-five acres of land. Fragmentation and subdivision is only escalating, with land around cities becoming sprawling, often unregulated, urban agglomerations.

Even with the crutch of a minimum support price, agriculture as a standalone occupation is not viable. Without touching on ownership rights, how to make agriculture viable is a debate that is not even taking place among the political parties in Punjab.

Why humanities matter in a tech-driven world

The devaluation of 'soft' disciplines like literature, philosophy, history, sociology or fine arts will prove to be disastrous for the psychic, intellectual development of the young generation.

Ask a bureaucrat, an industrialist or even a policymaker about the kind of education we ought to prioritise in order to progress as a nation. It is quite likely that they will put extraordinary emphasis on artificial intelligence, robotics, machine learning, data sciences and information technology. Likewise, if you ask middle-class parents about their preferences, it is quite likely that you will hear that they want their children to opt for STEM (science, technology, engineering, mathematics) subjects and settle down in life as engineers, doctors and techno-managers.Indeed, amid this all-pervading notion of 'relevant' education, it is not easy to plead for 'soft' disciplines - liberal arts, humanities and social sciences. In fact, even if your child wants to pursue physics as well as history, or accountancy and philosophy, it is almost impossible for our schools to make it possible because of a hugely problematic and rigid classification of disciplines into science, arts and commerce.

In fact, quite often, it is argued that 'soft' disciplines are irrelevant because your knowledge in history or literature does not help the market to flourish or technology to grow. In other words, a purely market-driven instrumental reasoning has become the dominant discourse in our times; colleges/universities are asked to follow the dictates of the emergent neoliberal bosses; and education has been reduced into a merely job-oriented skill for the techno-economic growth.

Is it, therefore, surprising that throughout the world, we are seeing the new trend of colleges and universities closing their departments of liberal arts and humanities because of low enrollment as these domains of knowledge are seen to be 'non-profitable'?Yet, I have no hesitation in regarding this trend as the poverty of pedagogic imagination. In fact, the growing devaluation of 'soft' disciplines like literature, philosophy, history, sociology or fine arts will prove to be utterly disastrous for the psychic, intellectual development as well as politico-historical sensibilities of the young generation growing up in these turbulent times.In this context, it will not be inappropriate to reflect on my own academic trajectory — from physics and mathematics to social sciences. Of course, physics and mathematics helped me to evolve what can be regarded as some sort of scientific-mathematical reasoning. But then, social sciences and humanities enriched me in another meaningful way.First, it sharpened my politico-historical sensibilities. I could make sense of my own biography in the context of the larger social and political development —- say, modernity, secularism, nationalism, caste, class, ethnic divisions, patriarchy, feminist assertions and new social movements. In other words, it helped me to become an active and alert citizen, taking part in the process of social transformation.

Second, self-reflexivity became an integral part of this journey. When you meditate on, say, Karl Marx and Michel Foucault, Gandhi and Tagore, or, for that matter, Albert Camus and Fyodor Dostoyevsky, it is impossible to exist as a cold, detached, impersonal reader of the text; it is not like solving a MCQ riddle and finding the 'one and only one correct answer'.

You entertain existential ambiguities; you ask new questions; and you look at your own desires, confusions, moral dilemmas and possibilities. In other words, you tend to become humane, reflexive, empathic and dialogic.And third, my love affair with humanities and social sciences helped me to sharpen my critical thinking. It is not cynicism. Instead, it is the ability to ask the kind of questions that a technocratic or fundamentalist social order seeks to hide — say, the questions related to the ecological cost of what is otherwise projected as techno-economic development; or the questions related to religious fundamentalism, neo-fascism and social conservatism. It is impossible to nurture the spirit of democracy without this sort of critical thinking.

Well, I am not underestimating the importance of artificial intelligence, robotics, data sciences, or STEM subjects. But then, if in the name of pure instrumentality and economic rationality, we deprive the new generation of the treasure that great poets, mystics, philosophers, historians, sociologists and artists embodied, it will cause a great damage to the mental, aesthetic and political sensibilities of the new generation.

Think of the world we are living in. When we reflect on the accelerated growth of right wing nationalism and authoritarianism, we realise that democracy is fast degenerating into some sort of electoral autocracy. We are also seeing the close affinity between these neo-fascists and select techno-economic elites. In recent times, the alliance between Donald Trump and Elon Musk reveals this dangerous trend.In fact, when technocracy, right wing nationalism and religious fundamentalism tend to merge, we find ourselves in a dystopian world. Social welfare, distributive justice, egalitarian spirit, peace, ecological sensibilities and cultural pluralism — in fact, all redemptive projects are suspected or castigated as some sort of 'leftist' propaganda.Not solely that. What this system abhors is the very idea of libertarian education: the kind of education that makes one think, interrogate the prevalent 'order', and imagine a just world free from war, militarism, climate crisis, religious fundamentalism, hyper-nationalism and a purely technocratic vision of life.Not surprisingly, we see the growing attack on the idea of libertarian education. And even India is no exception.

In fact, if we seek to resist this techno-fascist dystopian world, we need a new practice of education — the kind of education that sees beyond the mass production of a bunch of non-reflexive technocrats or a set of compliant workers for running the prevalent system.

We need creative minds who can rescue the power of imagination from the trap of the rising techno-fascism, raise critical questions and emerge as alert, awakened, dialogic citizens for creating a humane world. And this is impossible without liberal arts, humanities and social sciences.

YouTube takedowns

Wake-up call for India to clean up the mess

It's a worrying sign that India has again topped the global list of YouTube video takedowns. Of the worldwide total of 9.4 million videos removed by the Google-owned company between October and December 2024, around 30 per cent were from India. It's obvious that the misuse of this popular video-sharing and social media platform continues unabated in the country. YouTube's community guidelines disallow content pertaining particularly to pornography, incitement to violence, harassment or cyberbullying, hate speech and misinformation. Notably, over 96 per cent of the policy-violating videos globally were first flagged by the platform's automated content moderation tools — without any human intervention.A big challenge for YouTube is to take down content before it starts getting a sizeable number of views. Its generally robust self-regulatory mechanism came under a cloud recently when YouTuber Ranveer Allahbadia's comments on an online show, India's Got Latent, triggered a nationwide outrage as well as a string of FIRs. The episode and clips in question were removed after the Ministry of Information and Broadcasting stepped in. However, the Supreme Court's directions to the Centre to frame guidelines for regulating social media content have raised the spectre of government interference in the working of online platforms, besides a possibly detrimental effect on free speech.The takedowns should prompt the government and other stakeholders to delve deep into various cases of misinformation and hate speech. It is disconcerting that the temptation to invest in dubious endeavours that serve to heighten communal tensions or foment hatred is getting stronger. The World Economic Forum has cautioned that misinformation and disinformation pose a persistent threat to societal cohesion and governance. India has been identified as a leading at-risk nation. Close collaboration between the government and platforms such as YouTube can help in deterring miscreants from posting harmful or objectionable content. A sustained awareness campaign is a must to warn users of the perils of fake news and prejudiced views.

Akal Takht's supremacy under threat

Removal of two jathedars marks an inflection point in Sikh politico-religious affairs

THE controversial removal of two Takht jathedars by the Shiromani Gurdwara Parbandhak Committee (SGPC) has caused a furore within the Sikh community. At a meeting of its executive committee on March 7, the SGPC decided to terminate the services of Akal Takht Jathedar Giani Raghbir Singh for "failing to guide the Panth and address contemporary issues effectively". The committee also decided to remove Giani Sultan Singh from the post of Jathedar of Takht Sri Kesgarh Sahib.

Though they both continue to be in service of the SGPC, their removal is being described by many observers as a 'black day' in contemporary Sikh history. It has saddened and dismayed Sikhs across the globe. However, not many would have been surprised by these decisions. A month ago, another Jathedar, Giani Harpreet Singh, had been sacked by the SGPC on 'flimsy' charges.

The present turmoil in Sikh institutions has its origin in the happenings of December 2, 2024, when the SAD leadership appeared before the Akal Takht to atone for its 'misdeeds'. The Sikh clergy awarded them religious punishment. The Badals (father and son) were presumably considered the main culprits. Besides awarding tankhah to Sukhbir Singh Badal, the clergy withdrew the title of Panth Rattan Fakhr-e-Qaum (pride of the Sikh community) that had been conferred on then Punjab CM Parkash Singh Badal by the Akal Takht in 2011. The jathedars also directed that all factions of the Shiromani Akali Dal (SAD) be dissolved and appointed a committee to oversee the process of the party's revival through a fresh enrolment of members. While this was a bitter pill to swallow for the SAD leadership, the Sikhs at large were jubilant. They saw in it a ray of hope, a possibility of a return to politics with a moral fibre and one that was accountable to the Akal Takht, the highest temporal seat of the Sikhs.There have been instances in Sikh history when the Akal Takht has summoned powerful Sikh rulers, including Maharaja Ranjit Singh, and awarded them severe punishment. However, the present-day Akali leaders would not have expected the jathedars to be so harsh on them. They tend to see them as mere employees of the SGPC. And the SAD leadership has had near-total control over the affairs of the SGPC for the past several decades. Their decision to appear before the Akal Takht was an attempt to reclaim legitimacy among the Sikhs following a decade-long rule during which some steps widely perceived to be anti-Sikh were taken. While the SAD leadership nominally underwent a part of the awarded tankhah, the dominant section also saw the punishment as a challenge to its authority. Hence, the reprisal.While a section of the SAD leadership might see the removal of the two jathedars as a victory, it is likely to further erode the party's credibility among the Sikh masses. Besides widespread condemnation of the executive committee's latest decisions, members of the Sikh civil society have also pointed to the fact that the SGPC no longer has the mandate of the community. Its term expired a long time ago. It continues to be in place by default because no elections have been held since 2011.What explains such dissonance and discord within Sikh institutions? What could be the way forward for the Sikhs? For over a century, Sikh religious institutions and Akali politics have been inseparable. It was during the popular mobilisation for the liberation of historic gurdwaras in the 1920s that the SGPC was born. The Akali Dal was formed by leaders of this reform movement as its political wing, which had to be subordinated to the religious establishment, the SGPC and the Akal Takht. Over the years, this relationship has reversed. The political class, with a specific family at its helm, has come to control various institutions. The SAD has also come to function like other parties, conforming to the prevailing political culture. It has changed its mandate from being a party representing Sikh interests and aspirations to being a party of all Punjabis, representing their regional interests.

With the formation of a separate gurdwara management committee in Haryana, the SGPC's sphere of influence has shrunk and become confined to Punjab. Likewise, Delhi has a separate gurdwara committee. Besides, there are a large number of important gurdwaras, including in Punjab, which are outside the purview of the SGPC.

Even more importantly, over the past 100 years, the social profile of the Sikh community has seen many changes. With growing urbanisation and occupational diversification, the community's aspirations and perspectives have become far more diverse. Sikhs today are spread across the world, with a sizeable number of them in Europe and North America. However, they all look up to the Akal Takht as the supreme authority of the faith.Given that the SGPC does not represent the aspirations of all Sikhs, it should not have the sole right to appoint or remove jathedars. The time has come to separate the institution of the Akal Takht both from the SGPC and the regional politics of the SAD. In the long run, such a separation may prove to be beneficial for everyone. But it is unlikely to be an easy task. Such a change would require extensive popular mobilisation. On the positive side, Sikhs today have vibrant civil society organisations in several nations and resources of their own to make such a change possible.

IndusInd Bank shares in focus after Rs 1,577 crore networth hit risk

The stock fell nearly 4% to Rs 900.50 on the NSE in the previous session. IndusInd Bank's stock has lost more than 37% in the past six months, with a 16% decline in the last four weeks alone.

New Delhi. IndusInd Bank shares will be in the spotlight on Tuesday, after the private lender reported a potential Rs 1,577 crore impact on its net worth.

The stock fell nearly 4% to Rs 900.50 on the NSE in the previous session. IndusInd Bank's stock has lost more than 37% in the past six months, with a 16% decline in the last four weeks alone.The bank, during an internal review of its derivative portfolio, found discrepancies that could lead to an estimated 2.35% reduction in its net worth. This review was conducted in response to the Reserve Bank of India's (RBI) September 2023 directions on investment portfolios for lenders, focusing on their 'Other Asset and Other Liability' accounts.WHAT INDUISND BANK SAID ABOUT THE IMPACT

In a regulatory filing on March 10, IndusInd Bank said that it found discrepancies in certain account balances related to its derivative transactions."During internal review of processes relating to Other Asset and Other Liability accounts of the derivative portfolio, post implementation of RBI Master Direction - Classification, Valuation and Operation of Investment Portfolio of Commercial Banks (Directions), September 2023, including accounting of Derivatives, applicable from April 01, 2024, Bank noted some discrepancies in these account balances. Bank's detailed internal review has estimated an adverse impact of approximately 2.35% of Bank's Net worth as of December 2024," it said.

The bank clarified that the estimated financial impact of the discrepancies is expected to be around 2.35% of its net worth as of December 2024. To ensure accuracy, IndusInd Bank has appointed an

external agency to validate its internal findings. The final report from this external review is awaited, after which the bank will adjust its financial statements accordingly.

Despite this potential hit, IndusInd Bank assured that its profitability and capital adequacy remain strong enough to absorb the one-time financial impact.

IMPACT ON FINANCIAL STATEMENTS AND STOCK PERFORMANCE

The estimated Rs 1,577 crore hit will reflect in the bank's earnings for the fourth quarter of the current financial year. The lender also revealed that these discrepancies in its derivatives transactions span the past five to seven years.

Following this disclosure, IndusInd Bank held an analyst call and confirmed that an external auditor is reviewing the matter, with a report expected by the end of March 2024.CEO Sumant Kathpalia, whose tenure was recently extended by one year by the RBI, addressed concerns about leadership stability. He admitted that the RBI may have had reservations about his leadership skills."We began reviewing our internal trade book and noticed some discrepancies in our business, which were identified between September and October. We then hired an external agency to conduct a review," Kathpalia said a quoted by the Economic Times (ET).

Sensex, Nifty fall as US market crash rattles investors; IndusInd Bank down 10%

New Delhi. Benchmark stock market indices opened lower on Tuesday in early trade, imitating global markets following a sharp sell-off in US markets overnight, leading to a crash on Wall Street.The S&P BSE Sensex tanked 361.25 points to 73,753.92, while the NSE Nifty50 lost 113.65 points to 22,346.65 as of 9:16 AM.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that President Trump's flip-flop tariff policy and the high uncertainty that it has triggered has started impacting US stock markets: S&P 500 & Nasdaq declining by 2.6% and 4% respectively yesterday is the market's response to Trump's tariffs and the possibility of US recession by the year end. We will have to wait and watch how the situation develops."A significant consequence of the ongoing market correction is that India is now outperforming the US. During the last one month, while S&P 500 is down 7.5% Nifty is down only 2.7%. More importantly, the dollar index is down from 109.3 when Trump assumed presidency to 103.71 now. If this trend continues it will be good for emerging markets like India.

Capital outflows from India will decline," he added.ICICI Bank emerged as the top gainer in early trade, rising 1.05%, followed by Bajaj Auto which added 0.26%. Maruti Suzuki India gained a modest 0.10%, while Sun Pharmaceutical Industries inched up 0.02%, and ITC managed a marginal increase of 0.01%.The losing camp was dominated by IndusInd Bank, which plummeted 10.00% in a dramatic sell-off.IT majors also faced pressure, with Infosys dropping 2.43% and Wipro falling 2.40%. Retail giant Trent and Tata Steel both declined 1.49% each.

The Nifty Midcap100 index fell 1.05%, reflecting selling pressure in mid-sized companies. The decline was even more pronounced in smaller stocks, with the Nifty Smallcap100 index dropping 1.80%, indicating heightened risk aversion among investors.In contrast, the India VIX, often referred to as the fear gauge, jumped 2.44%, suggesting increased market uncertainty and nervousness among traders.Vijayakumar said that the ideal investment strategy now is not to panic in the market correction and continue with the policy of slow accumulation of high-quality stocks mainly in large caps and very selectively in beaten-down mid and smallcaps.

Skipped filing ITR? You may get a tax notice very soon

New Delhi. If you haven't filed your Income Tax Return (ITR) in the past few years despite having taxable income, you might be in trouble. The Income Tax Department has identified individuals who have undisclosed income liable for income tax. Based on their findings, Income Tax Assessing Officers (AO) will take action, including sending tax notices under Section 148A, etc.

According to sources, the income tax department has gathered data from multiple sources, like annual information statement (AIS), TDS/TCS records, statement of financial transactions (SFT) as well as import and export data.Using this information, the department has identified people who had taxable income but did not file ITR.However, the action specifically covers the financial years 2018-19, 2019-20, and 2020-21 (Assessment Years 2019-20, 2020-21, and 2021-22).

HOW DOES INCOME TAX DEPARTMENT IDENTIFY NON-FLIERS?

The tax authorities use a risk management strategy (RMS) to flag high-risk non-filers, said the department. This system looks at high-value transactions (property purchases, large bank deposits, etc.), income from salary, rent, mutual funds, and shares, etc.

If an individual's income or spending exceeded the tax-filing threshold but he/she didn't file a return, then that individual is likely on their list.

WHAT TO DO NOW?

Since the deadline to file an updated return (ITR-U) for AY 2021-22 was March 31, 2024, you now have limited options. You could apply for condonation of delay, wherein the tax department allows you to file your return late. However, in this case, approval isn't guaranteed and may take time.Also, an individual, upon getting a tax notice for not filing their ITR, can stop further interest accumulation and appeal for penalty relief since they are proactively addressing the issue.

US stocks fall sharply as recession fears grow; Nasdaq down 4%

New Delhi. US stocks plunged on Monday as relentless tariff wrangling and mounting anxieties from a possible federal government shutdown gave rise to fears that the US economy could be careening into recession.The previous week's steep sell-off resumed, gathering momentum as the session progressed, with all three major US indexes suffering sharp declines.

The S&P 500 had its biggest one-day drop since December 18 and the tech-loaded Nasdaq slid 4.0 per cent, its biggest single-day percentage drop since September 2022.The S&P 500, coming off of its biggest weekly percentage drop since September, is 8.6 per cent below its record closing high reached less than a month ago.

On Thursday, the tech-loaded Nasdaq dipped more than 10 per cent below its record closing high touched on December 19, confirming that it has been in a correction since then.

The bellwether S&P 500 closed below its 200-day moving average, a closely watched support level, for the first time since November 2023."It's a material drop for one day but we're seeing the normal sort of drawdown that you see in an upmarket," said Tom Hainlin, national investment strategist at US Bank Wealth Management in Minneapolis. "Concerns are mounting and investors are moving to the sidelines, but we haven't seen growth worries manifest in data yet."On Sunday, Trump declined to comment on the negative market reaction to his on-again, off-again tariff actions against the biggest US trading partners, and whether anxieties related to his erratic policy shifts could nudge a softening economy into recession.

HSBC downgraded US stocks, iting uncertainty around tariffs.But a Reuters poll of economists reflected the growing risks of recession for the United States, Canada and Mexico.Tech stocks are under pressure from a stronger Japanese yen and a spike in sovereign bond yields, as investors unwind yen carry trades on expectations of an upcoming interest rate hike in Japan.The carry trades involve borrowing yen at a low cost to invest in other currencies and assets offering higher yields, and that unwinding is at least partially responsible for the selloff in tech stocks such as the "Magnificent 7" group of artificial intelligence-related megacaps."If you want to know what's going on with the US market, stop paying attention to tariffs and start paying attention to Japanese government bond yields," said Thomas Hayes, chairman at Great Hill Capital in New York. "The carry trade is unwinding, and all that hot money was in Mag 7. So that's why tech is down."dding instability to the mix, lawmakers on Capitol Hill are scrambling to pass a spending bill to avert a government shutdown.

Sensex, Nifty eye shaky opening as Wall Street crash spooks global markets

New Delhi. Stock markets are expected to open lower on Tuesday following a sharp sell-off in US markets overnight. The Sensex and Nifty are likely to see a weak start as fears of a possible recession in the US economy have increased due to trade tensions and economic uncertainty.

US stock markets saw their biggest single-day fall since 2022 on Monday, March 10. The S&P 500 and Nasdaq crashed by up to 4%, while the Dow Jones dropped 2.08%. The decline came after former US President Donald Trump avoided predicting whether the US could face a recession. As a result, Gift Nifty futures fell by 160 points, indicating a weak opening for Indian markets.US STOCK MARKET PLUNGE WIPES OUT $4 TRILLION

A series of trade policies and tariffs introduced by Donald Trump have increased concerns among investors, businesses, and consumers. The uncertainty has led to a massive sell-off, wiping out nearly $4 trillion from the S&P 500's peak last month, when Wall Street was optimistic about Trump's policies.The ongoing tariff disputes with major trading partners like Canada, Mexico, and China have further fuelled

market volatility. While experts earlier believed that trade uncertainty would mainly impact business spending, they now fear that it could push the US economy into a recession.

On Monday, March 10, major US indices saw a sharp fall:

Dow Jones: Fell 2.08% to 41,911.71

S&P 500: Dropped 2.70% to 5,614.56

Nasdaq Composite: Sank 4% to 17,468.32

IMPACT OF US ECONOMIC POLICIES ON GLOBAL MARKETS

Market analysts believe that global uncertainties have increased due to slowing US economic growth and new trade restrictions. These factors raise the risk of a US recession, which could negatively affect emerging markets (EM) like India by reducing foreign investment inflows.Financial services firm Nomura said that trade restrictions are already affecting business confidence and could drive US inflation higher in the coming months. Job additions in February stood at 1,51,000, while the unemployment rate rose to 4.1%. Additionally, risks related to government hiring freezes and layoffs in key sectors continue to pose a threat to the economy.

DALAL STREET MARKET OUTLOOK

Sensex and Nifty have already seen valuation concerns in the last two quarters, and analysts believe that a correction was expected. Research firm Emkay Global stated that while valuations in India have now become more reasonable, investors are still cautious. A clearer outlook on corporate earnings will be needed before confidence returns.According to Nuvama, stock market recoveries are driven by either earnings growth or policy support such as interest rate cuts. However, with global bond yields still high, the scope for further monetary easing remains limited.

The firm also highlighted that a key indicator, the difference between earnings yield and bond yield (US and India 10-year bonds), suggests that equities are still expensive. This means that markets may not have reached a bottom yet, and further declines are possible.Given the negative cues from global markets, Sensex and Nifty are expected to start lower. The 160-point fall in Gift Nifty futures suggests a weak opening, with investors likely to remain cautious.

US recession: Is it a possibility or just a Wall Street worry

New Delhi. US President Donald Trump's aggressive trade policies have rattled global markets, and now they seem to be shaking up Wall Street as well.

Major indices like the S&P 500, Nasdaq, and Dow Jones tumbled in the overnight trading session. The stock market crash was so intense that it ended up wiping out $4 trillion from the S&P 500's peak last month. Big tech stocksMicrosoft, Apple, Tesla, Metawere the worst hit.The massive sell-off was triggered by Donald Trump's recent remark on the possibility of a US recession in 2025. When asked about a possible recession this year, Trump responded, "I hate to predict things like that." That was enough to send Wall Street into a tailspin.But is a US recession actually looming? Experts say it's too soon to tell."Markets have a lot of expectations from the Trump administration. But given the decisions they're taking, it is working in the opposite direction for the US market," said Kranthi Bathini, director of equity strategy at WealthMills Securities.

However, on the question of a recession, he said, "It's premature at this point in time. There is no concrete evidence that points to a recession. The US administration knows how to avoid one."Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist at Geojit Financial Services, blamed the turmoil on Trump's "flip-flop tariff policy and the high uncertainty."

"The S&P 500 and Nasdaq declining by 2.6% and 4% respectively, yesterday is the market's response to Trump's tariffs and the possibility of a US recession by the year-end. We will have to wait and watch how the situation develops," he said.

Trivesh D., COO of Tradejini, pointed out that multiple factors triggered the sell-off, but tariffs remain the biggest issue. "The primary concern has been the ongoing back-and-forth tariff announcements, which have unsettled investors and further dampened market sentiment. Concerns about a possible economic slowdown or even a recession have added to the turmoil, with the technology sector being the most affected," he said.While experts have suggested that a recession may not be on the cards, they agreed that Trump's "period of transition" could negatively impact the US economy in the near term.

Fitch upgrades Adani Energy's credit rating

New Delhi. In a boost to Adani Energy Solutions Limited (AESL), Fitch Ratings has upgraded the company's credit rating at 'BBB-' from its 'Ratings Watch Negative' list. This is the first upgrade by the international ratings agency since the US indictment of certain board members of its another group entity, Adani Green Energy Limited (AGEL) in November 2024. It means AESL is considered financially healthy and capable of repaying its debts. However, the ratings agency has assigned a "Negative Outlook" to AESL, indicating that there are still some potential risks on the horizon."We believe the risks associated with the group's liquidity and funding requirements have moderated. However, the Outlook is Negative to reflect our view that the proceedings and outcome of the US investigations could reveal that the group's corporate governance practices are weaker than we expected and lead to negative rating action in the near to medium term," said the rating agency.

The rating agency said that it assesses that the indictment for alleged securities and wire fraud reflects a corporate governance risk for AESL. A conviction or any indication of weaknesses in Adani group entities' governance practices and internal controls that may come to light as part of the process could put pressure on the ratings. As per the rating agency, the company has demonstrated adequate funding access since the US indictment, having drawn Rs. 51 billion from onshore and offshore banking facilities. The group company, AGEL, has also raised onshore funding to refinance its $1.1 billion construction-linked facility, which was due in March 2025. Fitch said that the Outlook could be revised to Stable if risks of any material negative implications from US investigations do not materialise, while funding access remains intact.

Vodafone Idea misses deadline to submit Rs 6,090 crore bank guarantee

New Delhi. Telecom service provider Vodafone Idea Limited (VIL) has failed to meet the deadline for submitting a Rs 6,090 crore bank guarantee. According to the Department of Telecommunications (DoT) officials, the government will soon seek clarification from the telco for missing the deadline.

Vodafone Idea, country's third-largest telecom service provider, had urged the DoT to exempt the bank guarantee amounting to Rs 6,090 crore. As a result, the company was required to deposit this amount with the DoT by tonight.The bank guarantee is intended to cover a one-time partial shortfall in payments for spectrum acquired during the 2015 auction. According to an exchange filing by Vodafone Idea in February, the company's aggregate payments for spectrum auctions, excluding the 2015 auction, exceed the pro-rated value of the spectrum used. However, a one-time partial shortfall remains for the 2015 auction. The telco said that the DoT has asked for either a bank guarantee of Rs. 6,090 crore for one year or a cash payment of `5,493.2 crore by March 10, 2025, which is thirteen months in advance of the next installment.Under the telecom reform package of 2021, the government eliminated the requirement for bank guarantees for spectrum auctions held after the reforms.

Bhupesh Baghel on what ED found during raid: Rs 33 lakh cash from farm income

The Enforcement Directorate raided former Chhattisgarh Chief Minister Bhupesh Baghel's residence as part of a money laundering investigation. Baghel said the agency found Rs 33 lakh in cash, which he described as family savings and farming income. The ED is probing an alleged liquor scam and also searched locations linked to Baghel's son, Chaitanya Baghel, and his associate, Laxmi Narayan Bansal.

- **ED raided Bhupesh Baghel's residence in money laundering probe**
- **Baghel criticised use of note-counting machines as spectacle**
- **ED also searched locations linked to Baghel's son and associate**

New Delhi. Former Chhattisgarh chief minister Bhupesh Baghel's residence was raided by the Enforcement Directorate as part of an investigation into an alleged money laundering case. Baghel said that he had been living in the house with his family, including his wife, son, three daughters, daughter-in-law and grandchildren.

In a statement on X, Baghel listed what the agency had found: a pen drive with a conversation about financial transactions involving Manturam and Puneet Gupta, son-in-law of Raman Singh, papers related to the SAIL company linked to Abhishek Singh, son of Raman Singh, and a total of Rs33 lakh in cash, which he described as income from farming, dairy and family savings.

"I was reading the newspaper and having a cup of tea when the ED team arrived. I told them that they were welcome and that I had been waiting for them for months and years. My wife, three daughters, son, daughter-in-law, grandsons, and granddaughters live here. We are into farming. In this joint family, we farm on 140 acres of land. We had what we had declared. They examined it. Rs 33 lakh cash was found from different people my wife, son, daughter-in-law, and daughters. We also do farming and have a dairy. This included streedhan (jewellery) too," Baghel told news agency . He said that the agency had brought note-counting machines to create a spectacle.

"An atmosphere was created that note counting machines had been brought I don't think this is a very big amount It is clear that now asking questions in Vidhan Sabha has become a crime," he said.

The raid took place at Baghel's residence in Bhilai town in Durg district. The ED is investigating an alleged liquor scam case and has also searched the premises of Baghel's son, Chaitanya Baghel.

The ED, acting under the provisions of the Prevention of Money Laundering Act, also searched locations linked to Laxmi Narayan Bansal, also known as Pappu Bansal, who is described as a close associate of Chaitanya Baghel.

Delhi struggles to enforce ban on overaged vehicles from neighboring states

NEW DELHI. As Delhi prepares to enforce a ban on refueling of overaged vehicles, the city government is grappling with the challenge of identifying vehicles that have exceeded their lifespan arriving from neighboring states like Uttar Pradesh, Haryana, and Rajasthan.

Officials said the AI-based detection system developed for implementation currently holds data of only Delhi-registered vehicles, making it difficult to monitor those entering from Uttar Pradesh, Haryana, and Rajasthan.

To address this gap, Delhi's transport department is reaching out to NCR authorities, urging them to take stricter action against such vehicles and prevent their entry into the national capital. Officials said lack of coordination and enforcement in these states threatens to undermine Delhi's anti-pollution efforts.

According to government data, by September 2024, over 27.5 lakh vehicles in Haryana had exceeded their age limit, with only a fraction, 2,716, seized in 2023 and 2024. In UP, 12.38 lakh vehicles had completed their lifespan, but just 3,689 were seized over past two years. Rajasthan had over 6 lakh such vehicles, with 963 seized in the same period.

Delhi has already cancelled the registration of more than 60 lakh overaged vehicles and intensified enforcement to remove those still in use. However, the high number of such vehicles in neighboring states poses a serious challenge to the city's anti-pollution efforts.To strengthen enforcement, the Delhi government is installing CCTV cameras at petrol pumps to ensure fuel is not provided to vehicles that have completed their lifespan. More than 400 pumps have already been equipped with cameras, with testing and software integration currently underway. The system will also check vehicles without valid Pollution Under Control certificates. Officials said the initiative will be expanded to all fuel stations across the capital in the coming months.

Justice Joymalya Bagchi appointed to Supreme Court, likely Chief Justice in 2031

New Delhi. Justice Joymalya Bagchi of the Calcutta High Court has been appointed as a judge of the Supreme Court. The President issued the order following a recommendation from the Supreme Court collegium.

On Thursday, the five-judge collegium sent its recommendation to the central government. Justice Bagchi will have a long tenure in the Supreme Court. After the retirement of Justice KV Viswanathan in May 2031, he will become the Chief Justice of India.

The last judge from the Calcutta High Court to be appointed to the Supreme Court was Justice Altamas Kabir. He retired as Chief Justice of India on July 18, 2013. Since then, no Chief Justice has come from the Calcutta High Court. After the retirement of Justice Viswanathan on May 25, 2031, Justice Bagchi will assume the role of Chief Justice of India until his retirement on October 2, 2031.

Before assuming the role of Chief Justice, Justice Bagchi will serve as a judge in the Supreme Court for six years. The collegium considered the fact that the Supreme Court bench currently has only one judge from the Calcutta High Court. Justice Bagchi is ranked 11th in the all-India seniority list of high court judges, including chief justices.

The Supreme Court collegium has recommended Justice Bagchi's elevation to the Supreme Court. If appointed, he will be in line to become the Chief Justice of India. If the appointment is made soon, he will assume the role in 2031. Justice Bagchi has recently heard cases on financial mismanagement at RG Kar Hospital and raised concerns about corruption in higher offices. He also questioned the conduct of the CBI while overseeing investigations into the teacher recruitment scam. With Justice Bagchi's appointment, the Supreme Court will reach its sanctioned strength of 34 judges.

Udhayanidhi Stalin on Dharmendra Pradhan's remark: Playing with Tamil Nadu's language

Tamil Nadu Deputy Chief Minister Udhayanidhi Stalin criticised Union Education Minister Dharmendra Pradhan for his withdrawn remarks on Tamil Nadu MPs. He also urged the Centre to release education funds, accusing it of undermining the state's rights.

New Delhi. Deputy Chief Minister Udhayanidhi Stalin on Monday criticised Union Education Minister Dharmendra Pradhan for his remarks in the Lok Sabha about Tamil Nadu MPs. The remarks were later withdrawn. He also called on the Union government to release funds meant for school children in the state.

"The Union government should release the funds due for education of our school children immediately. Playing with the language of Tamil Nadu, its education, and rights is equivalent to kindling the fire," Udhayanidhi said in a social media post.

Referring to Pradhan's comments, he said, "The Union Minister vented his anger in Parliament by demeaning and calling us, who belong to the world's oldest civilisation, uncivilised."

He said such remarks about Tamil Nadu MPs were an insult to the people who had elected them.

"He does not know the antiquity of the Dravidian civilisation. Though he may not know the history of our civilisation, he would not have spoken the way he did if he'd known the socio-political history of the past century. Since he is ruling from Delhi, he thinks he is above us," he said.

He added that it was "not befitting his post to threaten and force people to accept the National Education Policy in its entirety or speaking in anger if we do not submit to his threat."

283 Indians lured into illegal jobs in Myanmar rescued

New Delhi. As many as 283 Indian nationals who were victims of fake job offers in Myanmar have been rescued and repatriated from the country.

Indian embassies in Myanmar and Thailand have coordinated with the local authorities to secure the repatriation of Indian nationals on Monday by an Indian Air Force (IAF) aircraft from Mae Sot in Thailand, the Ministry of External Affairs (MEA) said.

The ministry said India has been making sustained efforts to secure the release and repatriation of its nationals lured to various Southeast Asian countries, including Myanmar, with fake job offers. "These persons were subsequently made to indulge in cybercrime and engage in other fraudulent activities in scam centres operating in regions along the Myanmar-Thailand border," it said. The government wishes to reiterate its caution, circulated earlier from time to time through advisories and social media posts, about such rackets, it said. "Indian nationals are once again advised to verify the credentials of foreign employers through Missions abroad and check the antecedents of recruiting agents and companies before taking up a job offer," the MEA said in a statement.

Three Bihar doctors land in jail after liquor party

Bihar Police arrested three doctors in Patna for allegedly consuming alcohol at a private resort. A late-night raid confirmed their involvement, and they were sent to jail. Authorities are investigating the resort owner's role.

New Delhi. Bihar Police in Patna arrested three doctors for allegedly consuming alcohol at a private resort, authorities said on Saturday. The arrests took place at Buddha Resort in Janipur police station limits following a late-night raid.

Janipur police station received information that a gathering was taking place at the resort where alcohol was being consumed. Officers conducted a raid and found three doctors drinking, police said. The arrested individuals were identified as Ajay Kumar, Ranvijay Kumar, and Sandeep Kumar.

"All three are doctors. They were present at the gathering and were found consuming alcohol," said Janipur police station chief Balbir Singh. "Their medical examination confirmed alcohol consumption. They have been sent to jail." Authorities said the arrested individuals belong to different districts. Ajay Kumar and Ranvijay Kumar are from Samastipur, while Sandeep Kumar is from Chapra. One of them operates a private hospital in Patna. Senior Superintendent of Police Avkash Kumar said officers recovered bottles of alcohol from the scene. "Police received information about a party at a resort. A raid was conducted, and three individuals were detained. Bottles of alcohol were also seized," he said.

Other attendees were questioned, but police said they were released as no evidence of alcohol consumption was found. Officers are investigating the role of the resort owner and other individuals involved.

Delhi mosques alter 'Juma prayer' timings to accommodate Holi

NEW DELHI. Several Delhi mosques have decided to adjust Friday prayers (Juma Namaz) timings on Holi, to be celebrated on March 14, to accommodate the festivities. Some of the mosques have suggested postponing the prayer to later in the day, starting at 2:30 pm.

Since Holi is coinciding with the second Friday of Ramzan this year, the timing adjustments are being considered. The new directive came two days after a circle officer in UP's Sambhal kicked up a row by commenting that those who feel uncomfortable with Holi colours should stay indoors, as the festival comes only once a year, whereas Juma namaz takes place 52 times in a year. Following Sambhal, mosques in Rampur also announced a change in timings of the Juma prayer.

One of the Muslim clerics from Mayur Vihar Deen Mohammad said, "...on the day of the festival, our mosque has issued an advisory that the Juma Prayer which is usually offered between 12:30 and 1 pm may be postponed and held between 2 pm and 2:30 pm."

Meanwhile, an Imam of Inayati Masjid shared in the whatsapp group saying, "Announcment for coming Juma prayer- On account of Holi on Friday March 14, the time of Juma Khutba is changed to 2:30 pm InshaAllah. The above time change is only for coming Juma."

Similarly, the timings are changed in Makki Masjid in Vikas Nagar. Imam of the Masjid, Hafiz Rais urged the Muslims to not make an issue if anyone will throw colour on them on Friday.

Speaking to the Shahi Imam of Fatehpuri Masjid - Dr Mufti Mohammad Mukarram Ahmad, said, "This is not the first time when a festival is coinciding with Friday. We are living in a democratic country for over 70 years and this is all normal for us. We need to keep going by just respecting each others' boundaries.

Haryana Congress plans to move privilege motion over Rohtak land dispute

- **The Haryana Congress plans to move a privilege motion against the BJP government over alleged land encroachment at Peer Bodhi Johad in Rohtak. The government denies the existence of a pond, but Congress leaders claim land mafias are attempting to take control of the site.**

New Delhi. The Haryana Congress announced plans to move a privilege motion against the ruling BJP government in response to the situation at Peer Bodhi Johad in Rohtak, where the party alleged that land is being taken over illegally. Former Chief Minister Bhupinder Singh Hooda, along with MLA Bharat Bhushan Batra and Nirmal Singh, were present during the announcement. The state government has denied the existence of a pond at the site. Batra said, "The government claims that no such issue is even in their knowledge."

Speaking on the matter, Batra said, "125 years ago, this land was taken by the Waqf Board, which was later claimed by farmers. The government says there is no johad here, but there is a johad, and the land mafia wants to fill it with soil and take control. In this matter, the minister lied, and one should not lie in the House. We will bring a privilege motion against the minister."

Batra, the local MLA, has accused a group of attempting to take control of government land at the Peer Bodhi Reservoir. He also criticised the Waqf Board for not acting against the encroachment.

Batra said, "Currently, the land is being filled with soil, and illegal plots will soon be carved out. The Peer Bodhi land is part of the city's heritage, and the state government must take immediate steps to remove the encroachments and reclaim the land to prevent further illegal activities. I will raise this issue in the ongoing Budget session of the Vidhan Sabha."

He added, "Over 125 years ago, 12 villages created this 32.5-acre waterbody to store rainwater for use during droughts. Over time, encroachments have reduced the area to just 12 acres, though the waterbody itself remains intact. In 1991, the land was transferred to the Waqf Board due to the presence of a mazaar there."

Batra said the reservoir plays a role in managing floodwaters, with excess water being diverted to the Ghuskani canal. He accused the Waqf Board of failing to act despite the situation and called on the state government to take control of the land to protect the waterbody. He also said it is illegal to fill the reservoir.

Batra urged the government to ensure the preservation and development of the entire 32-acre reservoir. He also asked for a solution to waterlogging near Chhotu Ram Chowk, suggesting that the nearby pond be developed into a reservoir to store rainwater.

The government's response was criticised by the Congress, which accused Minister Mahipal Dhanda of misleading the House. Earlier, Dhanda had said, "You are misleading the House. There has been no such notice." Chief Minister Manohar Lal Khattar intervened, saying, "We will get this enquired by the apex court." Khattar and Dhanda stated that the land in question is being used for agriculture.

NEWS BOX

'This is crazy': Elon Musk reacts as 4 Tesla Cybertrucks go up in flames

world.Tesla CEO Elon Musk expressed his shock after witnessing four Tesla Cybertrucks engulfed in flames in Seattle on Sunday night. The tech billionaire replied to a post on his social media platform, X, which shared footage of firefighters extinguishing the burning Tesla Cybertrucks. He wrote, "This is crazy."The original post that Elon Musk replied to alleged that the incident might've been a "coordinated attack" by Democrat NGOs. Some Democrats have strongly opposed Musk's growing influence within the Trump administration.However, there is no official confirmation supporting this claim. Authorities are investigating the incident.According to KOMO News, the four trucks were parked inside a fenced lot near 2nd Avenue in Seattle's SoDo neighborhood. The parking lot had over 50 electric vehicles awaiting transportation to dealerships.

A reporter from KIRO news radio covering the scene was allegedly threatened with a knife by an unidentified individual in the parking lot.

Why are Cybertrucks being targeted?

This is not the first attack on Tesla vehicles. Elon Musk owns the electric carmaker. This has made the truck an outlet for some to express their anger towards the tech billionaire's involvement in the Trump administration. Elon Musk is the mastermind behind the Department of Government Efficiency (DOGE), which has enforced mass layoffs in several US agencies and departments.This resentment is not confined only to the US. On March 2, La Dpche reported that a Tesla dealership was set on fire in France.Additionally, Tesla vehiclesincluding Cybertruckshave been frequently vandalized, defaced with Nazi stickers, or damaged as acts of protest.

US Billionaire Says She Stood In Queue For Hours To Land Job At Her Own Company

world. Lynsi Snyder, heiress to In-N-Out, a popular fast-food restaurant chain in the US has revealed that she stood in a line for hours to land a job at her own company. Ms Snyder, who became the president of In-N-Out Burger at the age of 27, said she was just 17 years old when she started working at the restaurant to show she hadn't been handed any opportunities simply because of her surname.According to a report in Fortune, Ms Snyder queued up for two hours outside a new In-N-Out restaurant in Redding, California to land a summer job at the chain."I think that there's a stigma that can come with being the owner's kid. I just wanted to be respected like others, doing it the right way and not having the special treatment," Ms Snyder said.Ms Snyder revealed that her first job at the burger chain involved doing minor jobs like chopping vegetables and serving customers. In fact, she previously said that no one knew her real identity except the manager of the store. This ensured she was not treated differently from other employees. She added that the experience helped her gain the confidence to do things her way.She also addressed the struggles she faced while taking on such a huge responsibility at a young age. "In the earlier days, I actually wore pantsuits, and I did that because I felt like I was supposed to."

"And then I finally was confident in who I am and who I'm not. You're going to get judged either way, so you might as well be judged for being who you are," she continued.Notably, In-N-Out Burger was founded by Ms Snyder's grandparents in 1948. When her grandfather, Harry Snyder, died in 1976 the business was led by his sons Rich and Guy. Rich Snyder died in a plane crash in 1993, followed by the death of Ms Snyder's father, Guy Snyder, in 1999. At the age of 17, Lynsi Snyder was the last blood relative surviving of the burger dynasty.

More Than 30 Nations Will Participate In Paris Planning Talks On Security Force For Ukraine

PARIS. Military officials from more than 30 nations will take part in Paris talks on the creation of an international security force for Ukraine, a French military official said Monday. Such an international force would aim to dissuade Russia from launching another offensive after any ceasefire in Ukraine comes into effect.The long list of participants in Tuesday's discussions will also include Asian and Oceania nations that will join remotely, the French official said. The international makeup of the meeting offers an indication of how broadly France and Britain - which are working together on plans for the force - are casting their net as they aim to build what the French official described as a coalition of nations "able and willing" to be part of an effort to safeguard Ukraine in the event of a ceasefire.The French military official spoke to The Associated Press on condition of anonymity to discuss the blueprint for the force that is shrouded in secrecy and the Paris talks that will consider it. The force being envisaged by France and Britain would aim to reassure Ukraine and deter another large-scale Russian offensive after any ceasefire, the official said. It could include heavy weaponry and weapons stockpiles that could be rushed within hours or days to aid in Ukraine's defense in the event of a Russian attack that shatters any truce, the official said.The French-British blueprint will be presented to military officials from more than 30 nations in the first part of Tuesday's talks, the official said. The talks' second part will include "more precise and concrete" discussions where the participants will be invited to say whether and how their militaries might be able to contribute, the official said.and the United States, the official said.

Tornado strikes Central Florida, disrupts TV station during live broadcast

Tornado hit Central Florida causing damage, power outages
No serious injuries reported despite severe home damage
3,500 people initially without power; outages ongoing

UPDATED. A tornado touched down in Central Florida Monday morning, causing widespread damage and leaving thousands without power in the Lake Mary area as severe storms moved through the region.Seminole County Fire Rescue responded to reports of a collapsed home in the 2100 block of Blue Iris Place, where the damage was most severe. However, no serious injuries have been reported so far.Nearly 3,500 people were left without electricity in the immediate aftermath of the storm, with many still dealing with power outages. During live coverage at FOX 35 News in Lake Mary, meteorologist Brooks Garner was tracking the Tornado Warning when the twister unexpectedly crossed over the studio.Garner, visibly shaken, was heard on air urging coworkers to seek shelter as the storm passed overhead. The National Weather Service earlier issued a Tornado Warning for parts of Lake, Seminole, and Volusia counties.

The police officials also urged residents to stay indoors and avoid traveling due to dangerous debris on the roads. By the time the storm moved through, at least 500 people had lost power, and authorities were working to assess the full extent of the damage.The storm was part of a broader system of severe weather, caused by an upper-level low-pressure system moving across Alabama, Florida, and Georgia. As the system continues to move eastward, the National Weather Service is conducting a damage survey to determine the track and intensity of the tornado.The weather service issued an early warning on Monday, saying that a cold front moving across eastern central Florida will bring rain, lightning, strong wind gusts, large hail, and a chance of a brief tornado. Wind gusts could reach up to 35 mph, and a wind advisory will remain in effect until the evening.

Shark attack in Australia: Search for missing surfer as beachgoers watch in shock

UPDATED Australian authorities on Monday informed that a surfer had gone missing after a suspected shark attack at Wharton Beach. The Department of Primary Industries and Regional Development (DPIRD) issued a press release over the incident. DPIRD revealed that it received a report of a "serious shark bite" at Wharton Beach at around 12:17 pm.Authorities have recovered a surfboard. However, the surfer remains missing. Western Australia police have launched a search operation to locate the victim. The beach has been closed for visitors. The beach is around 775 km away from south-east Perth. The species of the shark involved in the attack is unknown.Joscelin Boissieux, a witness, recalled the horrifying sight. He recalled that onlookers screamed in fear as the tragic incident happened. They quickly abandoned the waters and rushed to shore."We heard the scream, and everyone got out of the water there was only a surfboard left, floating around about 30 metres from the shore," Boissieux told 9News Perth.

Boissieux said that the surfer's partner was devastated after witnessing the attack. "She was shocked," he claimed.

According to the Australian Shark-Incident Database, there have been four other shark attacks reported so far this year. This includes the fatal attack on a 17-year-old girl at Queensland's Woorim Beach.Authorities urge vsitors to take caution

DPIRD issued a set of guidelines for anyone near the area:Take additional caution in the Wharton Beach area.

Adhere to beach closures advised by Local Government Rangers, Parks and Wildlife Service officers or Surf Life Saving WA (SLSWA).Use your Sea Sense and stay informed by checking for shark activity on the SharkSmart website, SharkSmart WA app or follow @SLSWA on X .If you see a shark, report it to Water Police on 9442 8600. All shark sighting information reported to Water Police is provided to land managers and relevant authorities and to the public on the SharkSmart website, SharkSmart WA app and @SLSWA on X.

Indian student goes missing while vacationing in Dominican Republic

NEW YORK. A 20-year old Indian student has gone missing while on vacation in the Dominican Republic and US federal law enforcement agencies are working with authorities in the Caribbean country on the investigation in her disappearance.Sudiksha Konanki is a citizen of India and a permanent resident of the United States.

A student at the University of Pittsburgh, Konanki, was reported to be vacationing with five female college friends at a resort in Punta Cana, Dominican Republic, the Loudoun County Sheriff's Office said in a statement Monday.Konanki was reported missing on March 6.

The Loudoun County Sheriff's Office (LCSO) said it continues to assist and support the US federal law enforcement agencies working with the Dominican National Police and others to determine Konanki's whereabouts and what may have happened to her.

Konanki, a resident of Loudoun County, Virginia, was reported missing while vacationing on a spring break trip in Punta Cana and was last seen in the early morning of March 6.The ongoing investigation includes wide-ranging search efforts, along with a review of surveillance video and telephone records.

Interviews are also continuing with anyone who may have seen or been with Konanki before she went missing, the LCSO statement said.It added that the LCSO has filed for a Yellow Notice (worldwide police alert for a missing person) to be issue by INTERPOL.

A report in ABC News said three Dominican officials involved in the investigation told the outlet over the weekend that Konanki is believed to have drowned in the ocean.The LCSO cautioned against drawing any unsubstantiated conclusions, saying there has been considerable public speculation about what may have happened to Konanki and who may be involved.

We caution anyone from drawing any unsubstantiated conclusions and are committed to ensuring that a thorough investigation is conducted before any conclusions are reached, it said.The LCSO said it is hopeful for Konanki's safe return and we are committed to supporting this investigation and her family in every way possible?.The LCSO is working closely with federal partners at the US Department of State, FBI, DEA and Homeland Security Investigations (HSI) as well as the University of Pittsburgh Police in support of the ongoing investigation by the Dominican National Police.The report in ABC News quoted two police sources with knowledge of the investigation as saying that Konanki's clothes were discovered on a portable beach bed close to the beach where she went missing?.

The police have found no evidence of violence, according to sources.The ABC News report said that after going to a nightclub on the night of March 5, Konanki and a group of people went to the beach at about 4 am local time on Thursday, March 6.The report quotes sources as saying that the other women travelling with Konanki went back to their hotel at about 5:55 am, with security cameras capturing their return to their rooms.

A man stayed behind with Konanki on the beach, according to a Dominican Republic investigative police report.

Trump warns that arrest of Palestinian activist at Columbia will be 'first of many

new york. President Donald Trump warned Monday that the arrest and possible deportation of a Palestinian activist who helped lead protests at Columbia University will be the first "of many to come" as his administration cracks down on campus demonstrations against Israel and the war in Gaza.Mahmoud Khalil, a lawful U.S. resident who was a graduate student at Columbia until December, was detained Saturday by federal immigration agents in New York and flown to an immigration jail in Louisiana."We know there are more students at Columbia and other Universities across the Country who have engaged in pro-terrorist, anti-Semitic, anti-American activity," Trump wrote in a social media post. "We will find, apprehend, and deport these terrorist sympathizers from our country — never to return again."

But a federal judge in New York City ordered Monday that Khalil not be deported while the court considered a legal challenge brought by his lawyers. A hearing is scheduled for Wednesday.Khalil's detention drew outrage from civil rights groups and free speech advocates, who accused the administration of using its immigration enforcement powers to squelch criticism of Israel.He is the first person known to be detained for deportation under Trump's promised crackdown on student protests.Federal immigration authorities also visited a second international student at Columbia on

Friday evening and attempted to take her into custody but were not allowed to enter the apartment, according to a union representing the student.Khalil, 30, had not been charged with any crime related to his activism, but Trump has argued that protesters forfeited their rights to remain in the country by protests he claimed support Hamas, the Palestinian group that attacked Israel on October 7, 2023. The U.S. has designated Hamas as a terrorist organization.Khalil and other student leaders of Columbia University Apartheid Divest have rejected claims of antisemitism, saying they are part of a broader anti-war movement that also includes Jewish students and groups. But the protest coalition, at times, has also voiced support for leaders of Hamas and Hezbollah, another Islamist organization designated by the U.S. as a terrorist group.The .S. Education Department on Monday warned some 60 colleges, including Harvard and Cornell, that they could lose federal money if they fail to uphold civil rights laws against antisemitism and ensure "uninterrupted access" to campus facilities and education opportunities. The Trump administration is already pulling $400 million from Columbia.

A group of Columbia faculty members expressed concern Monday that Khalil's detention was intended to suppress free speech by students and staff who are not U.S. citizens.

"The attack on Mahmoud Khalil is intended to make them quake in their boots, and to make all of us quake in our boots," said Michael Thaddeus, a Columbia math professor. "Our message to Washington is that we are not silenced, we are not afraid, and we stand together, determined to defeat this ongoing assault on our fundamental rights.

Trump's strategy in Middle East, Ukraine faces resistance from weaker parties

World As President Donald Trump seeks to end wars in the Middle East and Ukraine, his approach to both seems to boil down to giving the stronger party what it wants and pushing the weaker to accept it.His defenders view it as hardnosed realpolitik — a recognition that the strong eventually prevail, so better to cut one's losses in the interest of a certain kind of peace. "You don't have the cards right now," Trump told Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy in their White House blowup."He's transactional," said Aaron David Miller, a former veteran U.S. diplomat now at the Carnegie Endowment for International Peace. Trump is "looking for quick wins — deals, I would argue — not anything remotely related to the incredibly difficult work" of conflict resolution.But the eventual outcome of conflicts is not always determined by military power alone – see America's 20-year war in Afghanistan, where the world's strongest military failed to defeat a tenacious insurgency.And the mercurial Trump has a way of complicating any unified theory of his actions: In recent days, he has threatened new sanctions against Russia and his administration unnerved some Israelis by negotiating directly with Hamas., which the U.S. and Israel view as a terrorist group.As President Donald Trump seeks to end wars in the Middle East and Ukraine, his approach to both seems to boil down to giving the stronger party what it wants and pushing the weaker to accept it.His defenders view it as hardnosed realpolitik — a recognition that the strong eventually prevail, so better to cut one's losses in the interest of a certain kind of peace. "You don't have the cards right now," Trump told Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy in their White House blowup."He's transactional," said Aaron David Miller, a former veteran U.S. diplomat now at the Carnegie Endowment for International Peace. Trump is "looking for quick wins — deals, I would argue — not anything remotely related to the incredibly difficult work" of conflict resolution.But the eventual outcome of conflicts is not always determined by military power alone – see

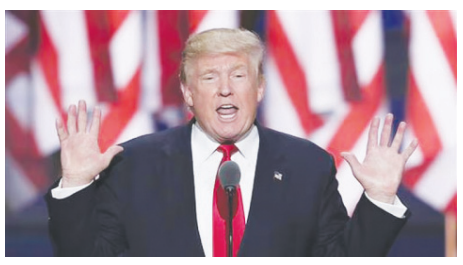

America's 20-year war in Afghanistan, where the world's strongest military failed to deeat a tenacious insurgency.And the mercurial Trump has a way of complicating any unified theory of his actions: In recent days, he has threatened new sanctions against Russia and his administration unnerved some Israelis by negotiating directly with Hamas., which the U.S. and Israel view as a terrorist group.The strong do as they wish – but not alwaysThe limits of military power have been debated for millennia.Thucydides' fifth century B.C. history of the war between Athens and Sparta includes a famous debate over the use of military power known as the Melian Dialogue.Athens lands a fleet at the island of Melos and makes the city-state an offer it can't refuse. Join the empire, pay tribute and you won't be obliterated. The Athenians famously advise the Melians to "try to get what it is possible for you to get," considering that "the strong do what they have the power to do and the weak accept what they have to accept."The Melians refuse, appealing to "fair play and just dealing." They warn the Athenians that such belligerence could drive other small states into the arms of Sparta. Athens lays siege to Melos, and after months of fighting sacks it, putting the men to death and sending the women and children into slavery.It's a grim parable — and perhaps a cautionary tale for Canada, Greenland and Panama.In more recent conflicts, however, military might has only gone so far. Hamas has survived five wars against the most powerful military in the Middle East, the last sparked by a surprise attack that caught Israel's vaunted security agencies unaware.

NEWS BOX

After Champions Trophy win, Ravindra Jadeja joins CSK in 'Pushpa' style

New Delhi. After winning the Champions Trophy on Sunday, March 9 in Dubai, Ravindra Jadeja joined up with the Chennai Super Kings on Monday with some swag. Jadeja arrived in 'Pushpa' style at the team's base as CSK get ready for the IPL 2025 season.

Jadeja played a vital role in India's Champions Trophy win in Dubai as he was clinical with the ball, especially during the middle overs. The all-rounder picked up 5 wickets during the tournament in 5 matches at an economy rate of 4.35. Jadeja also hit the winning runs in the final against New Zealand, which allowed India to pick up their third Champions Trophy title.CSK shared the video of Jadeja's arrival on their social media platforms on Tuesday morning and it showed the all-rounder imitating Telugu actor Allu Arjun's iconic character from the movie Pushpa. Jadeja was completely embodying the character's swag and even tweaked Pushpa's iconic dialogue to suit him."Jaddu sirf naam nahi, Jaddu matlab brand! (Jaddu isn't just a name, it's a brand.)"

The video certainly sent the CSK fans into a frenzy as they showed their love for the all-rounder in the comments. You can see the full video below:CSK aiming for their 6th IPL 2025 title

Chennai will be aiming for their 6th IPL title this season and will kickstart their campaign with a home fixture against Mumbai Indians. This will be followed by another home game

at the Chepauk against southern rivals Royal Challengers Bengaluru.Jadeja will be reunited with his former Test team spin partner R Ashwin this year at CSK.

CSK full squad for IPL 2025:

Ruturaj Gaikwad, Devon Conway, MS Dhoni, Rahul Tripathi, Vansh Bedi, Shaikh Rasheed, Ravindra Jadeja, Shivam Dube, Ravichandran Ashwin, Rachin Ravindra, Anshul Kamboj, Sam Curran, Deepak Hooda, Jamie Overton, Vijay Shankar, Ramakrishna Ghosh, Kamlesh Nagarkoti , Mukes Choudhary, Matheesha Pathirana, Noor Ahmad, Khaleel Ahmed, Gurjapneet Singh, Nathan Ellis, Shreyas Gopal.

Another injury blow to Mayank Yadav, LSG pacer to miss 1st half of IPL 2025: Report

New Delhi. Lucknow Super Giants (LSG) are likely to miss out on having Mayank Yadav for the first half of the Indian Premier League (IPL) 2025. As per reports on ESPNcricinfo, Mayank is yet to recover from a lumbar stress injury. After sustaining a back injury following his debut for India in the T20I series against Bangladesh last year, Mayank underwent rehabilitation at the BCCI's Centre of Excellence in Bengaluru and has resumed bowling only recently.There is no fixed time as to when the speedster will make a comeback, but reports mentioned that if he meets the fitness guidelines, he could well be available to play for the Super Giants in the second half of the IPL.

Mayank Yadav's troubles with injuries

Mayank has had his fair share of trouble with injuries in the last 12 months. Last season,

the speedster hogged the limelight after bowling at speeds of around 155 on a consistent basis. After missing the 2023 season due to injury, Mayank picked up three wickets on debut last year against the Punjab Kings. In the very next game against Royal Challengers Bengaluru (RCB), he picked up three wickets to win back-to-back Player of the Match awards.But his campaign was limited to only four matches due to a side strain. Despite not being available for most part of last season, LSG showed faith in him and retained him for INR 11 crore before the mega auction that took place in November.

In the meantime, Zaheer Khan, who was appointed as LSG's Director of Cricket, said that the team has been working hard with Mayank on when the pacer could make a comeback after attaining full fitness.

"As much as we are keen on having him [play IPL 2025], we want him 150% fit not just 100% fit so we'll do everything possible to get him there," Zaheer had said.

Some Manchester United players not 'good enough', some 'overpaid': Jim Ratcliffe

Manchester United co-owner Jim Ratcliffe has delivered a damning verdict on the current squad, saying some of the players are not 'good enough'. Ratcliffe also gave his backing to current manager Ruben Amorim.

New Delhi. Manchester United co-club owner Jim Ratcliffe said on Monday, March 10 that some of the players at the club are not 'good enough' and some are 'overpaid.' Ratcliffe also gave his backing to current manager Ruben Amorim, who faces an uphill task at the moment to turn around the fortunes.Ratcliffe completed an acquisition of a 27.7 percent stake in United in February 2024, but the current season hasn't gone according to plan. The Red Devils are currently 14th in the Premier League after their latest draw against Arsenal.

There were protests against the ownership before the game against the Gunners on Sunday, March 9 and Ratcliffe said in an interview with the BBC that most of the issues were already there when he had acquired the stake at the club.We're buying Antony, we're buying Casemiro, we're buying (Andre) Onana, we're buying (Rasmus) Hojlund, we're buying (Jadon) Sancho... whether we like it or not, we've inherited those things and have to sort that out."For Sancho, who now plays for Chelsea and we pay half his wages, we're paying 17 million pounds ($21.87 million) to buy him in the summer.""Some players are not good enough and some probably are overpaid, but for us to mould the squad that we are fully responsible for, and accountable for, will take time."

'Amorim is doing a really good job'

Speaking about Amorim, Ratcliffe said that he feels the Portuguese tactician is doing a really good job at the moment with the squad at his disposal. Ratcliffe feels that Amorim will be at the club for a long time."If I actually look at the squad which is available to Ruben, I think he is doing a really good job to be honest," Ratcliffe said. "I think he will be there for a long time.""You are beginning to see a glimpse of what Ruben can produce. I think you saw a glimpse of it against Arsenal."United will face Real Sociedad in their Round of 16 second leg tie in the Europa League on Thursday, March 13 before facing Leicester City on Sunday.

Sports Ministry revokes suspension of Wrestling Federation of India

New Delhi. The Sports Ministry has revoked the suspension of the Wrestling Federation of India (WFI). On March 10, the WFI issued a directive instructing the newly elected Executive Committee to refrain from overseeing and managing the Federation's daily operations until further notice.The ad-hoc committee was headed by Bhupinder Singh Bajwa, with hockey Olympian MM Somaya and former international shuttler Manjusha Kanwar as its members.The Ministry took the decision after concerns over governance failures and procedural irregularities by the newly elected body, which was apparently under the control of former office bearers in violation of the National Sports Development Code of India, 2011 ("Sports Code"). All decisions made by the previous IOA-appointed Ad-hoc Committee have been cancelled.

Back in December 2023, the ministry announced its decision to suspend the WFI body under the leadership of Sanjay Singh. The Ministry had said that the WFI body had shown complete disregard for the existing rules and regulations, saying that the announcement for national competitions was hasty, and that due process was not followed.The ministry had stated that Sanjay Kumar Singh, the president of the WFI, announced that the junior national competitions would begin before the end of 2023. However, the ministry clarified that this announcement violated regulations, as a minimum 15-day notice was required to allow wrestlers adequate time for preparation.Last year, the Delhi High Court reinstated the 2023 mandate of the ad-hoc committee to oversee the daily affairs of the WFI. The decision was made after an application filed by wrestlers Bajrang Punia, Vinesh Phogat, and others in February, seeking a stay on the operations of WFI due to the abuse allegations against the federation's leadership.

Rohit Sharma, Virat Kohli show there is more than one way to answer retirement calls

"**New Delhi.** Koi future plan ni hai. Jo chal ra hai wo chalega (There's no future plan, things will keep on going as they are). I'm not going to retire from this format. Just to make sure that no rumours are spread moving forward."

This was Rohit Sharma's formal way of squashing all the retirement rumours around him after lifting the Champions Trophy 2025 on Sunday, March9. It felt like he was a guy standing in front of his college principal as his answer lacked the casual tone that the Indian captain had become famous for. Little did we know, the 37-year-old would deliver the same announcement via an X-rated message right after the game as he finished celebrating with Virat Kohli.He made it clear in the video, which seemed like two friends from college just cracking a joke amongst themselves while not in the presence of their teachers. The Indian captain has dealt with his retirement calls in fantastic fashion and that in just more than one way.The Indian captain, along with Kohli, were under scrutiny over their spots in

the team after the disastrous Australia tour. Both men were trolled and Rohit even had questions raised over his captaincy while the Champions Trophy was going on.

While many came to their defence, Rohit and Kohli decided it was best to answer things on the field. There was a bit of class, defiance and determination in their approach to the Champions Trophy and how they shut out the retirement calls.

Defiance to change their methods

When you look at Rohit and Kohli, they're almost polar opposites. Rohit is known for his lazy elegance while batting and Kohli is known for the hustle he shows while batting. The Indian captain, known for his big hundreds in ODIs, decided to change himself for the better of the team in 2023.

We saw a more aggressive Rohit, who started to go hard at the ball instead of focusing on constructing his innings. For Kohli, it was all about calmness and giving a bit extra all the time on the field. These approaches were questioned during the Champions Trophy.

Champions Trophy: Transitioning New Zealand deserve to be put on a high pedestal

New Delhi. If you're hit by bullets, not once but twice, it's unlikely that you'll be able to stand on your feet for quite some time. If the bullet pierces your head or hits your heart, surviving would take a miracle. New Zealand were metaphorically hit by two bullets on Sunday, but they fought valiantly until their last breath in the Champions Trophy final.Firstly, they were without their premier fast bowler, Matt Henry, due to injury, leaving a relatively inexperienced pace attack to face a batting lineup firing on all cylinders. Henry had given India nightmares in broad daylight several times. Just last week, he became the first bowler to take a five-wicket haul against India in the Champions Trophy.Although Dubai is generally kind to spinners, Henry brought his utility both as a new-ball bowler and at the death. With Henry missing, the Kiwis were left with a bowling attack that had a combined experience of just 36 ODIs. As if Henry's injury wasn't enough, the Black Caps suffered another setback.

Kane Williamson is no longer the New Zealand captain; Mitchell Santner is. But with Santner leading in his first ICC event, Williamson's invaluable experience would have helped apply more pressure on the star-studded Indian batting lineup. Williamson

didn't take the field due to a quad strain he sustained while batting.

New Zealand's lion-hearted efforts in vain

As New Zealand enter a new era without stalwarts Tim Southee and Trent Boult, Matt Henry was expected to be a key player for them. In the group game, the Black Caps had India at 30 for three after Henry took the wickets of Shubman Gill and Virat Kohli. But on Sunday, without him, New Zealand leaked 69 runs in the powerplay.

Despite the poor start, the Black Caps fought hard with their spinners. Santner led the charge with two crucial wickets - Gill and Shreyas Iyer - while Rachin Ravindra, Michael Bracewell, and Glenn Phillips provided solid support. However, O'Rourke and Nathan Smith's inexperience cost the Kiwis, as they conceded 78 runs off nine overs without any success.At one stage, Bracewell and Ravidra bowled in tandem, giving away just nine runs off five overs, including 11 consecutive dot balls and a maiden over from Bracewell. But due to a lack of resources, New Zealand eventually ran out of firepower. It raises the question of whether the Kiwis should have included someone like Jacob Duffy, who has 19 ODI wickets from 11 games.

Not Mitch Santner! This All-Rounder To Lead New Zealand In Pakistan T20I Series

Michael Bracewell will lead New Zealand in the five-match T20I series against Pakistan, replacing Mitchell Santner, who is unavailable due to IPL commitments.

New Delhi. All-rounder Michael Bracewell will lead New Zealand in their five-match home T20I series against Pakistan starting from Sunday onwards at Christchurch. Regular skipper Mitchell Santner will be unavailable for the series due to T20 league commitments, notably the Indian Premier League (IPL) starting from March 22 onwards.A standout in New Zealand's run to the Champions Trophy Final with an unbeaten fifty and two wickets, Bracewell is joined by six other players from the campaign for the upcoming home series.Bracewell gets his first opportunity to lead his country on home soil having captained the side during a white-ball tour of Pakistan last year, and looks forward to the challenge of hosting Pakistan.It is a great honour and a real privilege to captain your country. I really enjoyed leading the side in Pakistan last year and we have got many players from that squad included for this series as well, which is nice," said Bracewell as quoted by ICC."Mitch Santner's done a great job since taking over as white-ball captain and I will really just be trying to build on his good work and create an enjoyable environment for the guys to perform in."Pakistan are always a dangerous short-form side with lots of power and pace and we know they will be hurting after an early exit in the Champions Trophy. For the guys

coming back from Dubai, there is obviously a level of disappointment, but also a lot of pride in the way we were able to perform and represent New Zealand."

"We have loved all of the support we have received from afar and are certainly looking forward to getting back home and playing in front of our own fans and in front of full venues," he concluded.Ish Sodhi returns to the group having missed the recent Sri Lanka home series, while Ben Sears comes back after tearing his hamstring which forced him out of the recent Champions Trophy campaign.Kyle Jamieson and Will O'Rourke are available for the first three games of the series as the team manages the fast bowlers' workloads after the recent ICC event. Matt Henry, who finished as the leading wicket-taker at the tournament despite missing the final through injury, is named for matches four and five though he will be subject to further fitness testing.

Finn Allen, Jimmy Neesham and Tim Seifert have also been included in the squad. Selector Sam Wells says the side has an eye on next year's T20 World Cup in India and Sri Lanka early next year."We are certainly starting to narrow our sights on the ICC T20 World Cup," Wells said. "We made it clear in our planning and communication with players that availability for that tournament and the build-up to it was required to be considered for this series against Pakistan.

Nora Fatehi

Slams Actors Who Paid PR To Replace Her: 'Stay In Your Lane And Be Respectful'

Nora Fatehi, known for her electrifying dance performances in Bollywood, recently revealed how some actors have used her name to gain publicity. She shared that certain individuals even went as far as paying PR agencies to create narratives suggesting they had replaced her. Addressing this issue, she confronted an actor who had spoken behind her back, calling out the disrespectful tactics.Speaking to BBC Asian Network, Nora expressed her frustration, saying, "They would go and pay their PR agencies and ask them to put their and my picture together with the caption, 'Nora is done. I am the new Nora.' Don't do that. That's ridiculous. Just because I don't have anyone to call you and ask you not to do that, doesn't mean that you can ride over me. Stay in your lane and be respectful."

Despite facing setbacks, including a severe ankle injury, Nora made a powerful comeback. Recalling how she was written off, she said, "So, when I was sitting with the ankle injury and reading that Nora is done, I was like okay, wait till my ankle is healed, let me show you. And I swear I wasn't fully recovered from the injury when I performed 'Payal.' I thought we need to send a message before 2025 comes in." The performance in Honey Singh's music video Payal proved to be a statement of resilience.

Acknowledging the industry's competitive nature, she admitted, "Everyone is trying to take everyone down." While some people appear friendly, they often work behind the scenes to replace others. Speaking about how she handles such behavior, she revealed, "I do confront them sometimes. I confronted a girl who was talking about me. I will not be a pushover or a doormat."Nora also recounted a time when an agency misled her into believing she was being considered for a role while secretly pushing another actress for the same project. "They told me they hadn't heard back, but then they got another girl locked for that part. They made me sit for months wondering what was happening," she shared, adding that she eventually dropped the agency.Nora's journey in Bollywood has been defined by her breathtaking dance moves, which have made her a household name. From Dilbar and O Saki Saki to Ek Toh Kum Zindagani, she has consistently delivered hit performances that have left a lasting impact on audiences.Beyond her dance numbers, Nora has expanded her presence in films. In 2024, she starred in Crakk, Madgaon Express, and Matka. Looking ahead, she is set to appear in the Hindi film Be Happy, the Tamil horror-comedy Kanchana 4, and the Kannada action thriller KD – The Devil.

Dipika Kakar

BREAKS Silence On Rumours Of Abandoning Daughter From First Marriage: 'Got Affected Big Time'

TV actor Dipika Kakar has finally reacted to the rumours which claimed that she abandoned her first daughter from her previous marriage. The Sasural Simar Ka actor revealed that it affected her 'big time' since the rumours circulated when she was going through a difficult time with her pregnancy in 2023.Dipika slammed trolls, stating that there was no truth to the matter. Speaking to Nayandeep Rakshit, she addressed the controversy, long after it has passed.

She said, "Mai ek maa pe bhi itna bada allegation lagane ka sochungi bhi nahi, ki usne apni beti ko abandon kar diya (I would never even think of making such a serious allegation against a mother—that she abandoned her daughter)."

She further recalled how it affected her mental health and said, "I got affected big time because that was the phase I was expecting Ruhan. And for me it was like, you know my only worry and my only question to Shoaib was, 'Yeh jab aayega toh log yeh bol ke kyo bolege' kyunki in baato mein koi sachai hi nahi hai. Ruhaan was a premature baby we had a difficult time in the hospital."

Previously, Dipika's husband, actor Shoaib Ibrahim slammed those circulating false news. He said in a vlog, "I'm saying it very clear today that this news is fake. The motive of the person who has spread this wrong news is unclear.

She was affected mentally. She was told so many things. Don't jump to conclusions. This is so bad and wrong. You are making such a big accusation on a woman who is celebrating her first child, who has suffered a miscarriage, and now she is living her happy life with her first baby."

For the unversed, Dipika Kakar was previously married to Raunak Samson. They parted ways in 2015, after four years of togetherness. Later, she met Shoaib on the sets of Sasural Simar Ka and they tied the knot in a traditional nikaah ceremony in 2018, after a grand proposal on national television. They welcomed their first child, Ruhaan, in 2023.

Selena Gomez Gushes Over Fiance Benny Blanco On His Birthday: 'Glad You Were Born'

Selena Gomez dropped a series of heartwarming pictures to commemorate her fiance, Benny Blanco's 37th birthday.

Selena Gomez made sure to express her love and affection towards Benny Blanco on his 37th birthday on March 8. To mark the special occasion, the Only Murders in the Building actress shared a series of heartwarming pictures on Instagram. The post began with a picture where Benny was seen planting a kiss on Selena's forehead while standing against the backdrop of a beautiful sunset.Other photos on the carousel captured the two hitting the slopes in full ski gear and some picture-perfect moments taken right before the couple attended prestigious awards shows like the Oscars and Golden Globes. Another cosy frame showcased the lovebirds cuddling on a couch. Selena was dressed in a festive red sweater, and Benny lounged beside her in a green tee. In one snap, the music producer embraced his fiancee from behind while she shyly looked down.

Pouring her heart into the caption, the Who Says singer expressed how much her fiance meant to her. Selena wrote, "I'm not sure what I did to deserve you but damn am I glad you were born. Happy birthday, baby." Benny reciprocated the love, saying, "I love u wifey" in the comments section.Nearly a month back, Selena and Benny surprised their fans by announcing the album I Said I Love You First on February 14, which marks their first-ever collaboration. To make Valentine's Day a bit more special, the two even dropped their album's first single, Scared of Loving You, along with an MV that captured the couple's intimate moments. The 14-track album, which will celebrate their love and give a peek into their story, will be released on March 21.

The album announcement came two months after Selena revealed that she said "Yes" to Benny when he popped the question to her. Taking to her Instagram account, the 32-year-old actor-singer dropped a series of pictures flaunting her new, lavish piece of bling on her ring finger. A picture in the post also showed a cosy moment between the couple,e where Benny could be seen giving her a peck on her forehead. In the caption of the post, Selena wrote, "Forever begins now.."

Triptii Dimri Visits Trimbakeshwar Jyotirlinga Temple In Nashik, Writes 'One For The Soul'

Triptii Dimri visited Trimbakeshwar Jyotirlinga Temple in Nashik. She shared photos on Instagram, captioning them "One for the soul."

Looks like Triptii Dimri has taken some time off from her stack of projects and is basking in spirituality. After spending her birthday with rumoured boyfriend Sam Merchant and her friends in the lap of nature, the actor visited Trimbakeshwar Jyotirlinga Temple in Nashik. She posted several photos from her pilgrimage on Instagram.Triptii stunned in multiple chikankari kurtas, serving ultimate summer fashion inspiration. In one her photos from the carousel, the actor was seen patiently standing in a queue, waiting for her turn to offer her prayers. Other pictures also showed how she was one with nature during her trip to Nashik. "One for the soul", she wrote, while sharing the pictures.

Meanwhile, photos from Triptii's intimate birthday celebrations also went viral. But the photos that gained maximun traction online was with hotelier Sam Merchant. "Happy birthday To the best soul (red heart emoji) @tripti_dimri Wish you happiness always", he wrote, while wishing the actor on Instagram.

In 2024, Triptii Dimri featured in Bad Newz, Bhool Bhulaiyaa 3, and Vicky Vidya Ka Woh Wala Video. She has an exciting slate of upcoming projects, including her first collaboration with Vishal Bhardwaj and Shahid Kapoor in Arjun Ustara.Up next, she will star in Dhadak 2 alongside Siddhant Chaturvedi. Directed by Shazia Iqbal, the film's release date has been pushed multiple times. It was first slated to release in November 2024, but it was later pushed to February 2025. Reportedly, the film is facing certification hurdles with the CBFC due to its content. A source told Bollywood Hungama, "Dhadak 2 deals with caste issues and is supposed to be a shocking tale.